THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 100 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.12 2083 शनिवार, 11 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

एनसीईआरटी मामले में शिक्षा मंत्रालय ने ब्लैकलिस्टिंग फैसले की जांच के आदेश दिए

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने एनसीईआरटी द्वारा पाठ्यपुस्तकों के लिए कागज सप्लाई करने वाली कंपनी बाफना ग्लोबल वेंचर प्राइवेट लिमिटेड को ब्लैकलिस्ट करने के फैसले की जांच के आदेश दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मामले में प्रशासनिक और कानूनी स्तर पर हुई चूक को गंभीरता से लेते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, शिक्षा मंत्री ने कहा है कि जिन अधिकारियों ने दिल्ली हाईकोर्ट में एनसीईआरटी के फैसले का प्रभावी ढंग से बचाव नहीं किया, उनकी जवाबदेही तय की जाए।

'इजराइल ने हमला किया तो नहीं बचेगा'

इजराइली पीएम ने कहा था-ईरान को परमाणु बम नहीं बनाने देंगे, जरूरत पड़ी तो अटैक करेंगे

तेल अवीव, 10 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उसके अहम ढांचे पर हमला हुआ तो उसका जवाब दिया जाएगा और इजराइल इससे नहीं बचेगा। सरकारी मीडिया के मुताबिक, ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहम्मद बाघेर जोलगदर ने शुक्रवार को यह चेतावनी दी।

इससे पहले इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि इजराइल किसी भी हाल में ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। उन्होंने कहा कि ईरान के खिलाफ जंग अभी खत्म नहीं हुई है और जरूरत पड़ने पर फिर हमला कर सकते हैं। इजराइली वायुसेना के एक समारोह में नेतन्याहू ने कहा, 'अगर हमने कार्रवाई नहीं की होती तो ईरान अब तक परमाणु हथियार बना चुका होता।' साथ ही, इजराइली मीडिया में दावा किया गया है कि इजराइल ईरान पर फिर हमले के लिए तैयार है, लेकिन अंतिम मंजूरी का इंतजार कर रहा है। कतर ने अमेरिका और ईरान से अपील की है कि वे आपसी समझौते का पालन करें और तनाव बढ़ने से रोकने के लिए बातचीत जारी रखें। कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जासिम अल थानी ने बताया कि उन्होंने मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलाती से फोन पर बातचीत के दौरान यह मुद्दा उठाया। उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की निर्बाध आवाजाही बनाए रखने पर भी जोर दिया। उनका कहना था कि इस अहम समुद्री रास्ते से सुरक्षित आवाजाही क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता के लिए जरूरी है।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने चेतावनी दी है कि अमेरिका और ईरान के बीच फिर बढ़ते संघर्ष से दुनिया में तेल की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है और ऊर्जा संकट लंबा खिंच सकता है। आईईए ने शुक्रवार को कहा कि अगर दोनों देशों के बीच लड़ाई जारी रहती है तो वैश्विक ऊर्जा बाजार के जल्दी सामान्य होने की उम्मीद को बड़ा झटका लग सकता है।

स्विट्जरलैंड घूमने गया दंपति लापता

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद का एक दंपति स्विट्जरलैंड की यात्रा के दौरान रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया है। पिछले 20 दिनों से दोनों का अपने परिवार से कोई संपर्क नहीं हो सका है, जिसके बाद पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, लापता दंपति की पहचान चेर्लापल्ली निवासी पब्बा चंद्रशेखर और उनकी पत्नी पब्बा स्वप्ना के रूप में हुई है। स्विट्जरलैंड पहुंचने के बाद शुरूआती कुछ दिनों तक दोनों परिवार के संपर्क में थे, लेकिन बाद में अचानक उनका संपर्क पूरी तरह टूट गया। उनके मोबाइल फोन भी पिछले 20 दिनों से बंद बताए जा रहे हैं। दंपति की बेटी पब्बा श्रेया ने 9 जुलाई को चेर्लापल्ली पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि वह तीन सप्ताह से अधिक समय से अपने माता-पिता से संपर्क नहीं कर पा रही है।

श्रीनगर हिंसा मामले में एनआईए का बड़ा एक्शन

हुर्रियत के 6 नेताओं के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने वर्ष 1996 के श्रीनगर हिंसा मामले में अलगाववादी संगठन हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के छह वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। एजेंसी ने आरोप लगाया है कि इन नेताओं ने एक आतंकी के जनाजे के दौरान भीड़ को उकसाकर पुलिस पर हमला कराया और बड़े पैमाने पर हिंसा भड़काई। एनआईए ने शुक्रवार को जम्मू स्थित विशेष एनआईए अदालत में दाखिल चार्जशीट में शब्बीर अहमद शाह, सैयद अली शाह गिलानी, अब्दुल गनी लोन, मोहम्मद याकूब वकील (उर्फ मोहम्मद याकूब वकील), जावेद अहमद मीर और शकील अहमद बख्शी को आरोपी बनाया है।

क्या हैं आरोप :

इन सभी पर रणबीर दंड संहिता (आरपीसी), 1989 की संबंधित धाराओं के तहत आपराधिक साजिश, हत्या के प्रयास, दंगा और सरकारी कर्मचारियों पर हमला करने के आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए), 1967 की धारा 13 के तहत भी मामला दर्ज किया गया है।

हालांकि, सैयद अली शाह गिलानी, अब्दुल गनी लोन और मोहम्मद याकूब वकील का निधन हो चुका है। इसलिए उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही समाप्त (अबेट) हो गई है। इसके बावजूद एनआईए ने अपनी चार्जशीट में कहा है कि जांच के दौरान उनके खिलाफ आपराधिक साजिश और गैरकानूनी जमावड़े में शामिल होने के पर्याप्त सबूत मिले हैं।

क्या है मामला :

एनआईए के अनुसार, 17 जुलाई 1996 को श्रीनगर के नाज़ क्रॉसिंग पर मारे गए आतंकी हिलाल अहमद बेग के जनाजे के दौरान इन छह नेताओं ने एक गैरकानूनी भीड़ का नेतृत्व किया और पुलिस के खिलाफ बड़े पैमाने पर हिंसा भड़काई। जांच में सामने आया कि जनाजे के जुलूस में हथियारबंद आतंकी भी भीड़ में शामिल थे। हिंसा के दौरान आतंकियों ने पुलिसकर्मियों पर अंधाधुंध फायरिंग की, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। वहीं, पथराव के कारण सरकारी वाहनों को भी भारी नुकसान पहुंचा।

एनआईए ने अपनी जांच में पाया कि चार्जशीट में नामजद हुर्रियत नेताओं ने भीड़ को सक्रिय रूप से उकसाया और भारत विरोधी, पाकिस्तान समर्थक तथा अलगाववादी नारे लगवाए। एजेंसी के अनुसार, नेताओं ने अपने भाषणों में सशस्त्र संघर्ष का समर्थन करते हुए भड़काऊ बयान दिए।

एजेंसी ने क्या कहा :

जांच एजेंसी का कहना है कि यह हिंसा एक पूर्व नियोजित आपराधिक साजिश का हिस्सा थी। इसका उद्देश्य आतंकी के जनाजे का इस्तेमाल अलगाववादी विचारधारा के प्रचार, भारत सरकार के खिलाफ जनसमर्थन जुटाने, कानून-व्यवस्था को चुनौती देने, सुरक्षा बलों के खिलाफ हिंसा भड़काने और जम्मू-कश्मीर में हुर्रियत की ताकत का प्रदर्शन करने के लिए करना था।

मुझे चुप कराने के लिए आपको मुझे मारना पड़ेगा : ममता

कोलकाता, 10 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को एक वीडियो संदेश जारी किया। इस वीडियो संदेश में ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला और सत्ताधारी दल पर टीएमसी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया। ममता बनर्जी ने कहा कि अगर सत्तारूढ़ पार्टी उन्हें चुप कराना चाहती है या टीएमसी को खत्म करना चाहती है तो उसके लिए पहले उन्हें मुझे मारना होगा।

वीडियो संदेश में ममता बनर्जी ने टीएमसी पार्टी में हो रही बगावत और टीएमसी नेताओं के कथित शोषण पर अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा उनकी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने में लगी है। ममता बनर्जी ने कहा कि टीएमसी के कई नेताओं पर हमले हुए हैं और उनका अपमान किया गया है। इनमें महुआ मोइत्रा, अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी जैसे वरिष्ठ नेता शामिल हैं। ममता बनर्जी ने कहा, आप ने किस पर हमला नहीं किया है? आपने महुआ, अभिषेक बनर्जी, कल्याण बनर्जी पर हमला किया। आपने मेरे घर पर हमला किया। ममता बनर्जी का यह वीडियो संदेश ऐसे समय आया है, जब टीएमसी पार्टी बड़ी चुनौतियों से निपट रही है। पार्टी में अंदरूनी मतभेद और बगावत उभरी है और पार्टी में टूट का खतरा है।

पीएम मोदी न्यूजीलैंड पहुंचे

> दोनों देश एफटीए डील फाइनल करेंगे

पीएम ऑकलैंड में 40 हजार भारतीयों को संबोधित करेंगे

ऑकलैंड, 10 जुलाई (एजेंसियां)। पीएम मोदी अपने छह दिवसीय दौरे के अंतिम चरण में न्यूजीलैंड पहुंच गए। यह 40 साल बाद किसी भारतीय पीएम की न्यूजीलैंड यात्रा है। इससे पहले 1986 में राजीव गांधी न्यूजीलैंड के दौरे पर गए थे। पीएम के दौरे की शुरुआत न्यूजीलैंड सरकार के साथ द्विपक्षीय बातचीत से शुरू होगी। इस दौरान दोनों देश एफटीए समझौते को फाइनल करेंगे। साथ ही पीएम एक बिजनेस इवेंट और फिर एक स्पोर्टिंग इवेंट में शामिल होंगे। इसके बाद पीएम ऑकलैंड में 40 हजार भारतीयों को भी संबोधित करेंगे। पीएम के स्वागत के लिए भारतीय समुदाय ने 'किया ओरा मोदी' कार्यक्रम का आयोजन किया है।

सैटेलाइट इमेज में राजस्थान-गुजरात से बादल गायब

बिहार-झारखंड में बारिश का रेड अलर्ट; सुपर टायफून बावी से देश में धीमा पड़ेगा मानसून

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना , 10 जुलाई देश ने पूरे मानसून को कवर कर लिया है, लेकिन आज सामने आई तस्वीरें परेशान करने वाली हैं। मौसम विभाग की सैटेलाइट इमेज में मध्य भारत में मानसून ज्यादा एक्टिव है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर तक बादल हैं। दूसरी ओर, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी हिस्सों में बादल कम हैं। यहां आने वाले दिनों में बारिश की कम संभावनाएं दिख रही हैं। देश के मानसून के लिए एक और बुरी खबर है। फिलीपींस के पास प्रशांत महासागर में सुपर टायफून 'बावी' बना है। यह ताइवान और चीन की ओर बढ़ रहा है। इसका असर 3 से 4 हजार किमी दूर बंगाल की खाड़ी तक पड़ रहा है। जब तक यह तूफान चीन नहीं पहुंचता, तब तक बंगाल की खाड़ी में बारिश कराने वाला नया सिस्टम बनने की उम्मीद नहीं है। ऐसे में दो दिन बाद देश के कई हिस्सों में बारिश कम हो सकती है। अच्छी बारिश के लिए अगले करीब एक हफ्ते तक इंतजार करना पड़ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट में वकील ने सीजेआई को अपशब्द कहे

जज को आदेश देने लगा, फाइल फेंकी, सिक्योरिटी ने कोर्ट रूम से बाहर निकाला

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को एक याचिकाकर्ता वकील ने सुनवाई के दौरान अभद्र व्यवहार किया। इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई चल रही थी। याचिका वकील ने ही लगाई थी। सुनवाई की शुरूआत से ही वकील ने बेहद आक्रामक रुख अपना रखा था। कुछ ही देर में उसने कोर्ट में गाली देना शुरू कर दिया।

याचिकाकर्ता वकील के इस व्यवहार से कोर्ट रूम में कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया। लेकिन तुरंत ही सिक्योरिटी ने उसे कोर्ट रूम से बाहर निकाल दिया। मामले की सुनवाई जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच कर रही थी। हालांकि कोर्ट ने वकील के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई न करने का फैसला किया, लेकिन उसकी याचिका खारिज कर दी।

हंगामे के बाद जज बोले- हमें उसके साथ सिंपैथी है :

सुनवाई शुरू होते ही याचिकाकर्ता ने कहा, न्यायिक अधिकारी महोदय, मैं आपको आदेश देता हूं कि आप लखनऊ के एसीपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दें। इस पर जस्टिस केवी विश्वनाथन ने हैरानी जताते हुए पूछा, आप मुझे आदेश दे रहे हैं?इसके जवाब में याचिकाकर्ता ने कहा, मेरी तरफ से बस इतना ही। सब कुछ रिकॉर्ड पर है। इसके बाद उसने केस की फाइल हवा में फेंक दी और गाली-गलौज करने लगा। इसके तुरंत बाद सुरक्षा कर्मी सक्रिय हुए और उसे कोर्टरूम से बाहर ले गए। हंगामे के बाद जस्टिस केवी विश्वनाथन ने कहा- वह बहुत परेशान है, यह सब हताशा है। हमें उसके लिए केवल सहानुभूति है।

कोर्ट ने नहीं लिया एक्शन :

हंगामे के बावजूद, बेंच ने याचिकाकर्ता के खिलाफ अदालत की अवमानना या कोई दूसरी कार्रवाई न करने का फैसला किया।

जस्टिस विश्वनाथन ने कहा, हम उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करना चाहते। जहां तक मामले के गुण-दोष की बात है, हमने रिकॉर्ड देख लिए हैं और हमें विवादित आदेश में दखल देने का कोई ठोस आधार नहीं मिला। स्पेशल लीव पिटीशन खारिज की जाती है।

सुप्रीम कोर्ट में 10 जून 2025 को एक वकील ने सीजेआई बीआर गवई पर हमला करने की कोशिश की। यह घटना उस समय हुई, जब सीजेआई की बेंच एक मामले की सुनवाई कर रही थी।

समंदर में बढ़ेगा भारत का दम

आज नौसेना में शामिल होगा स्टेल्थ वॉरशिप आईएनएस महेंद्रगिरी, 40 से ज्यादा युद्धपोत निर्माणाधीन

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। इंडियन नेवी में शनिवार यानी 11 जुलाई को एक नया वॉरशिप शामिल होगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में विशाखापट्टनम को नया वॉरशिप आईएनएस महेंद्रगिरी मिलेगा। ये प्रोजेक्ट-17ए का छठा स्वदेशी स्टेल्थ फ्रीगेट है। इसका नाम पूर्वी घाट की महेंद्रगिरि पर्वतमाला के नाम पर रखा गया है, जो शक्ति, मजबूती और अटल संकल्प का प्रतीक है। महेंद्रगिरि नाम धारण करने वाला यह नेवी का पहला वॉरशिप है। अब तक प्रोजेक्ट-17ए के तहत जितने भी वॉरशिप नेवी को मिले हैं वे सब पुराने वॉरशिप का नया अवतार थे यानी उनका नाम पुराने वॉरशिप से लिया गया था।

इस साल का छठा वॉरशिप :

आईएनएस महेंद्रगिरी इस साल का छठा वॉरशिप है जो नेवी में कमिशन होगा। इससे पहले इस साल अब तक पांच और वॉरशिप नेवी को मिल चुके हैं। इसी महीने नेवी में एक और शिप कमिशन होना है। साथ ही अगले दो महीने में नेवी को 4 और शिप डिलीवर होंगे। नेवी ने इस साल की शुरूआत में बताया था कि साल 2026 में नेवी में 18 शिप कमिशन होंगे। जनवरी 2025 से अब तक नेवी को 17 शिप मिल चुके हैं और आईएनएस महेंद्रगिरी 18वां शिप होगा।

बन रहे हैं 40 से ज्यादा शिप :

नेवी के लिए इस वक्त 40 से ज्यादा शिप अंडर कंस्ट्रक्शन हैं। स्वदेशी शिप लगातार नेवी की ताकत बढ़ा रहे हैं। अभी नेवी के पास कुल 19 फ्रिगेट हैं और आईएनएस महेंद्रगिरी के शामिल होने के साथ ही फ्रिगेट की संख्या 20 हो जाएगी। महेंद्रगिरि का डिजाइन नेवी के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है और इसका निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, मुंबई ने किया है। इसमें दुश्मन की नजर से बचने वाली आधुनिक स्टील्थ तकनीक, ज्यादा सुरक्षा, कम रडार पहचान और उच्च स्तर की ऑटोमेशन जैसी खूबियां हैं। यह जहाज नौसैनिक युद्ध के सभी प्रकार के अभियानों को अंजाम देने में सक्षम है।

कांग्रेस ने वीबीएसए को बताया 'वेरी बैड शिक्षा एक्ट'

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने उच्च शिक्षा व्यवस्था में बड़े बदलावों के लिए लाए जा रहे विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान (वीबीएसए) विधेयक को संविधान के संघीय ढांचे के खिलाफ बताया। साथ ही कांग्रेस ने नए विधेयक को देश के विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता के लिए खतरा बताते हुए इसे 'वेरी बैड शिक्षा एक्ट' करार दिया। यह विधेयक फिलहाल संसद की एक समिति के समक्ष विचाराधीन है और 20 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र में इस पर चर्चा और पारित किए जाने की संभावना है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एनडीए शासित राज्यों, खासकर आंध्र प्रदेश से इस विधेयक का विरोध करने की अपील की और संसद में इस विधेयक का विरोध करने की हिम्मत दिखाने की अपील की। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, वीबीएसए वास्तव में 'वेरी बैड शिक्षा एक्ट' साबित होगा। इसकी वजह है कि इसमें संविधान के दायरे से बाहर जाकर अधिकारों का विस्तार किया गया है, अनुदान परिषद का अभाव, राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों पर असर होगा और इससे यूजीसी की परामर्श संबंधी व्यवस्था भी कमजोर होगी। उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू से इस विधेयक का विरोध करने की अपील करते हुए कहा कि चंद्रबाबू नायडू परिसीमन विधेयकों के खिलाफ थे, लेकिन उन्हें उनका समर्थन करना पड़ा। रमेश ने कहा कि अब स्थिति बदल चुकी है। जयराम रमेश ने कहा, अब मोदी सरकार के अस्तित्व के लिए टीडीपी पहले जैसी जरूरी नहीं रह गई है, क्योंकि एनडीए में उसकी जगह तीन साल पुरानी, कम चर्चित और संदिग्ध 'नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया' ने जगह ले ली है।

ऑपरेशन के लिए तैयार रहें...

लेफ्टिनेंट जनरल मदनराज पांडे लद्दाख में डेमचोक पहुंचे, देखी युद्ध की तैयारी

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय सेना के फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल मदनराज पांडे लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर पहुंचे। यहां डेमचोक सेक्टर में उन्होंने इंडियन आर्मी की युद्धक तैयारी का जायजा लिया। लद्दाख में डेमचौक सेक्टर बेहद संवेदनशील माना जाता है। यहां सीमा पर भारत और चीन की सेनाएं गश्त लगाती रहती हैं।

इंडियन आर्मी की फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स ने सोशल मीडिया एक्स पर जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल मदनराज पांडे के दौरे की फोटो शेयर की। इसमें लिखा गया है- 9 जुलाई 2026 को फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल मदनराज पांडे ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सीमा पर ऑपरेशनल और युद्ध के लिए तैयारी का जायजा लेने के लिए डेमचोक सेक्टर का दौरा किया। दौरे के दौरान कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मदनराज पांडे को मौजूदा ऑपरेशनल हालात के बारे में जानकारी दी गई और ऊंचे पहाड़ी इलाकों में तैनात सैनिकों की तैयारियों का जायजा लिया गया। जवानों से सतर्कता, ऑपरेशनल तैयारी और युद्ध क्षमता के उच्चतम स्तर को बनाए रखने का आग्रह किया और हर हाल में देश की सीमाओं की सुरक्षा के प्रति भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को दोहराया।

डेमचोक के दौरे के वक्त जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल मदनराज पांडे ने सैनिकों से बातचीत की और ऊंचाई वाले मुश्किल इलाकों में सेवा करते हुए उनके बेहतरीन प्रोफेशनलिज्म, मजबूत संकल्प और अटूट प्रतिबद्धता की तारीफ की। उन्होंने सभी रैंक के सैनिकों से सतर्कता और ऑपरेशन के लिए तैयार रहने के उच्चतम स्तर को बनाए रखने की बात कही।

5 दिन में ही क्यों अंतर्ध्यान हो गए बाबा बर्फानी?

विशेषज्ञों ने बताए कारण, भूटान जैसी नीति बनाने की मांग

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में चल रही अमरनाथ यात्रा के बीच पवित्र हिमलिंग (बाबा बर्फानी) के तेजी से पिघलने की खबरों ने जलवायु परिवर्तन को लेकर चिंता बढ़ा दी है। 3 जुलाई से शुरू हुई इस यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं लेकिन शुरूआती दिनों में ही प्राकृतिक रूप से बनने वाले बर्फ का शिवलिंग 90 प्रतिशत तक पिघलने की बात सामने आ रही है।

अमरनाथ गुफा समुद्र तल से करीब 3,888 मीटर की ऊंचाई पर अनंतनाग जिले के हिमालयी क्षेत्र में स्थित है। यह कश्मीर हिमालय में लिद्दर घाटी के नीचे बसा है। यहां पहुंचने के लिए श्रद्धालु 48 किलोमीटर लंबे पहलगाम मार्ग या 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग के रास्ते अमरनाथ गुफा तक पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं के आगमन पर जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने उनका स्वागत किया। वहीं इस केंद्र शासित प्रदेश में कई नेताओं ने शिवलिंग के तेजी से पिघलने को लेकर चिंता जताई है।

इल्तिजा मुफ्ती ने जलवायु परिवर्तन को बताया जिम्मेदार :

पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने हिमलिंग के जल्दी पिघलने पर चिंता जताते हुए इसके लिए जलवायु परिवर्तन, पेड़ों की कटाई, अवैध खनन, कचरा प्रबंधन की कमी और जलस्तर में गिरावट को जिम्मेदार बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि पर्यावरण की अनदेखी का असर कश्मीर के पहाड़ों, नदियों और ग्लेशियरों पर पड़ रहा है। उन्होंने हिमालयी क्षेत्र के लिए भूटान की तरह लंबे समय की टिकाऊ पर्यावरण और पर्यटन नीति बनाने की मांग की है।

उमर अब्दुल्ला बोले- प्रकृति तय करती है हिमलिंग की उम्र :

हिमलिंग के तेजी से पिघलने पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यात्रा पर पहले से ही सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत सीमा तय है। उन्होंने कहा कि हिमलिंग प्राकृतिक रूप से बनता है और यह तय करना इंसानों के हाथ में नहीं है कि वह कितने समय तक रहेगा।

टीचर ने डांटा आहत होकर 8वीं की छात्रा ने दे दी जान

बेंगलुरु, 10 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेंगलुरु अर्बन जिले में एक दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां सरकारी हायर प्राइमरी स्कूल में पढ़ने वाली आठवीं कक्षा की एक छात्रा ने कथित तौर पर स्कूल में हुई बेइज्जती से आहत होकर आत्महत्या कर ली। छात्रा ने अपने हाथ से लिखे सुसाइड नोट में आरोप लगाया है कि उस पर स्कूल में 10 और 20 रुपये चुराने का झूठा आरोप लगाया गया था और शिक्षकों की डांट-फटकार के कारण वह गहरे मानसिक तनाव में थी। यह घटना अनेकल तालुक के मारसुरू इलाके की है।

छात्रा अपने घर में फंदे से लटकी मिली। आज सुबह परिजनों को घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूर्य नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

'बच्चों के यौन शोषण की रिपोर्ट न करना भी अपराध'

सुप्रीम कोर्ट का प्रधानाध्यापिका को राहत देने से इनकार

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक मामले में फैसला सुनाते हुए कहा अगर किसी स्कूल में अधिकारी को बच्चे के यौन शोषण की शिकायत मिलती है तो वह खुद जांच-पड़ताल करके मामले को रफा-दफा नहीं कर सकते। अधिकारी घटना की रिपोर्ट करने की जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बच्चों के यौन अपराध संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा 19 के तहत घटना की रिपोर्ट ने करने पर पोक्सो एक्ट की धारा 21 के तहत आपराधिक जिम्मेदारी बनती है, जिसमें छह महीने तक की जेल या जुर्माना दोनों हो सकते हैं।

एक स्कूल की प्रधानाध्यापिका पर आरोप था कि उन्होंने एक सीनियर छात्र द्वारा आठ साल की छात्रा के साथ दुष्कर्म की शिकायत को दबा दिया। अब सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने इस मामले में स्कूल की प्रधानाध्यापिका को आरोपमुक्त करने का फैसला रद्द कर दिया है।

पीठ ने कहा कि अगर किसी स्कूल अधिकारी को बच्चे के यौन शोषण की शिकायत मिलती है तो वे खुद जांच-पड़ताल करके नतीजा निकालकर ये नहीं कह सकते कि कुछ नहीं हुआ। अधिकारी घटना की रिपोर्ट करने की जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। सुप्रीम कोर्ट में आठ साल की पीड़िता की मां ने अपील दायर की थी। याचिका में अपीलकर्ता ने ट्रायल कोर्ट, गुवाहाटी हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें स्कूल अधिकारियों, जिनमें प्रधानाध्यापिका, प्रिंसिपल, शिक्षक और हॉस्टल वार्डन शामिल थे, उन्हें आरोपमुक्त कर दिया गया था।

पीड़िता ने बताया कि आठवीं कक्षा के एक छात्र ने उसका यौन शोषण किया, जिसकी जानकारी उसने अपनी बहन और स्कूल की प्रधानाध्यापिका को दी थी। पोक्सो एक्ट की धारा 19(1) के तहत प्रधानाध्यापिका ने मामले की रिपोर्ट पुलिस में करने की बजाय खुद मामले की जांच-पड़ताल की। पूछताछ में आरोपी छात्र ने घटना से साफ इनकार किया। जांच में प्रधानाध्यापिका ने नतीजा निकाला कि कुछ नहीं हुआ था और उन्होंने कथित तौर पर घटना को दबा दिया था। आरोप है कि उन्होंने छात्रों को इस बारे में किसी को भी कुछ न बताने का निर्देश दिया था।

11 लाख की ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

इंदौर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर की खजराना थाना पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मंदसौर के एक युवक को 110 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। जब्त मादक पदार्थ की कीमत करीब 11 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। पुलिस के मुताबिक, मुखबिर से सूचना मिली थी कि वाघेला गार्डन के पास बायपास पर एक युवक ब्राउन शुगर बेचने के लिए घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी में उसके पास से 110 ग्राम ब्राउन शुगर और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रामकिशन उर्फ रामनिवास गिरी (28) निवासी ग्राम काटिया, थाना सुवासरा, जिला मंदसौर के रूप में हुई है। वह 8वीं तक पढ़ा है और खेती करता है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह खुद नशे का आदी है।

बारिश-तूफान से गिरे पेड़ों पर सरकार अलर्ट

पंकजा मुंडे ने बताया पीडितों को मुआवजा

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई में लगातार हो रही भारी बारिश और तेज हवाओं के बीच बड़ी संख्या में पेड़ों के गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। शहर में 1 जून से अब तक हजारों पेड़ गिर चुके हैं। इन हादसों में पांच से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग घायल भी हुए हैं। इस बीच महाराष्ट्र की पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा कि सरकार इस पूरे मामले को गंभीरता से ले रही है और प्रभावित लोगों को मुआवजा देने की प्रक्रिया जारी है।

उन्होंने कहा कि सरकार नुकसान की भरपाई पूरी तरह से करने की कोशिश कर रही है। मुंबई में पेड़ों के गिरने और सरकार की तैयारियों को लेकर जानकारी देते हुए पंकजा मुंडे ने कहा कि कुछ जगहों पर रेड अलर्ट और कुछ स्थानों पर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया था। इन मौसम संबंधी चेतावनियों के दौरान तेज तूफानी हवाएं चलीं, जिसके कारण कई पेड़ गिर गए। हालांकि, उन्होंने कहा कि हर मामले की जांच की जाएगी कि पेड़ वास्तव में तेज हवाओं के कारण गिरे या फिर उनकी जड़ें कमजोर होने, पेड़ों के पुराने होने या अन्य कारणों से यह स्थिति बनी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने भी इस मुद्दे पर विधानसभा में विस्तार से अपनी बात रखी है।

अब पेड़ों के गिरने की घटनाओं का आकलन किया जाएगा और उसके बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार का लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाना है। मुख्यमंत्री ने 300 करोड़ पेड़ लगाने का संकल्प रखा है और पर्यावरण विभाग इसमें अहम भूमिका निभाएगा। पेड़ों के गिरने से हुए नुकसान की भरपाई को लेकर पूछे गए सवाल पर पंकजा मुंडे ने कहा कि सरकार पहले से ही मुआवजा देने का काम कर रही है और इसे पूरी तरह पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुराने पेड़ों की उम्र और उनकी मजबूती का ध्यान रखना जरूरी होता है। पेड़ों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए उनकी देखभाल और संरक्षण बेहद महत्वपूर्ण है।

कलबुर्गी में हॉस्टल का खाना खाने के बाद 45 से ज्यादा छात्र बीमार, अस्पतालों में भर्ती कराया गया

कलबुर्गी, 10 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के कलबुर्गी जिले के चित्तापुर तालुक स्थित डंडोती गांव में एक हॉस्टल के करीब 45 से ज्यादा छात्र रात का खाना खाने के बाद बीमार हो गए। घटना मोरारजी देसाई आवासीय हॉस्टल की है, जहां कक्षा 6 से 10 तक के छात्र रहते हैं। खाना खाने के कुछ घंटों बाद छात्रों को पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी, जिसके बाद हॉस्टल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक, हॉस्टल के मेस में छात्रों को चावल और सांभर दिया गया था। भोजन करने के बाद कई छात्रों की अचानक तबीयत बिगड़ने लगी।

छात्रों ने पेट में तेज दर्द, मरोड़ और लगातार उल्टी होने की शिकायत की। देखते ही देखते करीब 45 से ज्यादा छात्र बीमारी हो गए। स्थिति गंभीर होने पर हॉस्टल प्रबंधन ने तुरंत स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को इसकी जानकारी दी। इसके बाद बीमार छात्रों को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इनमें 35 से ज्यादा छात्रों को चित्तापुर तालुक अस्पताल और 5 छात्रों को मल्खेड अस्पताल और एक छात्र को डंडोती अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जबरन धर्मांतरण मामले में हिंदू शख्स को बड़ी राहत

कोर्ट ने आपराधिक कार्यवाही पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने हेमराज टेलर को बड़ी राहत दी है। मध्य प्रदेश के हेमराज टेलर के खिलाफ चल रहे आपराधिक मामले में अस्थायी रोक लगा दी है। जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस श्री चंद्रशेखर की बेंच ने हेमराज टेलर की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए ये आदेश दिया। हेमराज टेलर ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनके खिलाफ आपराधिक मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में राज्य से 6 हफ्ते में जवाब मांगा है दरअसल हेमराज टेलर पर आरोप है कि उन्होंने एक परिवार को इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया था। उनके खिलाफ राजगढ़ जिले के जीरापुर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज था।

हेमराज ने इस केस में राहत पाने के लिए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन हाई कोर्ट ने मना कर दिया। ऐसे में वो सुप्रीम कोर्ट पहुंचे, जहां से उन्हें अस्थाई राहत मिल चुकी है। सुनवाई के दौरान हेमराज टेलर के वकील ने कोर्ट को बताया कि शिकायतकर्ता (महिला) के पति ने लगभग 8 साल पहले इस्लाम अपना लिया था। उसके इतने साल बाद एफआईआर दर्ज की गई है, इसलिए ये मामला बहुत पुराना है। टेलर और उनका पूरा परिवार हिंदू है। उन्होंने कोर्ट में इसके सबूत भी दिखाए। यह मामला उस शख्स की पत्नी द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर से जुड़ा है, जिसने कथित तौर पर टेलर के प्रभाव में आकर इस्लाम अपना लिया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, धर्म परिवर्तन के बाद, पति ने कथित तौर पर टेलर के कहने पर अपनी पत्नी और नाबालिग बेटे पर भी इस्लाम अपनाने के लिए दबाव डालना शुरू कर दिया।

शिकायत के आधार पर, पुलिस ने टेलर के खिलाफ मध्य प्रदेश धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम, 2021 की धारा 3 (गैर-कानूनी धर्म परिवर्तन पर रोक) और धारा 5 (गैर-कानूनी धर्म परिवर्तन के लिए सजा) के तहत, साथ ही भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 506 (आपराधिक धमकी) और धारा 34 (साझा इरादा) के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया।

हर-हर महादेव के जयकारों के साथ जम्मू से नौवां जत्था रवाना, अब तक 1.73 लाख से ज्यादा ने किए दर्शन

जम्मू, 10 जुलाई (एजेंसियां)। बाबा अमरनाथ यात्रा के लिए शुक्रवार को जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से 33 विदेशी श्रद्धालुओं समेत 8,796 यात्रियों का नौवां जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रवाना हुआ। यह जत्था जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन के लिए भेजा गया है। धिकारियों के अनुसार इस जत्थे में 6,046 पुरुष, 2,042 महिलाएं, 228 साधु, 56 साध्वियां, 10 बच्चे, एक ट्रांसजेंडर यात्री और 33 विदेशी श्रद्धालु शामिल हैं। यात्रियों का काफिला 354 वाहनों में दो अलग-अलग मार्गों से रवाना हुआ।

बालटाल मार्ग से जाने वाला जत्था सुबह 3:35 बजे रवाना हुआ, जिसमें 3,450 श्रद्धालु शामिल थे। वहीं, पहलगाम मार्ग से जाने वाले 5,346 श्रद्धालुओं का काफिला सुबह 4 बजे रवाना हुआ। इस दौरान श्रद्धालु बम-बम भोले, हर-हर महादेव और जय बर्फानी बाबा की के जयकारे लगाते नजर आए। अधिकारियों ने बताया कि 2 जुलाई से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा के बाद अब तक जम्मू आधार शिविर से 61,612 श्रद्धालु कश्मीर के लिए रवाना हो चुके हैं, जबकि 1.73 लाख से अधिक श्रद्धालु पवित्र हिमलिंग के दर्शन कर चुके हैं। 57 दिनों तक चलने वाली यह अमरनाथ यात्रा 28 अगस्त को संपन्न होगी।

एमएलसी भूमिरेड्डी ने टीईटी मुद्दे पर वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन की आलोचना की

विजयवाड़ा, 10 जुलाई (एजेंसियां)। एमएलसी भूमिरेड्डी रामगोपाल रेड्डी ने वाईएसआरसीपी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की आलोचना करते हुए कहा कि वे टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीईटी) के मुद्दे पर शिक्षकों और सरकारी कर्मचारियों को जानबूझकर गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। टीडीपी मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जगन को अच्छी तरह पता था कि यह मुद्दा आंध्र प्रदेश सरकार ने नहीं खड़ा किया था, बल्कि यह भारत के सुप्रीम कोर्ट के एक बाध्यकारी फैसले के कारण उठा था। उन्होंने आरोप लगाया कि तथ्यों की जानकारी होने के बावजूद, पूर्व मुख्यमंत्री राजनीतिक फायदे के लिए शिक्षकों के बीच भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे थे। रामगोपाल रेड्डी ने कहा कि यह विवाद मूल रूप से महाराष्ट्र सरकार और अंजुमन-ए-इस्लाम के सैफ तैयबजी गर्ल्स हाई स्कूल के बीच टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट के लागू होने को लेकर शुरू हुआ था।

छह नागा नागरिकों की हत्या के मामले में एनआईए की टीम ने दो लोगों को गिरफ़्तार किया

इंफाल, 10 जुलाई (एजेंसियां)। पुलिस ने बताया कि नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की अगुवाई वाली एक संयुक्त टीम ने शुक्रवार को मणिपुर के कांगपोकपी ज़िले से दो लोगों को गिरफ़्तार किया। यह गिरफ़्तारी छह नागा नागरिकों की हत्या के मामले में की गई है, जिनके शव लगभग दो महीने पहले बरामद हुए थे। एनआईए, मणिपुर पुलिस और सेंट्रल रिज़र्व पुलिस फ़ोर्स (सीआरपीएफ) की संयुक्त टीम ने पुख़्ता ख़ुफ़िया जानकारी के आधार पर सुबह-सुबह लेइलोन वाइफेई गाँव में एक ऑपरेशन चलाया और इन दोनों को गिरफ़्तार किया। पुलिस के अनुसार, गिरफ़्तार किए गए दोनों आरोपियों की पहचान एक महिला 'आइंगबी' और 'प्रदीप' के तौर पर हुई है। उन्हें लेइलोन वाइफेई के कुकी-ज़ो गाँव से पकड़ा गया। आरोप है कि वे 13 मई को छह नागा नागरिकों की हत्या में शामिल थे। इन छह पीड़ितों के शव 10 जून को लेइलोन वाइफेई के बाहरी इलाक़े से बरामद हुए थे। इसके बाद नागा और मैतेई समूहों ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों की तुरंत गिरफ़्तारी की माँग की। इन हत्याओं के कारण नागा संगठनों ने कांगपोकपी ज़िले की ओर जाने वाली सड़कों को ब्लॉक कर दिया, जिससे कुकी-ज़ो बहुल इस ज़िले में ज़रूरी चीज़ों की भारी कमी हो गई और कीमतें तेज़ी से बढ़ गईं। शव बरामद होने के कुछ दिनों बाद, कुकी ज़ो काउंसिल (केजेडसी) के चेयरमैन हेनलिएनथांग थांगलेट ने इन हत्याओं के लिए माफ़ी माँगी और राज्य में चल रहे जातीय संघर्ष से जुड़ी सभी हिंसक घटनाओं की निष्पक्ष जाँच की माँग की। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, मैं मानता हूँ कि कुकी-ज़ो लोगों ने छह नागा नागरिकों की हत्या करके बहुत बड़ी ग़लती की। यह भावना में बहकर किया गया था। मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूँ। मुझे बहुत अफ़सोस है और मैं अपने लोगों की ओर से माफ़ी माँगता हूँ।

सिरमौर के गणेश मंदिर से 45 लाख की चांदी की पालकी चोरी चढ़ावे की नकदी और सोने के कुंडल भी ले गए चोर

ददाहू (सिरमौर), 10 जुलाई (एजेंसियां)। सिरमौर जिले के सैनधार क्षेत्र में स्थित कोटला मोलर पंचायत के गणेश मंदिर में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोर मंदिर से करीब 18 किलोग्राम चांदी की पालकी, भगवान गणेश के सोने के कुंडल और चढ़ावे की करीब 40 हजार रुपये की नकदी लेकर फरार हो गए। मंदिर समिति ने चोरी हुई चांदी की पालकी की अनुमानित कीमत करीब 45 लाख रुपये बताई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार चोर पूरी तैयारी के साथ मंदिर पहुंचे थे। सबसे पहले उन्होंने मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों के तार काट दिए और उसके बाद रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने वाला डीवीआर भी अपने साथ ले गए। इसके बाद मुख्य द्वार और अलमारी के ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। हैरानी की बात यह है कि मंदिर गांव के बीचोंबीच स्थित है, लेकिन देर रात हुई इस घटना की भनक किसी स्थानीय व्यक्ति को नहीं लगी। वीरवार सुबह मंदिर खुलने पर चोरी का पता चला, जिसके बाद मंदिर समिति ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

'राजधर्म निभाएं'

सहयोगियों को हटाए जाने के बाद कांग्रेस ने भूपेंद्र यादव से नैतिक ज़िम्मेदारी लेने को कहा

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। राजनीतिक जवाबदेही की मांग करते हुए, कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि जब मंत्रियों के सबसे करीबी सहयोगियों को भ्रष्टाचार के आरोप में बर्खास्त किया जाता है, तो उन्हें पद छोड़ने पर विचार करना चाहिए और अपना 'राजधर्म' निभाना चाहिए। पार्टी ने पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के कार्यालय से चार कर्मचारियों को हटाए जाने का हवाला दिया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का उदाहरण देते हुए सरकार पर निशाना साधा।

रमेश ने 'एक्स' पर कहा, क्या भारतीय राजनीति में नैतिक ज़िम्मेदारी का विचार अभी भी जीवित है? लाल बहादुर शास्त्री ने ठीक 70 साल पहले तमिलनाडु में ट्रेन दुर्घटना के बाद रेल मंत्री के पद से इस्तीफ़ा देकर सबसे ऊंचे मानक स्थापित किए थे। उनके उदाहरण को अक्सर याद किया जाता है और हमेशा बहुत सम्मान मिला है, लेकिन शायद ही कभी उसका पालन किया गया हो। उन्होंने कहा, जब मंत्रियों के सबसे करीबी सहयोगियों को भ्रष्टाचार के आरोप में बर्खास्त किया जाता है - और वह भी चार लोगों को - तो उन्हें नैतिक ज़िम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ने की इच्छा महसूस होनी चाहिए। रमेश ने कहा कि अगर ऐसे मंत्रियों को पता था कि क्या हो रहा है तो वे भी दोषी हैं, और अगर वे अनभिज्ञता का दावा करते हैं, तो यह और भी बुरा है और उनके पद छोड़ने का एक और कारण है।

कांग्रेस नेता ने तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और तत्कालीन गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी का ज़िक्र करते हुए कहा, यह अपना राजधर्म निभाने का समय है, जैसा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री ने चौदह साल पहले गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री को याद दिलाया था। इस राजधर्म में नैतिक ज़िम्मेदारी और राजनीतिक जवाबदेही दोनों शामिल हैं।

आंध्र प्रदेश जल्द ही ज़मीन के विवादों से मुक्त होगा: सीएम नायडू

कुरनूल, 10 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि उनकी सरकार ने विवादित 'लैंड टाइटलिंग एक्ट' (ज़मीन के मालिकाना हक से जुड़ा कानून) को रद्द कर दिया है और वह आंध्र प्रदेश को पूरी तरह से ज़मीन के विवादों से मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। नंद्याल ज़िले के बानागनपल्ले में 'मी भूमि-मी हक्कू' (मेरी ज़मीन-मेरा अधिकार) कार्यक्रम के तहत राज्य के प्रतीक चिह्न वाली पट्टादार पासबुक बांटते हुए उन्होंने घोषणा की कि मार्च 2027 तक 9,833 गांवों में 72.7 लाख त्रुटि-मुक्त पासबुक जारी की जाएंगी। क्षेत्रीय विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए, नायडू ने रायलसीमा को आर्थिक केंद्र में बदलने के लिए आने वाले बड़े औद्योगिक और बागवानी निवेशों पर प्रकाश डाला।

साथ ही, उन्होंने बताया कि बारिश की 22 प्रतिशत कमी को दूर करने और जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्यव्यापी 'जलधारा' योजना शुरू की गई है। प्रजा वेदिका में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने पिछली वाईएसआरसीपी सरकार पर तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि

उसने ज़मीन प्रशासन का इस्तेमाल लोगों में व्यापक चिंता पैदा करने के लिए किया। नायडू ने कहा, पिछली सरकार ने 'लैंड टाइटलिंग एक्ट' के ज़रिए एक 'काला कानून' लागू किया था ताकि अवैध रूप से संपत्ति हड़पी जा सके और ज़मीन मालिकों में घबराहट फैलाई जा सके। वे निजी ज़मीन के दस्तावेज़ों और सर्वे के पत्थरों पर अपनी तस्वीरें छपवाने की अजीब हद तक चले गए थे। हमने उस सनक को सरकारी मुहर से बदल दिया है ताकि पूरी कानूनी सुरक्षा की गारंटी दी जा सके। तत्काल राहत उपायों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि हज़ारों एकड़ ज़मीन, जिसमें धोणे निर्वाचन क्षेत्र में 2,074 एकड़ वक्फ संपत्ति और 1,971 गांवों में इनाम ज़मीनें शामिल हैं, को 22ए प्रतिबंधित सूची से पूरी तरह हटा दिया गया है। सरकार ने पैतृक संपत्ति को कानूनी उत्तराधिकारियों को आसानी से हस्तांतरित करने के लिए एक ऑटो-म्यूटेशन सिस्टम भी लागू किया है। इस क्षेत्र के लिए अपने विज़न को विस्तार से बताते हुए, नायडू ने वादा किया कि सूखे की मार झेलने वाले रायलसीमा का परिदृश्य एक बड़े संरचनात्मक बदलाव से गुज़र रहा है। उन्होंने बताया कि रायलसीमा को एक बड़े बागवानी केंद्र में बदलने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र में 40,000 करोड़ रुपये और निजी क्षेत्र में 60,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना पर काम किया जा रहा है।

मंत्री नारा लोकेश का 8 दिन का कोरिया दौरा, मकसद एपी में निवेश लाना है

अमरावती, 10 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया के दौरे के दौरान मंत्री नारा लोकेश ने प्रमुख कंपनी 'कूकु इलेक्ट्रॉनिक्स' के प्रमुख चोहन चुल से मुलाकात की। इस मौके पर उन्होंने एपी में घरेलू उपकरण बनाने वाली यूनिट लगाने का प्रस्ताव रखा। एपी के श्रीसिटी में पहले से ही घरेलू उपकरणों का एक क्लस्टर मौजूद है, जहाँ कई बड़ी कंपनियाँ काम कर रही हैं। उन्होंने वहाँ हो रही गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। लोकेश ने बताया कि भारत में बनने वाले 40% एसी और 35% टीवी का उत्पादन आंध्र प्रदेश में होता है। राज्य में उद्योगों के लिए ज़रूरी कुशल कार्यबल बड़ी मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि दक्षिण-पूर्वी और मध्य-पूर्वी देशों से व्यापार करना बहुत सुविधाजनक है। साथ ही, दक्षिण भारत में एसी का इस्तेमाल बहुत ज़्यादा होता है।

कूकु इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रतिनिधियों ने भरोसा दिलाया कि वे इन प्रस्तावों पर सकारात्मक रूप से विचार करेंगे। इसी दौरे के तहत, मंत्री नारा लोकेश ने 'ऑटोमोटिव पावर इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्टीट्यूट' के सीईओ से भी मुलाकात की। एक विशेष बैठक हुई। उन्होंने श्रीसिटी में 'मोटिव लिंक प्रोजेक्ट' शुरू करने का आग्रह किया।

अमरनाथ यात्रा के दौरान बड़ा हादसा

जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर कार दुर्घटनाग्रस्त, 5 श्रद्धालु घायल

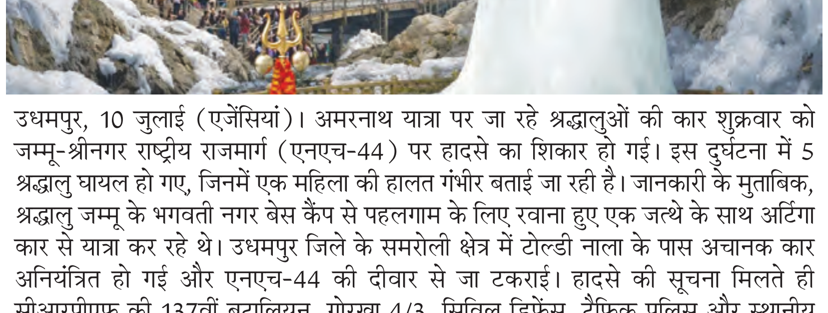

उधमपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं की कार शुक्रवार को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर हादसे का शिकार हो गई। इस दुर्घटना में 5 श्रद्धालु घायल हो गए, जिनमें एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, श्रद्धालु जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से पहलगाम के लिए रवाना हुए एक जत्थे के साथ अर्टिगा कार से यात्रा कर रहे थे। उधमपुर जिले के समरोली क्षेत्र में टोल्डी नाला के पास अचानक कार अनियंत्रित हो गई और एनएच-44 की दीवार से जा टकराई। हादसे की सूचना मिलते ही सीआरपीएफ की 137वीं बटालियन, गोरखा 4/3, सिविल डिफेंस, ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। सभी घायल श्रद्धालुओं रेस्क्यू करके उन्हें तुरंत उधमपुर स्थित गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज के एसोसिएटेड अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। अधिकारियों के मुताबिक, हादसे में घायल श्रद्धालुओं में सीमा गुप्ता नाम की महिला को सबसे गंभीर चोटें आई हैं। फिलहाल अन्य घायलों की हालत और दुर्घटना के कारणों को लेकर विस्तृत जानकारी का इंतजार किया जा रहा है।

इस बीच, अमरनाथ यात्रा 2026 के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए सीआरपीएफ अहम भूमिका निभा रहा है। सीआरपीएफ के जवान एनएच-44 पर लगातार रोड ओपनिंग पार्टी (आरओपी) कैंपेन चला रहे हैं, ताकि यात्रा मार्ग पूरी तरह सुरक्षित रहे और श्रद्धालुओं का आवागमन बिना किसी बाधा के जारी रहे। इसके अलावा, सीआरपीएफ की 84वीं बटालियन ने रामबन जिले के चंदरकोट में एक मोबाइल हेल्थ कैंप भी स्थापित किया है, जहां श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी चौबीसों घंटे मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 11 जुलाई, 2026 3

सुविचार

ज़िन्दगी हमें सिखाती है कि अगर शांति चाहिए तो दूसरों की शिकायत करने से बेहतर है खुद को बदल लो, क्योंकि पूरी दुनया में कारपेट बिछाने से खुद के पैरों में चप्पल पहन लेना अधिक सरल है..

खम्मम कांग्रेस का गढ़, 2029 में फिर बनेगी कांग्रेस सरकार : रेवंत रेड्डी

जनता ने कांग्रेस सरकार को समर्थन देकर 'तानाशाही राजनीति' को रोका

मुख्यमंत्री ने 'रैतू आशीर्वाद सभा' को संबोधित किया

खम्मम, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि राजनीतिक रूप से पालमूर उनके लिए प्राण के समान है, जबकि खम्मम जिला उनके लिए हृदय के समान है।

उन्होंने कहा कि खम्मम की जनता ने हमेशा कांग्रेस का साथ दिया है और आने वाले समय में भी कांग्रेस को मजबूत बनाएगी। खम्मम जिले के चिंतकानी में आयोजित 'रैतू आशीर्वाद सभा' को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 में पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के कांग्रेस में शामिल होने के अवसर पर खम्मम जिले की जनता भारी संख्या में उमड़ी थी और उसने भारत राष्ट्र समिति को करारा जवाब दिया था। उन्होंने कहा कि इस बार भी जुलाई महीने में बड़ी संख्या में पहुंचकर जनता ने यह संदेश दिया है कि बीआरएस को दोबारा मजबूत नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 में सरकार बनने के बाद हुए प्रत्येक चुनाव में जनता ने कांग्रेस सरकार को समर्थन दिया और 'तानाशाही राजनीति' को रोक दिया। उन्होंने कहा कि आगामी राजनीतिक संघर्ष में कांग्रेस कार्यकर्ता तब तक विश्राम नहीं करेंगे, जब तक कल्वकुंतला परिवार को सत्ता से पूरी तरह दूर नहीं कर देते। रेवंत रेड्डी ने दावा किया कि अगला विधानसभा चुनाव दिसंबर 2028 में नहीं बल्कि मई या जून 2029 में होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में तेलंगाना में लोकसभा सीटों की संख्या 17 से बढ़कर 26 तथा विधानसभा सीटों की संख्या 119 से बढ़कर 182 हो सकती है। उन्होंने कहा कि वह 36 महीने पहले ही चुनाव परिणामों का अनुमान बता रहे हैं और 182 विधानसभा सीटों में से 117 सीटें जीतकर कांग्रेस दोबारा सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि यह खम्मम कांग्रेस कार्यकर्ताओं का विश्वास है और इसके लिए वे प्रतिदिन 18 घंटे काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने भारत राष्ट्र समिति पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी में आपसी विश्वास की कमी है और एक ही परिवार में अलग-अलग गुट बन चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एक नेता कन्नेपल्ली जाकर पंप चालू करने की बात करते हैं, जबकि दूसरी ओर परियोजनाओं को लेकर अलग-अलग बयान दिए जा रहे हैं। रेवंत रेड्डी ने कालेश्वरम परियोजना के मेडीगड्डा बैराज का उल्लेख करते हुए कहा कि एक बार बैराज के धंसने से ही भारी नुकसान हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि दोबारा पानी भरा गया तो भद्राचलम श्रीराम मंदिर के लिए भी खतरा पैदा हो सकता है।

उन्होंने कहा कि खम्मम जिले के 44 गांवों को नुकसान हुआ था, इसलिए केवल राजनीतिक लाभ के लिए ऐसे फैसले नहीं लिए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीआरएस की ओर से कांग्रेस सरकार के खिलाफ झूठे सर्वे और प्रचार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब चुनाव की तारीख और आरक्षण व्यवस्था में बदलाव की स्थिति स्पष्ट नहीं है, तब कोई भी सर्वे चुनावी परिणामों का सही अनुमान नहीं लगा सकता। उन्होंने कहा कि जुबली हिल्स चुनाव में भी बीआरएस ने इसी तरह के दावे किए थे, लेकिन जनता ने उसे जवाब दिया। उन्होंने बीआरएस के सर्वे को लेकर भी कटाक्ष किया। रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि बीआरएस और भाजपा के बीच राजनीतिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस नेताओं को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और भाजपा में विलय की चर्चाओं पर जवाब देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार द्वारा शुरू की गई अच्छी योजनाओं को कांग्रेस सरकार ने बंद नहीं किया है। उन्होंने कहा कि शादी मुबारक और रैतू बंधु जैसी योजनाओं को जारी रखा गया है। उन्होंने बताया कि गरीबों को राशन कार्ड, गुणवत्तापूर्ण चावल, 200 यूनिट तक निःशुल्क बिजली और इंदिरम्मा आवास उपलब्ध कराए गए हैं। किसानों के लिए रैतू भरोसा सहायता को बढ़ाकर 12 हजार रुपये किया गया है तथा ऋण माफी के माध्यम से किसानों को कर्ज से राहत दी गई है। मुख्यमंत्री ने आगामी चुनावों में तेलंगाना से 26 लोकसभा सीटों में से 20 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा और राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए जनता से समर्थन मांगा। उन्होंने उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के अनुरोध पर मधिरा में इंजीनियरिंग महाविद्यालय स्थापित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के अंत में कांग्रेस सरकार को दोबारा सत्ता में लाने का आह्वान किया।

एसआईआर की प्रगति की चुनाव आयोग ने की समीक्षा

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 की प्रगति की समीक्षा के लिए शुक्रवार को वीडियो सम्मेलन आयोजित किया। वीडियो सम्मेलन में तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी, भारतीय प्रशासनिक सेवा, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम आयुक्त एवं हैदराबाद जिला निर्वाचन अधिकारी, सभी जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारी तथा मतदाता सूची पर्यवेक्षकों ने भाग लिया। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण और डिजिटलीकरण की प्रगति की समीक्षा की गई। आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के लिए सभी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में विशेष रूप से हैदराबाद, रंगारेड्डी, मेदक-मलकाजगिरि, संगारेड्डी और विकाराबाद जिलों में गणना प्रपत्रों के डिजिटलीकरण कार्य को तेज करने पर जोर दिया गया। संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारियों को प्रतिदिन निर्धारित डिजिटलीकरण लक्ष्य हासिल करने और प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। निर्वाचन आयोग ने बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों से संवाद कर उनके द्वारा अपनाई जा रही श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों की जानकारी ली। साथ ही अन्य जिलों को भी इन रणनीतियों को अपनाकर गणना प्रक्रिया को तेज करने और विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 को सफलतापूर्वक पूरा करने की सलाह दी गई। आयोग ने तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को निर्देश दिया कि राज्यभर में गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण और डिजिटलीकरण कार्य की दैनिक लक्ष्यों के आधार पर लगातार निगरानी करते हुए प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कराया जाए।

हैदराबाद पुलिस में 30 इंस्पेक्टरों का तबादला

कई थानों और विशेष शाखाओं में नई तैनाती

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने प्रशासनिक व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से 30 पुलिस निरीक्षकों का तत्काल प्रभाव से तबादला और नई तैनाती की है। यह आदेश 9 जुलाई को हुई पुलिस स्थापना बोर्ड की बैठक के बाद जारी किए गए। जारी आदेश के अनुसार, च. सुरेश बाबू को गांधी नगर, एल. मधु बाबू को चिक्कड़पल्ली, ए. सीताय्या को अत्तापुर और के. नागेश्वर राव को सैफाबाद पुलिस थाने का प्रभारी बनाया गया है। वहीं आर. रविंदर को चंद्रयानगुट्टा, सी. श्रीनिवास को मैलारदेवपल्ली, पी. नवीन कुमार को राजेंद्रनगर महिला थाना, बी. रवि कुमार को बोराबंडा, ई. जहांगीर यादव को पंजागुट्टा, एस.के. मुजीब-उर-रहमान को मदनपेट तथा के. आदि रेड्डी को मलकपेट ट्रैफिक थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा कई निरीक्षकों को विशेष शाखा, साइबर अपराध, केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीएस), यातायात प्रशासन, सचिवालय सुरक्षा और अन्य विशेष इकाइयों में भी नई जिम्मेदारियां दी गई हैं। पुलिस विभाग का कहना है कि यह फेरबदल प्रशासनिक आवश्यकताओं और कार्य व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से किया गया है।

साइबराबाद में शी टीमों ने 33 लोगों को रंगे हाथ पकड़ा

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस के महिला एवं बाल सुरक्षा प्रकोष्ठ के अंतर्गत शी टीमों और मानव तस्करी निरोधक इकाई (एएचटीयू) ने 3 जुलाई से 9 जुलाई तक विभिन्न अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई की। साइबराबाद शी टीमों ने इस अवधि में 114 गुप्त निगरानी अभियान चलाए और सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार करने वाले 33 लोगों को रंगे हाथ पकड़ा। पुलिस ने 34 लोगों के विरूद्ध छोटे मामलों में प्रकरण दर्ज किए, जबकि अन्य लोगों को परामर्श देकर चेतावनी दी गई। शी टीमों को विभिन्न माध्यमों से महिला पीड़ितों की ओर से 13 शिकायतें भी प्राप्त हुईं, जिन पर आवश्यक कार्रवाई की गई। इसी क्रम में साइबराबाद मानव तस्करी निरोधक इकाई ने 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत बाल श्रम और किशोर न्याय अधिनियम से संबंधित कार्रवाई करते हुए साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में 30 मामले दर्ज किए। अभियान के दौरान कुल 146 बच्चों को सुरक्षित मुक्त कराया गया, जिनमें 144 बालक और 2 बालिकाएं शामिल हैं। परिवार परामर्श केंद्रों और सामुदायिक विकास एवं महिला सशक्तिकरण केंद्रों के माध्यम से पति-पत्नी के पारिवारिक विवादों में प्रयास कर 21 परिवारों को दोबारा मिलाने में सफलता प्राप्त की गई। महिला एवं बाल सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान भी चलाए गए। मानव तस्करी, बाल तस्करी, छेड़छाड़, सामाजिक माध्यमों पर उत्पीड़न, बाल विवाह, बाल अधिकार, बाल श्रम, पीछा करना, भीख मांगने की समस्या, साइबर उत्पीड़न और साइबर धोखाधड़ी जैसे विषयों पर लोगों को जागरूक किया गया। इन जागरूकता कार्यक्रमों में लगभग 4,516 लोगों ने भाग लिया।

इस दौरान महिला हेल्पलाइन 181, बाल सहायता सेवा 1098, आपातकालीन सेवा 100 और साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई। साइबराबाद महिला एवं बाल सुरक्षा शाखा की पुलिस उपायुक्त के. सृजना ने बताया कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

CLASSIFIEDS

VILLA FOR SALE

BUNGALOW FOR SALE Ideal for all Professionals Doctors, Lawyers, Consultants etc. Basheer Bagh Brand New 5BHK Super Deluxe Independent Bungalow for SALE 240 Sq.Yd., 4100 SFt. G+2 Vikas: 9963678977

CHANGE OF NAME

I, ISARAR, F/O: SEP MD SHAMSHAD, R/O: H. NO.170, DONDO, BASKHARI, TANDA, AMBEDKAR NAGAR, UTTAR PRADESH - 224129, have changed my name from ISARAR to MOHD ISRAR vide Affidavit dt.09-07-2026.

I, MANGTIBAI, M/O: CFN RITESH KUMAR, R/O: Chichalgondi, Kandul, Arjunda ,Balod -Chhattisgarh -491225, have changed my name from MANGTIBAI to MANGTIN and my Date of Birth is : 12-05-1965, vide Affidavit dt.15-06-2026.

I, Sudha Bhushan , W/o, JC 771281X, Sub, Indradeo Kumar Bhushan, R/o, Dist: Khagaria, Bihar, changed my name from Sudha Bhushan to Sudha Kumari, vide Affidavit dt. 09.07.2026, before Notary Advocate at Khagaria.

I, Hemalta Choudhary, W/o, No. 17010357H, NK, Kuldeep Choudhary, R/o, Dist: Dewas, Madhya Pradesh, changed my name from Hemalta Choudhary to Hemlata Choudhary vide Affidavit No. 2068/2026 dt. 09.07.2026, before SDM, Dewas.

I, C Anna Saraswathy, Mother of No. 15181891M, NK, Kannan C, R/o, Dist: Thoothukudi, Tamil Nadu, changed my name from C Anna Saraswathy to Annasaraswathi Chithirairaj, vide Affidavit No. 467564 dt. 09.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14654433Y, Hav, Shailesh Singh Rathore, R/o, Dist: Farrukhabad, Uttar Pradesh, changed my Daughter's name from Kabya to Kabya Rathore, vide Affidavit No. 467587 dt. 10.07.2026, before, Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Kailasi Devi, Mother of No. 17024727H, Hav, Jairam Bhagat, R/o, Dist: Gopalganj, Bihar, changed my name from Kailasi Devi to Kailashi Devi, vide Affidavit No. 467575 dt. 09.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Hameed Khan, R/o. 2-3-593, Patel Bada, Amberpet, Hyd. TG. Changed My Name as Mohammed Hameed Khan S/o. Mohammed Osman Khan.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

आउटर रिंग रोड पर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए कई संवेदनशील स्थानों की पहचान : सीपी

दुर्घटनाएं रोकने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणाली पर विचार

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद महानगर के चारों ओर स्थित आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर जनसुरक्षा बढ़ाने और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से प्रशासन ने व्यापक कदम उठाने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में शुक्रवार को तेलंगाना समेकित कमान एवं नियंत्रण केंद्र में हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) के आयुक्त सरफराज अहमद, शहरी वानिकी निदेशक रोहित गोपिडी, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम, हैदराबाद ग्रोथ कॉरिडोर लिमिटेड, आईआरबी इंफ्रा तथा हैदराबाद, साइबराबाद और मल्काजगिरि के यातायात पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में मई माह में आयोजित पिछली समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णयों की प्रगति की समीक्षा की गई तथा सड़क सुरक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों पर चर्चा हुई। पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने बताया कि आउटर रिंग रोड पर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए 80 संवेदनशील स्थानों की पहचान की गई है, जिनमें से कई स्थानों पर पहले ही निगरानी और प्रवर्तन व्यवस्था को मजबूत किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को और प्रभावी बनाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित इलेक्ट्रॉनिक प्रवर्तन प्रणाली लागू करने की संभावना पर विचार किया जा रहा है। इस आधुनिक प्रणाली के माध्यम से विभिन्न प्रकार के यातायात नियमों के उल्लंघन का स्वतः पता लगाकर त्वरित कार्रवाई की जा सकेगी तथा बार-बार नियम तोड़ने वालों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा। सज्जनार ने बताया कि ओआरआर पर दर्ज होने वाले लगभग 99 प्रतिशत यातायात उल्लंघन बार-बार नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे वाहन चालकों में व्यवहार परिवर्तन लाने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि ओआरआर पर वाहनों के खराब होकर बीच सड़क में रुक जाने से भी दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे वाहनों को शीघ्र सुरक्षित स्थान पर हटाने की व्यवस्था की जानी चाहिए तथा सड़क पर किसी भी वाहन को अनावश्यक रूप से खड़ा नहीं होने देना चाहिए। यदि किसी वाहन में खराबी आ जाए तो तत्काल 14449 पर सूचना देने की सलाह दी गई। एचएमडीए आयुक्त सरफराज अहमद ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए आवश्यक सभी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना संभावित स्थानों पर विशेष सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं तथा सभी संबंधित विभागों के समन्वय से ओआरआर को और अधिक सुरक्षित बनाया जाएगा। बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त तफसीर इकबाल, संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) जोएल डेविस, साइबराबाद संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) सनप्रीत सिंह, संयुक्त परिवहन आयुक्त चंद्रशेखर गौड़, आईआरबी इंफ्रा के वरिष्ठ महाप्रबंधक चांद बाशा, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी, हैदराबाद, साइबराबाद एवं मल्काजगिरि के यातायात पुलिस उपायुक्त तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हुस्नाबाद को कृषि, शिक्षा और रोजगार का केंद्र बनाएगी सरकार : पोन्नम प्रभाकर

मंत्रियों ने किया उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र का भूमि पूजन

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार हुस्नाबाद को कृषि, कौशल विकास, शिक्षा और रोजगार का आदर्श केंद्र बनाने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। यह बात राज्य के परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सिद्दिपेट जिले के हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विभिन्न विकास कार्यक्रमों में कही। इस दौरान श्रम एवं रोजगार मंत्री विवेक वेंकटस्वामी भी उनके साथ मौजूद रहे। दोनों मंत्रियों ने जनगामा गांव में मेगा ऑयल पाम रोपण कार्यक्रम, थोटापल्ली में 45.15 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र (एटीसी) का भूमि पूजन, टॉमकॉम के तत्वावधान में आयोजित मेगा विदेशी रोजगार मेले तथा उम्मापुर में शातवाहन विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग महाविद्यालय के स्थायी भवनों के निर्माण का शिलान्यास किया। पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि हुस्नाबाद क्षेत्र के किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार बड़े पैमाने पर ऑयल पाम की खेती को बढ़ावा दे रही है। जिले में 50 हजार एकड़ में इसकी खेती का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें अब तक 14 हजार एकड़ से अधिक क्षेत्र में खेती शुरू हो चुकी है। उन्होंने बताया कि सरकार ऑयल पाम की खेती के लिए प्रति एकड़ 50 हजार रुपये तक की सहायता दे रही है तथा पहले चार वर्षों तक अंतरवर्ती फसलें उगाने की भी सुविधा है। मंत्री ने घोषणा की कि ऑयल पाम की खेती को बढ़ावा देने वाली ग्राम पंचायतों को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा। छोटे गांवों में 100 एकड़ तथा बड़े गांवों में 200 एकड़ से अधिक क्षेत्र में ऑयल पाम की खेती होने पर क्रमशः 5 लाख और 10 लाख रुपये के विकास प्रोत्साहन अनुदान दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से 45.15 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने वाला उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र युवाओं को रोबोटिक्स, त्रि-आयामी मुद्रण (थ्री-डी प्रिंटिंग), औद्योगिक स्वचालन, विद्युत वाहन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) तथा उत्पाद अभिकल्पना जैसे आधुनिक क्षेत्रों में प्रशिक्षण देगा। प्रत्येक प्रशिक्षु को प्रतिमाह दो हजार रुपये का वजीफा भी दिया जाएगा। मंत्री ने बताया कि टॉमकॉम द्वारा आयोजित मेगा विदेशी रोजगार मेले में लगभग 1,500 बेरोजगार युवाओं ने पंजीकरण कराया।

पोन्नम प्रभाकर ने उम्मापुर में शातवाहन विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग महाविद्यालय के स्थायी भवनों के निर्माण को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए अधिकारियों को एक वर्ष के भीतर निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। श्रम एवं रोजगार मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि राज्य सरकार कौशल विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

बंडी संजय ने हाइड्रा कार्रवाई में भेदभाव का लगाया आरोप

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने झील अतिक्रमण के मुद्दे पर तेलंगाना सरकार और एआईएमआईएम पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई में चुनिंदा रवैया अपना रही है। बंडी संजय ने सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट के माध्यम से आरोप लगाया कि एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के स्वामित्व वाले फातिमा महिला महाविद्यालय का क्षेत्र सकलम झील के पूर्ण जलस्तर क्षेत्र की सीमा में आता है। उन्होंने सवाल उठाया कि हाइड्रा के माध्यम से गरीबों के मकानों को तोड़ा जा रहा है, लेकिन कथित रूप से झील क्षेत्र में स्थित संस्थान पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार जलस्तर सीमा निर्धारण में राजनीतिक हितों के अनुसार बदलाव कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाइड्रा अभियान का राजनीतिक उद्देश्य के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।

ध्यान भटकाकर सोने की चेन चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

अत्तापुर पुलिस ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अत्तापुर पुलिस ने ध्यान भटकाकर सोने की चेन चोरी करने वाले एक आदतन अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से चोरी की गई चार सोने की चेन बरामद की हैं। इस मामले में शामिल तीन अन्य आरोपी फरार हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अफजल सागर, मल्लेपल्ली, हैदराबाद निवासी हथकड़े विशाल (25) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी पेशे से बैंड मास्टर है। फरार आरोपियों में रवि, जहांगीर और श्याम सुंदर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार 16 अक्टूबर को सुबह करीब 9:45 बजे राजेंद्रनगर थाना क्षेत्र के अरामघर बस स्टैंड के पास आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर शिकायतकर्ता गजुला सतीश कुमार के गले से 1.25 तोला वजन की सोने की चेन चोरी की थी। जांच में पता चला कि आरोपी पहले से ही संपत्ति संबंधी अपराधों में शामिल रहे हैं। चारों आरोपियों ने मिलकर एक गिरोह बनाया था और बस स्टैंड जैसे भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लोगों का ध्यान भटकाकर सोने की चेन चोरी करते थे। चोरी से प्राप्त धन का इस्तेमाल वे अपने गलत खर्चों और आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए करते थे। पुलिस के अनुसार घटना वाले दिन आरोपियों ने अरामघर बस स्टैंड के पास पिलर नंबर-143 के निकट बस में सवार एक व्यक्ति को निशाना बनाया। उन्होंने देखा कि पीड़ित ने गले में सोने की चेन पहन रखी थी। जब पीड़ित अरामघर में बस से उतरने का प्रयास कर रहा था, तभी आरोपियों ने उसे चारों ओर से घेर लिया। आरोपियों ने पीड़ित का रास्ता रोककर और उसे धक्का देकर उसका ध्यान भटकाया। इसी दौरान आरोपी विशाल ने हाथ से सोने की चेन का हुक खोलकर चेन चोरी कर ली और सभी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने आरोपी के पास से कुल चार सोने की चेन बरामद की हैं। यह कार्रवाई राजेंद्रनगर जोन के पुलिस उपायुक्त एस. श्रीनिवास, सहायक पुलिस आयुक्त टी. श्रीनिवास, अत्तापुर थाना प्रभारी के. नागेश्वर राव, निरीक्षक बी. राजू नायक और उनकी टीम के पर्यवेक्षण में की गई। पुलिस अधिकारियों ने टीम के कार्य की सराहना करते हुए उचित पुरस्कार देने की घोषणा की है।

शराब बिक्री रोकने को अनोखा फैसला

कोत्तागुडेम, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्तागुडेम जिले के अश्वपुरम मंडल की चिंथिरियाला ग्राम पंचायत ने गांव में अनियंत्रित शराब बिक्री पर रोक लगाने के लिए अनोखा कदम उठाया है।

पंचायत ने निर्णय लिया है कि पूरे गांव में केवल एक ही शराब की दुकान संचालित होगी, जबकि बाकी सभी बेल्ट दुकानों को बंद कराया जाएगा। स्थानीय लोगों के अनुसार, ग्राम पंचायत के तीन गांवों में 20 से अधिक बेल्ट दुकानें संचालित हो रही थीं। किराना दुकानों पर भी आसानी से शराब मिलने के कारण युवाओं में नशे की बढ़ती लत और सामाजिक समस्याओं को लेकर ग्रामीण, खासकर महिलाएं, लंबे समय से चिंतित थीं।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
रीजनल आफिस, महबूबनगर, फोन : 08542-272288
Email: pnd.romahbubnagar@unionbankofindia.bank.in

महबूबनगर टाउन & जिला में एसवी स्क्वेयर बिल्डिंग, येनुगोण्डा स्थित क्षेत्रीय कार्यालय के प्रस्तावित नए परिसर में फर्निशिंग कार्य।

आंतरिक साजसज्जा कार्यों (इन्टीरियर फर्नीशिंग वर्क्स) हेतु ठेकेदार के चयन के लिए सूचना
(अनुमोदित अनुमानित लागत रु.88.55 लाख)
निविदा संदर्भ संख्या:आरओएमएचबीः पीएनडी:102: 2026/27

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा एसवी स्क्वेयर, प्लाट नं. 3, 15, 27 सर्वे नं.287, वार्ड नं.10, ब्लाक नं.4, येनुगोण्डा, महबूबनगर टाउन & जिला-509001 पर प्रस्तावित कार्यो के लिए, स्थापित ठेकेदारों से मुहरबन्द बोलियां (दो बोली प्रणाली में) आमंत्रित की जाती हैं।

तत्संबंधित आवेदन प्रपत्रों को, **वेबसाइट्स** www.unionbankofindia.co.in तथा www.eprocure.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं। निविदा प्रस्तुति की अंतिम तिथि **दि.01-08-2026 के दोपहर 3.00 बजे** तक है। बैंक के पास, कोई भी कारण न देते हुए, किसी भी या सभी आवेदनों को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

दि.10-07-2026
हस्ता./— मुख्य प्रबंधक
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

यूपी में 900 नई अदालतों के गठन पर हाई कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब, 23 जुलाई को होगी अगली सुनवाई

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने प्रदेश में 900 नई अदालतों के गठन के मामले में मुख्य सचिव को अगली सुनवाई तक शपथ पत्र दाखिल कर संबंधित शासनादेश प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 23 जुलाई को होगी। न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने स्वतः संज्ञान लेकर दर्ज जनहित याचिका पर यह आदेश दिया। याचिका में प्रदेश में कुल 9149 अदालतों के गठन का मुद्दा उठाया गया है। सुनवाई के दौरान बताया गया कि राज्य सरकार की उच्च स्तरीय समिति ने अक्टूबर 2024 में पहले चरण में 900 नई अदालतों के गठन को सैद्धांतिक मंजूरी दी थी। इनमें 225 उच्च न्यायिक सेवा (एचजेएस), 375 सिविल जज (सीनियर डिवीजन) और 300 सिविल जज (जूनियर डिवीजन) की अदालतें शामिल हैं।

अयोध्या में सीएम योगी बोले

हनुमानगढ़ी मंदिर की सीढ़ियों पर नमाज पढ़ाने का पाप सपा-कांग्रेस ने किया

अयोध्या, 10 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या दौरे में बीकापुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए अयोध्या को 432 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इस मौके पर उन्होंने पूर्व मंत्री मुन्ना सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि लंबे समय तक अयोध्या विकास से दूर रही। सपा और कांग्रेस की सरकारों ने हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़वाने का काम किया।

क्या कभी दिल्ली की जामा मस्जिद में कोई हनुमान चालीसा पढ़ सकता है। सपा-कांग्रेस के लोगों ने ये पाप किया है। उन्होंने कहा कि अयोध्या आज विकास और समृद्धि के वैभव की

ओर बढ़ रही है। अगर मंशा साफ हो तो विकास अपने आप होता है। आज अयोध्या में दिख रहा है कि जब प्रभु श्रीराम की कृपा और हनुमान जी का आशीर्वाद हो तो अयोध्या के सारे काम अपने आप ही होते हैं। सीएम योगी ने कहा कि आज अयोध्या हवाईअड्डे के माध्यम से पूरे देश और दुनिया से जुड़ चुकी है। अयोध्या की पहचान बदल गई है।

पहले सरयू का जल दूषित रहता था पर कोई सफाई नहीं होती थी क्योंकि सपा-कांग्रेस के लोग अयोध्या को बदनाम करते थे अब डबल इंजन की सरकार में अयोध्या का विकास हो रहा है। डबल इंजन की सरकारों ने बिना थके बिना रुके काम किया जिससे नगर की पहचान बदली। डबल इंजन की सरकारों ने अयोध्या में वो करके दिखाया है जो कि 500 साल में नहीं हो सका। अब अयोध्या विकास और विरासत के पथ पर आगे बढ़ रही है।

तलाक के 30 दिन बाद दूसरी शादी करने वाली पत्नी गुजारा-भत्ता की हकदार नहीं: इलाहाबाद हाई कोर्ट

प्रयागराज, 10 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने तलाक के 30 दिन बाद दूसरी शादी करने वाली पत्नी को 10 हजार रुपये मासिक भरण-पोषण देने संबंधी फैमिली कोर्ट के आदेश पर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने कहा है कि दूसरी शादी के बाद पत्नी भरण-पोषण की हकदार नहीं रह जाती। झांसी के अपर प्रधान न्यायाधीश फैमिली कोर्ट से इस बात के लिए स्पष्टीकरण मांगा गया है कि दूसरी शादी की जानकारी के बावजूद उन्होंने भरण-पोषण का आदेश क्यों दिया।

न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरि की एकलपीठ ने राजेश चतुर्वेदी की याचिका पर यह आदेश दिया है। याची ने फैमिली कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। इसमें यह आदेश दिया गया है कि वह पत्नी स्वाती अगरिया को 10 हजार और नाबालिग बेटे मेदांश को पांच हजार रुपये मासिक भरण-पोषण दे। याची के अधिवक्ता ने बताया कि फैमिली कोर्ट झांसी ने 30 जुलाई 2025 को राजेश और स्वाति के बीच तलाक का फैसला सुनाया था। इसके खिलाफ राजेश ने फर्स्ट अपील दाखिल की। पत्नी की ओर से दाखिल प्रति शपथपत्र में कहा गया कि तलाक के आदेश के 30 दिन बाद तीन सितंबर 2025 को उसने दूसरी शादी कर ली। 19 सितंबर 2025 के आदेश में भी इसका जिक्र है।

इसके बावजूद फैमिली कोर्ट ने भरण पोषण का आदेश दे दिया। पीठ ने कहा, जब कोर्ट को यह तथ्य बताया गया था तब भी भरण-पोषण का आदेश देना उचित नहीं है। याची ने कहा है कि नाबालिग बेटे के पांच हजार रुपये भरण-पोषण को लेकर उसे कोई आपत्ति नहीं है और वह इसका भुगतान करने के लिए तैयार है। कोर्ट ने पत्नी को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में प्रति शपथपत्र दाखिल करने के लिए कहा है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 21 जुलाई 2026 तय की है। रजिस्ट्रार और सीजेएम झांसी को आदेश की प्रति भेजकर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी का भाजपा और आरएसएस पर बड़ा हमला, सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में जांच की मांग

अयोध्या, 10 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद राशिद अल्वी ने राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। अल्वी ने आरोप लगाया है कि इस कथित गड़बड़ी में बड़े नेताओं की संलिप्तता है, जिसके कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पूरे मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं। एएनआई से बात करते हुए राशिद अल्वी ने इस मामले को 'डकैती' बताया। उन्होंने सीधे तौर पर सत्तापक्ष को घेरते हुए कहा कि राम मंदिर के अंदर जो डकैती हुई है, भाजपा के नेता, भाजपा की सरकार और आरएसएस के नेताओं के बिना ये संभव नहीं हो सकता। इसमें सभी लोग शामिल हैं। अगर ईमानदारी के साथ जांच होती तो इसमें पता नहीं कितने बड़े लोगों के नाम आ जाते। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खामोशी पर भी गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री, जो सुबह-शाम भगवान राम का नाम लेते हैं, वहां(राम मंदिर) डकैती पड़ रही है तो खामोश हैं? उत्तर प्रदेश की एसआईटी, एसआईटी नहीं है बल्कि नेताओं को बचाने के लिए एक समिति है। मैं बार-बार कहता हूं कि सुप्रीम कोर्ट के जजों की देख-रेख में एक जांच समिति बननी चाहिए।

सीएम सम्राट ने 97.84 लाख लाभार्थियों के खाते में भेजे 1,423.94 करोड़

बोले- छूटे लोगों की पहचान करें अधिकारी

पटना, 10 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत 97.84 लाख लाभार्थियों के बैंक खातों में 1100 रुपये की मासिक पेंशन राशि ट्रांसफर की है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से कुल 1,423.94 करोड़ रुपये की राशि लाभार्थियों के खाते में भेजी गई है। अब हर महीने की 10 तारीख को पेंशनधारियों के लिए आर्थिक सुरक्षा और सरकारी सहायता का भरोसेमंद दिन बनाने की कवायद की जा रही है।

इससे पहले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत हर महीने की 10 तारीख को लाभार्थियों के खाते में राशि भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई

है। सरकार का कहना है कि इससे पेंशनधारियों को नियमित और समयबद्ध आर्थिक सहायता मिलती रहेगी। इस योजना के दायरे में वृद्धजन, दिव्यांगजन एवं विधवा महिलाएं सम्मिलित हैं। सरकार इसे सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं बल्कि जरूरतमंद वर्गों के सम्मान एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़ा अहम निर्णय बता रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि सहयोग शिविर, पंचायत विकास शिविर में छूटे लोगों की पहचान करें और उन्हें इस योजना का लाभ दिलाएं। कोई भी पात्र लाभार्थी छूटना नहीं चाहिए। डीबीटी व्यवस्था के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ाने एवं लाभार्थियों को सीधे फायदा पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। सरकार के इस कदम से लाखों परिवारों को तत्काल आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री द्वय विजय कुमार चौधरी एवं बिजेंद्र प्रसाद यादव, मंत्री श्वेता गुप्ता के अतिरिक्त शासन के शीर्ष अधिकारी भी उपस्थित थे।

ललिता गौतम हत्याकांड के बीच मायावती का बड़ा बयान, बीएसपी चीफ ने कहा- सड़कों पर मत उतरिए

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मेरठ की ललिता गौतम हत्याकांड को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। बसपा चीफ मायावती ने कहा कि व्यक्ति को कानून के दायरे में रहकर काम करना चाहिए और कानून को अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा देश के करोड़ों दलितों के पूज्य बाबा साहब भीम राव अंबेडकर ने सदा काम किया, कानूनी अधिकार के लिए वो किसी के सामने नहीं झुके। कांशीराम जी ने बसपा का गठन किया ताकि किसी भी दलित के ऊपर अन्याय हो तो उसकी लड़ाई लड़ी जा सके, अदालत में मामला जाता है तो उसका निस्तारण होता है मेरठ आदि की तरह सड़कों पर नहीं उतरना है। बसपा चीफ ने कहा कि कई दल लोगों को भड़काकर उन्हें गुमराह करते है हिंसा और सड़क जाम जैसा काम करते है।

प्रेमिका से मिलने पहुंचे प्रेमी को पीट-पीटकर मार डाला

कौशांबी, 10 जुलाई (एजेंसियां)। कौशांबी में प्रेम-प्रसंग के चलते एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस घटना में उसकी प्रेमिका को भी गंभीर चोटें आई हैं, जिसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। यह मामला मंझनपुर थाना क्षेत्र के महुआ खाड़ा गांव का है। मंझनपुर कोतवाली पुलिस को शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे गुरु प्रसाद नामक व्यक्ति ने सूचना दी कि उसके छोटे भाई शिव प्रसाद (19) की हत्या कर दी गई है। शिव प्रसाद पास के महुआ अखाड़ा गांव में अपने दूर के रिश्तेदार राकेश राजपूत के घर गया था। सूचना मिलने पर परिजन और पुलिस मौके पर पहुंचे।

गंभीर रूप से घायल शिव प्रसाद को परिजन जिला अस्पताल ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। इस घटना में प्रेमिका भी घायल हुई है और उसका इलाज जारी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

अतीक की बेनामी संपत्तियों पर खुलासा

गुर्गों ने 25 बीघा जमीन बेचकर शाइस्ता और जैनब तक पहुंचाए पैसे

प्रयागराज, 10 जुलाई (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की कुर्क तथा बेनामी संपत्तियों को बेचकर पैसे उसके गुर्गे अतीक की बीवी शाइस्ता खान व अहजम बेटे को पहुंचाया है। अशरफ की पत्नी जैनब को भी धनराशि गोपनीय तरीके से पहुंचाई गई है। प्रशासनिक अधिकारियों की टीम की जांच में इसकी जानकारी हुई है। पता चला है कि दोनों माफिया बंधुओं की मृत्यु के बाद गैंग के सदस्यों व रिश्तेदारों फहीम, मो।नूह, मो. राशिद उर्फ नीलू (अतीक का चचेरा भाई) द्वारा संपत्तियां बेची गई है। अतीक और अशरफ के मारे जाने के बाद से ही दोनों की बीवियां अंडरग्राउंड हैं।

उनकी तलाश के लिए पुलिस की कई टीमें लगाई गईं मगर उनका कोई पता नहीं चल सका है। वहीं अतीक का एक बेटा मारा गया है, एक जेल में है जबकि दो बाहर हैं। शाइस्ता की फरारी में खर्च के लिए अतीक के गुर्गे सक्रिय हैं। दोनों माफिया के मारे जाने के बाद

उच्चस्तरीय जांच में इन संपत्तियों का पता चला था तो शहर पश्चिमी इलाके के शाहा उर्फ पीपल गांव 25 बीघा से ज्यादा जमीन को जिला प्रशासन ने कुर्क कर लिया था। इस जमीन को शाइस्ता के इशारे पर अतीक के गुर्गों ने बेचना शुरू कर दिया। चायल से विधायक पूजा पाल की शिकायत पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद को जांच कराकर कार्रवाई को कहा तो डीएम मनीष कुमार ने विशेष जांच दल (एसआइटी) गठित कर दिया। एडीएम सिटी सत्यम कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली कमेटी ने जांच शुरू कर दिया है। इससे संबंधित दस्तावेज तलब किए गए हैं। निबंधन विभाग से सभी अराजी की रजिस्ट्री के कागजात भी मंगाए गए हैं। डीएम मनीष कुमार वर्मा कहना है कि जांच रिपोर्ट अगले हफ्ते शासन को भेजी जाएगी, जिसके बाद कार्रवाई कराई जाएगी।

खामेनेई की तस्वीरों को लेकर

इलाहाबाद हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, यूपी पुलिस के एक्शन पर दखल से किया इंकार

प्रयागराज, 10 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। इस याचिका में उत्तर प्रदेश पुलिस की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की गई थी। इसमें कहा गया था कि निजी संपत्तियों पर ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई सहित अन्य ईरानी नेताओं की तस्वीरों का शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन किया जा रहा है। इसमें पुलिस को दखल देने से रोकने के निर्देश देने की मांग की गई थी। इस याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट जस्टिस राजन रॉय और जस्टिस मंजीव शुक्ला की बेंच ने विचार किया।

उन्होंने पाया कि याचिका में पुलिस की दखल के बारे में सामान्य और अस्पष्ट बातें कही गई हैं। बेंच ने कहा कि ऐसी बातों के आधार पर जनहित याचिका पर आगे नहीं बढ़ा जा

सकता। अदालत ने 7 जुलाई के आदेश में कहा, पुलिस के दखल और ईरान के कुछ धार्मिक नेताओं, जो कि शिया समुदाय के लिए बहुत प्रिय हैं, के पोस्टर गैरकानूनी तरीके से हटाए जाने के बारे में सामान्य और अस्पष्ट बातें कही गई हैं। आदेश में यह भी कहा गया कि कोर्ट के सामने ऐसा कोई खास मामला नहीं रखा गया जिसमें किसी घर या जगह पर पोस्टर चिपकाया, लगाया या हटाया गया हो। यह भी नहीं बताया गया कि ऐसा कैसे किया गया।

'एसआईआर में मुस्लिम-यादवों के वोट कटवाए गए'

बीजेपी की पूर्व जिला मंत्री दीपाली तिवारी ने लगाए आरोप

महोबा, 10 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के महोबा जनपद की भाजपा की पूर्व जिला मंत्री दीपाली तिवारी ने सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड कर धमकी, समझौता और मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम कटवाने का पार्टी पदाधिकारियों पर दबाव बनाने का सनसनीखेज आरोप लगाया है। जिसको लेकर राजनीतिक गलियारे में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। वहीं, महिला नेत्री ने डिप्टी सीएम केशव मौर्य के स्टूल में अंतिम कील ठोंकने की चुनौती भी दे डाली है। महोबा में भाजपा जिलाध्यक्ष मोहनलाल कुशवाहा पर गंभीर आरोप लगाने वाली महिला नेत्री पूर्व भाजपा जिला मंत्री दीपाली तिवारी ने एक बार फिर गुरुवार को सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड कर सनसनी फैला दी है।

पार्टी में पद को लेकर जिलाध्यक्ष मोहनलाल कुशवाहा और उनके बीच विवाद का जिन्न एक बार फिर बाहर आ गया है। अप्रैल में शांत हुआ मामला अब फिर गरमा गया है। दीपाली ने भाजपा पदाधिकारियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ माह पहले भाजपा पार्टी की ओर से उनकी ड्यूटी सरकारी विद्यालय में मतदाता घटाने-बढ़ाने के काम में लगाई गई थी। पार्टी कार्यकर्ताओं ने फॉर्म-7 देकर मुस्लिम और कुछ यादव समाज के लोगों के नाम कटवाने का काम दिया था।

जहां बीएलओ से मिलने पर उसने कहा कि जिनके नाम कटवाने आई हैं, वे काफी समय से महोबा के निवासी हैं, आप ऐसा क्यों कर रही हैं? बताया कि इसके बाद वह जिलाध्यक्ष और जनप्रतिनिधियों से मिलीं और कहा कि किसी का अधिकार छीनना गलत है। जिस पर जवाब मिला कि शीर्ष नेतृत्व का आदेश है। नेत्री ने आरोप लगाया कि काम से मना करने के बाद उनके खिलाफ षड्यंत्र रचना शुरू हुआ। जिसके बाद जांच टीम आई, जिसमें शामिल महिला कल्याण निगम अध्यक्ष एवं प्रदेश उपाध्यक्ष कमलावती सिंह ने कहा था कि दो माह में जिलाध्यक्ष मोहनलाल कुशवाहा पर कार्रवाई होगी और आपके क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा यहीं से कर दी जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

कहा कि मामले में समझौता न करने पर पति को जेल भेजने और बच्चों का भविष्य बर्बाद करने की धमकी दी गई। दबाव देकर जिलाध्यक्ष से समझौता कराया गया। अब जिलाध्यक्ष मोहनलाल के समर्थक कह रहे हैं कि 10 लाख लेकर समझौता किया, जबकि सच यह है कि जांच टीम और उनके गुर्गों ने पैसे लेकर मामला खत्म किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने कार्यकर्ताओं के साथ ऐसा व्यवहार करती है।

दादा और पोते की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या

आजमगढ़, 10 जुलाई (एजेंसियां)। आजमगढ़ में करीब 2 बजे दादा और पोते की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गई। घटना के समय वे दोनों ट्यूबवेल के पास सोने गए थे। इसी दौरान वारदात हुई। सुबह जब वे देर तक घर नहीं लौटे तो परिजन को गड़बड़ी का अंदेशा हुआ। वे जगाने पहुंचे। उन्होंने देखा तो दोनों के शव लहूलुहान हालत में पड़े थे। दादा का शव ट्यूबवेल से 300 मीटर दूर पाया गया। जबकि पोते का शव ट्यूबवेल के पास ही था। वहां से 200 मीटर दूर पर हत्या में इस्तेमाल कुल्हाड़ी मिली। परिजन ने फौरन पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही एसएसपी डॉ। अनिल कुमार और एसपी ग्रामीण चिराग जैन पहुंचे। उन्होंने डॉग स्कवॉयड और फॉरेंसिक टीम को बुलाया। इस समय टीम मौके पर ही मौजूद हैं। वारदात वाली जगह से सैंपल लिए जा रहे हैं। पुलिस परिजन से बात कर घटना की जानकारी ले रही है।

नीरजा चिढ़ी राधिका से, दांतों से चबा डाली पूंछ इटावा के सफारी पार्क में 'शेरनियों' का महातांडव

इटावा, 10 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश से ऐसी अजीबोगरीब खबर सामने आती हैं कि लगता है ये तो झूठ ही होगा। कभी पति का पत्नी के होंठों को दांतों से काटना तो कभी पति को मारकर उसके शव को ड्रम में छिपा देना। अब इटावा सफारी पार्क के ब्रीडिंग सेंटर से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक शेरनी ने दूसरी शेरनी की पूंछ ही चबा डाली। ब्रीडिंग सेंटर के नाइट सेल (बाड़े) में शेरनी राधिका आराम से लेटी हुई थी। सोते या बैठते समय उसकी पूंछ दीवार या जाली के सहारे बगल वाले सेल में चली गई। इसी सेल में बब्बर शेरनी नीरजा मौजूद थी। नीरजा ने जब अपने इलाके में दूसरी शेरनी की पूंछ देखी, तो उसने गुस्से में आकर अचानक उस पर हमला कर दिया और अपने मजबूत दांतों से राधिका की पूंछ का हिस्सा काट डाला। इस हादसे के बाद सफारी प्रशासन में हड़कंप मच गया। वन्यजीव चिकित्सकों ने बिना वक्त गंवाए तुरंत राधिका का इलाज शुरू कर दिया है।

राधिका को बेहतर और विशेषज्ञ इलाज मिल सके, इसके लिए मथुरा के पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय से डॉक्टरों की एक स्पेशल टीम को भी इटावा बुलाया गया है। सफारी पार्क के निदेशक डॉ। अनिल कुमार पटेल ने बताया कि डॉक्टरों की टीम शेरनी की हालत पर चौबीसों घंटे नजर रखे हुए है। इसी बीच, सफारी पार्क में एक नया मेहमान भी आया है।

प्रेम विवाह के डेढ़ साल बाद विवाहिता ने लगाई फांसी

जमुई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। सिकंदरा थाना क्षेत्र के चारण गांव में एक विवाहिता द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। प्रथम दृष्टया घटना के पीछे पारिवारिक कलह की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलते ही सिकंदरा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, चारण गांव निवासी रविंद्र तांती की पुत्री ने करीब डेढ़ वर्ष पूर्व गांव के ही यमुना ठाकुर के पुत्र से प्रेम विवाह किया था।

विवाह के बाद दोनों साथ रह रहे थे, लेकिन पिछले कुछ दिनों से पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर लगातार विवाद होने की बात सामने आ रही है।

वीआईपी दर्शन पास पर नया विवाद

महंत दिनेन्द्र दास बोले- चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव के पास अभी भी सक्रिय

अयोध्या, 10 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े कुछ पदाधिकारियों के वीआईपी दर्शन पास और पहचान पत्र (आईडी) ब्लॉक किए जाने की चर्चाओं के बीच ट्रस्ट सदस्य महंत दिनेन्द्र दास महाराज का बयान सामने आया है। उन्होंने उन खबरों को खारिज किया है जिनमें दावा किया जा रहा था कि ट्रस्ट के पूर्व पदाधिकारियों या सदस्यों से जुड़े वीआईपी दर्शन पास निष्क्रिय कर दिए गए हैं।

महंत दिनेन्द्र दास महाराज ने कहा कि उनके पास उपलब्ध जानकारी के अनुसार चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव से संबंधित वीआईपी दर्शन व्यवस्था अभी भी पहले की

तरह लागू है। उन्होंने कहा, 'अभी कोई समस्या नहीं है। यह व्यवस्था अभी भी लागू है। मेरे पास इसके अलावा कोई जानकारी नहीं है, मौजूदा सिस्टम अभी भी चल रहा है।' राम मंदिर चढ़ावा चोरीकांड और उससे जुड़े विवादों के बाद ट्रस्ट की व्यवस्थाओं, अधिकारों और विशेष सुविधाओं को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि ट्रस्ट से जुड़े कुछ प्रमुख चेहरों के वीआईपी दर्शन पास और पहचान पत्रों को ब्लॉक या निष्क्रिय कर दिया गया है। इन खबरों के सामने आने के बाद अयोध्या और राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई थीं। हालांकि महंत दिनेन्द्र दास महाराज के बयान ने इन दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उनका कहना है कि वर्तमान व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं हुआ है और संबंधित लोगों को मिलने वाली सुविधाएं अभी भी जारी हैं।

फिलहाल श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से इस विषय पर कोई विस्तृत आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। ऐसे में वीआईपी दर्शन पास को लेकर सामने आ रही अलग-अलग जानकारियों के बीच स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

बारिश बनी आफत! 14 की मौत

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है। लगातार हो रही भारी बारिश जहां लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत दे रही है, वहीं कई जिलों में यह बारिश आफत बनकर बरसी है। प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश से जुड़े हादसों में 14 लोगों की मौत हो गई। बिजली गिरने, दीवार ढहने और अन्य दुर्घटनाओं ने जनजीवन को प्रभावित किया है। कई स्थानों पर जलभराव, सड़कें बंद होने और संपर्क मार्ग टूटने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने प्रदेश के 46 जिलों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसके मद्देनजर कई जिलों में प्रशासन ने एहतियातन नर्सरी से 12वीं तक के स्कूल बंद रखने के आदेश दिए हैं।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सरकार नहीं बल्कि भीड़तंत्र चला रहे

सामना में शिवसेना (यूबीटी)ने आलोचना की

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधते हुए उनकी सरकार पर मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे की 'मिसिंग लिंक' परियोजना में भीड़तंत्र चलाने और वैश्विक स्तर का भ्रष्टाचार घोटाला करने का आरोप लगाया है। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में प्रकाशित एक संपादकीय में मुख्यमंत्री फडणवीस द्वारा विपक्ष के खिलाफ कथित तौर पर इस्तेमाल की गई आक्रामक भाषा की आलोचना की गई। साथ ही आरोप लगाया गया कि मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के घाट खंड को बाईपास करने के लिए बनाई जा रही 'मिसिंग लिंक' परियोजना की लागत में करीब 2,500 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

संपादकीय के अनुसार, दो सुरंगों, आठ लेन की सड़क और दो पुलों वाली 13 किलोमीटर लंबी इस परियोजना की प्रारंभिक अनुमानित लागत 4,797.55 करोड़ रुपये थी। इसमें दावा किया गया कि सामान्य लागत वृद्धि को ध्यान में रखने पर भी परियोजना की लागत

5,500 करोड़ रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए थी, लेकिन अंतिम व्यय बढ़कर 7,180 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। संपादकीय में दावा किया गया कि परियोजना की लागत करीब 540 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर बैठती है और इसे भ्रष्टाचार का विश्व रिकॉर्ड बताया गया। इसमें यह भी आरोप लगाया गया कि पहली ही बारिश में परियोजना में भारी रिसाव शुरू हो गया। संपादकीय में टिप्पणी की गई कि यदि कोई इस परियोजना में कथित भ्रष्टाचार पर शोध करे तो वह कैम्ब्रिज या ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट हासिल कर सकता है। संपादकीय में मुख्यमंत्री फडणवीस की इस बात के लिए कड़ी आलोचना की गई कि उन्होंने कथित तौर पर जनता और विपक्ष को चेतावनी देते हुए कहा था, हमारे भ्रष्टाचार पर सवाल उठाना महाराष्ट्र की बदनामी है। राज्य की बदनामी करने वालों से मैं सख्ती से निपटूंगा।

इसमें मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा में राज्य के खर्च पर सवाल उठाने वाले नागरिकों और विपक्षी नेताओं को किराए के लोग और अन्य अपमानजनक शब्दों से संबोधित करने की भी निंदा की गई। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने संपादकीय में कहा कि राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ इस प्रकार की भाषा किसी जनप्रतिनिधि की नहीं बल्कि गुंडों की भाषा है। पार्टी ने सवाल किया कि क्या भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को चुप कराने की कोशिश की जा रही है।

मांडी रोड को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का आग्रह, सीएम रेखा गुप्ता का केंद्रीय मंत्री गडकरी को पत्र

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर दक्षिण दिल्ली के महत्वपूर्ण मांडी रोड को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने और इसके विकास का कार्य भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को सौंपने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में कहा है कि लगभग 8.8 किलोमीटर लंबा मांडी रोड दिल्ली-एनसीआर का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सड़क गलियारा है।

यह छतरपुर मेट्रो स्टेशन के निकट महरौली-गुरुग्राम रोड (एनएच-148ए) को दिल्ली-हरियाणा सीमा पर गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड से जोड़ता है। यह मार्ग राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और पड़ोसी आर्थिक केंद्रों गुरुग्राम और फरीदाबाद के बीच एक महत्वपूर्ण संपर्क कड़ी के रूप में कार्य करता है तथा अंतर-राज्यीय यातायात के सुचारु संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

'ईडी मंदिर का फंड कब फ्रीज़ करेगी?'

टीएमसी के अकाउंट फ्रीज़ करने पर डेरेक ओ'ब्रायन ने ईडी से सवाल पूछा

कोलकाता, 10 जुलाई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने शुक्रवार को पार्टी के तीन बैंक अकाउंट फ्रीज़ करने के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के फ़ैसले की आलोचना की। उन्होंने पूछा कि केंद्रीय एजेंसी अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी के मामले में कब कार्रवाई करेगी। तृणमूल के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव ओ'ब्रायन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ईडी एचडीएफसी में टीएमसी के 3 बैंक अकाउंट फ्रीज़ कर दिए हैं। ईडी मंदिर का फंड कब फ्रीज़ करेगी? उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब विपक्ष राम मंदिर के दान प्रबंधन सिस्टम में कथित वित्तीय अनियमितताओं की न्यायिक जांच की मांग कर रहा है।

प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि उसने कथित फंड के दुरुपयोग के मामले में 'प्रिवेंशन ऑफ़ मनी लॉनड्रिंग एक्ट' (पीएमएलए) के तहत तृणमूल कांग्रेस के तीन बैंक अकाउंट फ्रीज़ कर दिए हैं, जिनमें 440 करोड़ जमा थे। एजेंसी ने कहा कि यह कार्रवाई पीएमएलए की धारा 17(1ए) के तहत की गई। यह धारा एजेंसी को बैंक जमा जैसी संपत्ति को फ्रीज़ करने का अधिकार देती है, जब ज़ब्ती संभव न हो और जांच के दौरान उनके ट्रांसफर या निपटान को रोकना ज़रूरी हो।

शादी का वादा कर बनाया रिश्ता

महिला के प्रेग्नेंट होने पर मुकरा; कोर्ट ने क्या कह ठुकराई आरोपी की जमानत अर्जी?

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत ने शादी का झूठा वादा करके महिला के साथ दुष्कर्म करने, उसे प्रेग्नेंट करने और धमकाने के आरोपी व्यक्ति की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। एडिशनल सेशंस जज वी जी मोहिते ने आरोपी शुभम भगवान शिंदे की अर्जी खारिज करते हुए कहा कि उसकी रिहाई से महिला और उसके होने वाले बच्चे के लिए गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। 7 जुलाई के कोर्ट आदेश की कॉपी सामने आई। अभियोजन पक्ष के अनुसार, महिला और शिंदे की जान पहचान पिछले साल दिसंबर में हुई थी। कुछ हफ्तों बाद शिंदे ने उसे अपने घर बुलाया और शादी का झूठा वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद महिला प्रेग्नेंट हो गई और शिंदे के घर में रहने लगी। हालांकि, जब भी उसने शादी की बात की, शिंदे कथित तौर पर टालमटोल करता रहा। अभियोजन पक्ष का आरोप है कि दबाव बनाए जाने पर उसने आत्महत्या करने की धमकी भी दी। एडिशनल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर मनीषा पावसे ने शिंदे की जमानत अर्जी का विरोध करते हुए कहा कि उसने महिला के साथ धोखा किया और उसके प्रेग्नेंट होने के बाद उसे छोड़ दिया।

महिला ने भी जमानत का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि शिंदे के रिश्तेदारों ने उसे जातिसूचक गालियां दीं और नुकसान पहुंचाने की धमकी दी। वहीं, शिंदे की ओर से पेश वकील यासीन नबी ने दलील दी कि यह एक असफल प्रेम संबंध का मामला है। उन्होंने दोनों के बीच नजदीकी दिखाने के लिए कुछ तस्वीरें भी कोर्ट में पेश कीं। साथ ही कहा कि जांच पूरी हो चुकी है और चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। कोर्ट ने शिंदे की नियमित जमानत अर्जी खारिज करते हुए कहा, 'अगर आरोपी को जमानत पर रिहा किया जाता है, तो उसके द्वारा पीडिता या उसके गर्भ में पल रहे बच्चे को नुकसान पहुंचाने या जान से मारने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

पीआरसी पर घमासान

शोभा करंदलाजे की अमित शाह से दखल की मांग किसे बताया राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा?

बेंगलूरु, 10 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय राज्यमंत्री शोभा करांदलाजे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर कर्नाटक सरकार द्वारा लागू किए गए कर्नाटक स्थायी निवास प्रमाण पत्र, 2026 को लेकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था संविधान, कानून और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर सवाल खड़े करती है, इसलिए केंद्र सरकार को इसकी तुरंत जांच करनी चाहिए। पत्र में शोभा करांदलाजे ने कहा कि भारत का संविधान पूरे देश के नागरिकों के लिए केवल एक नागरिकता की व्यवस्था करता है। ऐसे में कर्नाटक सरकार द्वारा 'स्थायी निवासी' जैसी अलग श्रेणी बनाना संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। इस तरह का वर्गीकरण न तो संविधान और न ही किसी कानून के तहत अधिकृत है।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह व्यवस्था संविधान के अनुच्छेद 14 का भी उल्लंघन करती है, क्योंकि यह बिना किसी वैध संवैधानिक उद्देश्य के लोगों की अलग श्रेणी तैयार करती है। उनके अनुसार, राज्य सरकार 'स्थायी निवासी' का दर्जा देकर ऐसी कानूनी पहचान दे रही है, जिसे संविधान की मंजूरी प्राप्त नहीं है। शोभा करांदलाजे ने पत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर भी गंभीर चिंता जताई।

उन्होंने कहा कि पीआरसी के लिए तय पात्रता मुख्य रूप से स्थानीय निवास और राजस्व अधिकारियों के सत्यापन पर आधारित है, लेकिन इसमें भारतीय नागरिकता की जांच के लिए केंद्र सरकार की सक्षम एजेंसियों से सत्यापन का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने आशंका जताई कि ऐसी स्थिति में अवैध रूप से भारत में रहने वाले विदेशी नागरिक या घुसपैठिए स्थानीय दस्तावेजों या फर्जी कागजात के आधार पर स्थायी निवास प्रमाण पत्र हासिल कर सकते हैं।

सीबीआई-डीआरआई की बड़ी कार्रवाई

वन्यजीव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ 53 संरक्षित जीव बचाए, 6 गिरफ्तार

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन यानी सीबीआई और डीआरआई की संयुक्त कार्रवाई में एक बड़े वन्यजीव तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। इस संयुक्त ऑपरेशन में सीबीआई-डीआरआई की टीम ने 15 स्लो लोरिस, 2 बिंटुरोंग, 28 स्टार कछुए, 6 इजिप्टियन गिद्ध और 2 शिकरा पक्षियों समेत कुल 53 संरक्षित जानवरों और पक्षियों को बरामद किया और उन्हें बचाया। ये जानवर और पक्षी वाइल्डलाइफ (प्रोटेक्शन) एक्ट, 1972 की अनुसूची-I के तहत आते हैं, जिन्हें भारत में सबसे ज्यादा सुरक्षा प्राप्त है। यह संयुक्त कार्रवाई महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में कई जगहों पर की गई।

यह कार्रवाई डीआरआई मुंबई द्वारा जुटाई गई खास खुफिया जानकारी के आधार पर की गई, जिसमें वाइल्डलाइफ (प्रोटेक्शन) एक्ट, 1972 के तहत संरक्षित वन्यजीवों के व्यापार में शामिल एक अंतर-राज्यीय अपराध सिंडिकेट के बारे में पता चला था। इसके बाद सीबीआई ने 7 और 8 जुलाई 2026 को दो अलग-अलग मामले दर्ज किए और मुंबई में तीन आरोपियों को और कोलकाता में तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया यानी इस

मामले में कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सभी गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम नोमान खान (मुंबई), मो। फारूक (मुंबई), इंशा शकील (मुंबई), सैकत बिस्वास (कोलकाता), मिथुन मंडल उर्फ हिमांशु मंडल (कोलकाता) और अर्जुन मंडल (कोलकाता) हैं।

यह मामला वाइल्डलाइफ (प्रोटेक्शन) एक्ट, 1972 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 के तहत आपराधिक साजिश के प्रावधानों के तहत दर्ज किया गया था। आरोपियों ने व्यापार के लिए भारत के अलग-अलग जगहों से इन जानवरों और पक्षियों को इकट्ठा किया था। शुरुआती कार्रवाई के बाद बरामद वन्यजीव प्रजातियों को सुरक्षित रखने और उनकी देखभाल के लिए महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल के वन विभागों को सौंप दिया गया है, जबकि मामले की जांच जारी है।

मुठभेड़ में दीपक नंदन गैंग के 4 शूटर ढेर, एसजीटी यूनिवर्सिटी के फाउंडर के बेटे को बनाने आए थे निशाना

गुरुग्राम, 10 जुलाई (एजेंसियां)। पुलिस के अनुसार, ये बदमाश फिरौती की मांग को लेकर एसजीटी यूनिवर्सिटी के फाउंडर के बेटे के घर पर फायरिंग करने आए थे। इस पूरी कार्रवाई में पुलिस के तीन जवान भी घायल हुए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि एक महिंद्रा स्कॉर्पियो कार में कुछ हथियारबंद संदिग्ध सवार हैं। जब क्राइम ब्रांच की टीमें सुशांत लोक पहुंचीं, तो बदमाशों ने व्यवसायी के घर पर हथियारों से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी।

क्राइम ब्रांच ने घेराबंदी कर संदिग्धों को सरेंडर करने की चेतावनी दी, लेकिन बदमाशों ने भागने की कोशिश करते हुए पुलिस टीम पर ही सीधा हमला बोल दिया। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में पांचों हमलावरों को गोली लग गई। उन्हें तुरंत नजदीकी सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चार को मृत घोषित कर दिया, जबकि पांचवें का इलाज जारी है। घायल पुलिसकर्मियों को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत पर डॉक्टर नजर रख रहे हैं।

मुठभेड़ की सूचना मिलते ही पुलिस उपायुक्त (अपराध) हितेश यादव और डीसीपी (पूर्व) संदीप कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फिलहाल घटनास्थल को सील कर दिया गया है। फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) और तकनीकी टीमें मौके से साक्ष्य और सबूत जुटाने में लगी हैं।

ड्रग्स सिंडिकेट पर बड़ा एक्शन

एंटी-नारकोटिक्स सेल ने अग्रिपाड़ा समेत 13 ठिकानों पर की ताबड़तोड़ रेड

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में ड्रग्स सिंडिकेट पर मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच का एक्शन देखने को मिला है। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स सेल ने ड्रग्स मामले में शहर भर के 13 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की है। अग्रिपाड़ा, बांद्रा, कोलाबा, पवई और घाटकोपर समेत कई इलाकों में 10 टीमें सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। बता दें कि एंटी-नारकोटिक्स सेल ने यह कार्रवाई मई में अग्रिपाड़ा में पकड़ी गई अवैध मेफेड्रोन (एमडी) फैक्ट्री की जांच के सिलसिले में की जा रही है।

उस कार्रवाई में पुलिस ने 50।74 करोड़ रुपये की मेफेड्रोन, हथियार और ड्रग्स बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए थे। जांच में सामने आया था कि ड्रग्स बनाने के लिए जरूरी केमिकल 11 अलग-अलग कंपनियों के जरिए ऑनलाइन मंगाए गए थे। मुंबई पुलिस के मुताबिक, जांच के दौरान इन सभी 11 कंपनियों के पते फर्जी पाए गए, जिसके बाद अब पूरे नेटवर्क की जांच तेज कर दी गई है।

अमेरिका की नेशनल लाइब्रेरी ऑफ़ मेडिसिन एनआईएच में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, मेफेड्रोन के सेवन से उत्तेजकता से जुड़े बड़े असर होते हैं। इसे लेने वाले में बहुत ज्यादा खुशी महसूस होने, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ने, ज्यादा बातें करने, हिलने-डुलने की इच्छा होने, जबड़े भींचने, भूख कम लगने और नींद न आने के लक्षण दिखते हैं।

'आप नेता संजीव अरोड़ा 103 करोड़ के फर्जी आईफोन घोटाले में मास्टरमाइंड', ईडी ने कसा शिकंजा; चार्जशीट दाखिल

गुरुग्राम, 10 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पंजाब के पूर्व कैबिनेट मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजीव अरोड़ा के विरुद्ध फर्जी आईफोन निर्यात एवं मनी लॉनड्रिंग मामले में विशेष पीएमएलए अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। अरोड़ा को पूरे नेटवर्क का मुख्य साजिशकर्ता बताते हुए आरोप लगाया है कि फर्जी खरीद बिल, निर्यात दस्तावेज और शेल कंपनियों के माध्यम से करीब 103 करोड़ रुपये के अवैध धन को वैध बनाने का प्रयास किया गया। ईडी के अनुसार, जांच में सामने आया कि मोबाइल फोन, विशेषकर आईफोन, का दुबई को निर्यात केवल कागजों में दिखाया गया। इसके लिए फर्जी खरीद बिल और निर्यात संबंधी दस्तावेज तैयार किए गए। इस फर्जीवाड़े के जरिए निर्यात आधारित वित्तीय लाभ लेने के साथ-साथ अवैध धन के स्रोत को छिपाने की कोशिश की गई। जांच में करीब 44 हजार मोबाइल फोन के फर्जी निर्यात का भी उल्लेख किया गया है ईडी का दावा है कि इस पूरे नेटवर्क में कई कंपनियों और व्यक्तियों का इस्तेमाल किया गया। शेल कंपनियों के जरिए धन का लेनदेन कर उसे वैध कारोबारी आय के रूप में दर्शाने का प्रयास किया गया। मामले की जांच धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की जा रही है।

नाना पटवारी बोले- 3 साल पहले तक ड्रग्स लेता था: कांग्रेस अध्यक्ष का भाई होना ही मेरी गलती; कल इंदौर पुलिस ने हिरासत में लिया था

इंदौर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई नाना पटवारी को पुलिस हिरासत में लेने का मामला तूल पकड़ता दिख रहा है। पार्टी इसे सियासी एंगल देने के मूड में है। शुक्रवार को जीतू और नाना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पुलिस कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध बताया है। इस दौरान नाना पटवारी ने स्वीकार किया कि वे 3 साल पहले तक ड्रग्स का सेवन करते थे, लेकिन रिहैब सेंटर में इलाज के बाद उन्होंने नशा पूरी तरह छोड़ दिया है। उन्होंने कहा- मेरी गलती सिर्फ इतनी है कि मैं जीतू का भाई हूं। वहीं, जीतू ने कहा- राज्य सरकार सत्ता का दुरुपयोग कर विपक्ष को निशाना बना रही है। नाना का ड्रग तस्करी मामले से कोई संबंध नहीं है।

उन्हें हिरासत में लेकर परेशान किया गया। दरअसल, इंदौर की राजेंद्र नगर पुलिस ने गुरुवार को नाना पटवारी को हिरासत में लिया था। पुलिस का दावा है कि ब्राउन शुगर के साथ पकड़े गए दो आरोपियों से पूछताछ में नाना का नाम सामने आया था। हालांकि, पूछताछ के बाद देर रात उन्हें छोड़ दिया गया था। नाना पटवारी ने कहा कि उनकी गलती केवल इतनी है कि वे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई हैं। उन्होंने दावा किया कि ड्रग्स मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों से उनका कोई संबंध या लेन-देन नहीं है।

मुंबई के फिल्म प्रोड्यूसर पर ईडी का शिकंजा

आरोपी ने 13वीं मंजिल से क्यों फेंका फोन? विदेशी लेनदेन पर गहराया शक

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने मुंबई के फिल्म प्रोड्यूसर धर्मेश संगानी और उनकी कंपनी कलानी इम्पेक्स लिमिटेड के खिलाफ फ़ेमा के तहत जांच शुरू की है। जांच में बिना घोषित विदेशी संपत्तियां, विदेशी बैंक खाते, कनाडा की एक कंपनी में हिस्सेदारी और निर्यात राशि से जुडी कथित अनियमितताएं सामने आने का दावा किया गया है। तलाशी के दौरान प्रोड्यूसर पर मोबाइल फोन फेंककर सबूत मिटाने की कोशिश का भी आरोप लगाया गया है, जिसके बाद मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। केंद्रीय एजेंसी ने फ़ेमा के तहत कलानी इम्पेक्स लिमिटेड और उसके डायरेक्टर धर्मेश संगानी के परिसरों पर तलाशी ली। जांच के दौरान एजेंसी ने कई अहम दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य अपने कब्जे में लिए। अधिकारियों के मुताबिक, तलाशी के दौरान धर्मेश संगानी ने कथित तौर पर एक इमारत की 13वीं मंजिल से अपना मोबाइल फोन फेंककर सबूत मिटाने की कोशिश की। हालांकि, जांच अधिकारियों ने मोबाइल बरामद कर लिया। ईडी ने सबूत नष्ट करने के प्रयास के आरोप में मुंबई पुलिस के पास संगानी के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई है।

धर्मेश संगानी या उनकी कंपनी की ओर से इस मामले में फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वे जिस फिल्म अकादमी से जुड़े हैं, वहां से भी जवाब का इंतजार किया जा रहा है। अधिकारियों का आरोप है कि जांच के दौरान पता चला कि कुछ विदेशी खरीदारों से निर्यात के बदले मिलने वाली रकम अब तक प्राप्त नहीं हुई थी। साथ ही कंपनी ने इस अवधि को बढ़ाने के लिए अधिकृत डीलर बैंक से जरूरी अनुमति भी नहीं ली थी, जो फ़ेमा नियमों का उल्लंघन माना जा रहा है। तलाशी के दौरान कंपनी और धर्मेश संगानी से जुडे ऐसे दस्तावेज मिले हैं, जिनसे बिना घोषित विदेशी संपत्तियों और विदेशी बैंक खातों का पता चला है।

एजेंसी इन दस्तावेजों की विस्तार से जांच कर रही है। ईडी के अनुसार, जांच में यह भी सामने आया है कि धर्मेश संगानी की एक बिना घोषित कनाडाई कंपनी में काफी बडी हिस्सेदारी है। इसके अलावा कनाडा, अमेरिका और यूएई में भी कथित तौर पर बिना घोषित विदेशी बैंक खातों की पहचान की गई है, जिनकी जांच जारी है। अधिकारियों का दावा है कि अमेरिका और यूके के कस्टम अधिकारी भी आरोपी से जुडे कुछ वित्तीय लेनदेन की जांच कर रहे थे।

सेहत से खिलवाड़! पैकेट पर नामी ब्रांड का नाम, अंदर मिलावटी दूध, मुंबई-छत्रपति संभाजीनगर में 'मिल्क फ्रॉड' का भंडाफोड़

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मिलावटी दूध के कारोबार के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। मुंबई के दहिसर (पूर्व) इलाके में मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट-12 ने महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) और बृहन्मुंबई खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के साथ अभियान चलाकर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर नामी ब्रांडों के दूध में मिलावट कर उसे दोबारा बाजार में बेचने का आरोप है। अधिकारियों को गुप्त सूचना मिली थी कि दहिसर (पूर्व) स्थित राजेश कंपाउंड के पास दुबे चॉल नंबर-2 के कमरा बी-3 में मिलावटी दूध तैयार किया जा रहा है। सूचना के आधार पर टीम ने छापा मारकर आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

छापेमारी के दौरान करीब 470 लीटर दूध बरामद किया गया। जांच में सामने आया कि अमूल ताज़ा, अमूल गोल्ड, अमूल बफेलो और गोकुल जैसे प्रतिष्ठित ब्रांडों के असली दूध के पैकेटों से दूध निकालकर उसमें मिलावट की जाती थी। इसके बाद पैकेटों को दोबारा सील कर असली उत्पाद के रूप में बाजार में बेचा जाता था। कार्रवाई के दौरान 327 खाली और कथित रूप से नकली ब्रांडेड दूध के पैकेट, पैकेट दोबारा सील करने वाले उपकरण और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया।

'अलगाववाद को बढ़ावा'

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर ने सभी सरकारी स्कूल लाइब्रेरी की जांच के आदेश दिए

श्रीनगर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। सरकारी स्कूलों की लाइब्रेरी में ऐसी दो किताबों को शामिल करने पर विवाद के बीच, जिनमें कथित तौर पर उग्रवाद और अलगाववाद को बढ़ावा दिया गया है, जम्मू-कश्मीर सरकार ने कश्मीर में सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों और कोचिंग सेंटरों के प्रमुखों को निर्देश दिया है कि वे अपने परिसरों में मौजूद किताबों की अनुचित या आपत्तिजनक सामग्री के लिए जांच करें। स्कूल शिक्षा निदेशक (कश्मीर) द्वारा जारी एक सर्कुलर के अनुसार, सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों और कोचिंग संस्थानों के प्रमुखों (एचओआईएस) को निर्देश दिया गया है कि वे अपने कार्यालयों, क्लासरूम, स्टाफ रूम और स्कूल लाइब्रेरी में मौजूद सभी किताबों चाहे वे हाल ही में खरीदी गई हों या पुरानी हों की व्यापक जांच करें।

इसमें कहा गया है, इस जांच का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी किताब में अनुचित या आपत्तिजनक सामग्री न हो। संस्थान प्रमुखों को ऐसी किताबों की पहचान करने का निर्देश दिया गया है जो धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा सकती हैं, जिनमें छात्रों के लिए अनुचित सामग्री हो, या जो मौजूदा कानूनों के खिलाफ हों और जिनसे राष्ट्रीय हित को नुकसान पहुंचने, शैक्षिक मूल्यों और स्थापित मानदंडों पर असर पड़ने की

संभावना हो। सभी सामग्री राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उम्र-उपयुक्त दिशानिर्देशों के अनुरूप होनी चाहिए, आदेश में कहा गया। संस्थान प्रमुखों को जांच का रिकॉर्ड रखना होगा, तय समय सीमा के भीतर निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना होगा और इस संबंध में अनुपालन रिपोर्ट जमा करनी होगी। आदेश में चेतावनी दी गई है कि यदि कोई आपत्तिजनक सामग्री पाई जाती है, तो संस्थानों को उस सामग्री का सारांश तैयार करना होगा और सात दिनों के भीतर संबंधित सीईओ या जेडईओ को विस्तृत रिपोर्ट सौंपनी होगी।

इस बीच, मुख्य शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे व्यक्तिगत रूप से इस प्रक्रिया के कार्यान्वयन की निगरानी करें और आठ दिनों के भीतर स्कूल शिक्षा निदेशक, कश्मीर को एक समेकित रिपोर्ट सौंपें। घाटी में लगभग 10,787 सरकारी और 2,386 मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूल हैं।

अमेरिका में एच-1बी वीजा के नियम सख्त हो सकते हैं

विश्वविद्यालयों की छूट सीमित हो सकती है, ग्रीन कार्ड से जुड़े नए नियम आना संभव

वॉशिंगटन, 10 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका का ट्रम्प प्रशासन नए इमिग्रेशन नियमों की तैयारी कर रहा है, जिससे एच-1बी वीजा, रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड और छात्र वीसा की प्रक्रिया पहले से अधिक सख्त हो सकती है।

प्रस्तावित बदलाव लागू होने पर भारतीय पेशेवरों, छात्रों और अमेरिकी कंपनियों के लिए नियमों का पालन करना अधिक कठिन और महंगा हो सकता है। ये प्रस्ताव अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग, श्रम विभाग और विदेश विभाग के एकीकृत रेगुलेटरी एजेंडा में शामिल हैं। इसके लिए अगस्त में बदलाव का प्रस्ताव आ सकता है।

अगस्त में आ सकता है प्रस्ताव

एच-1बी: विश्वविद्यालयों और कुछ शोध संस्थानों को मिलने वाली एच-1बी कैप छूट सीमित की जा सकती है। कई ऐसे

प्रस्ताव हैं जिनसे कंपनियों की लागत बढ़ सकती है।

ग्रीन कार्ड: एच-1बी व ग्रीन कार्ड के लिए लागू न्यूनतम वेतन बढ़ाने का प्रस्ताव है। साथ ही भर्ती नियमों, अमेरिकी कर्मचारियों की छंटनी से जुड़े प्रावधानों और भेदभाव-रोधी उपायों में बदलाव प्रस्तावित हैं।

छात्र वीसा: प्रस्ताव के तहत विदेशी छात्रों के लिए मौजूदा 'ड्यूरेशन ऑफ स्टेटस' व्यवस्था खत्म कर निश्चित अवधि का प्रवास तय किया जा सकता है।

जयशंकर ने भी उठाया था मुद्दा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसी साल मई में यह मामला अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के सामने उठाया था। रूबियो ने माना था कि नए इमिग्रेशन सिस्टम में बदलाव के दौरान कुछ दिक्कतें और तनाव हो सकते हैं। हालांकि, रूबियो ने कहा था कि अमेरिका इमिग्रेशन सिस्टम को ज्यादा प्रभावी बनाने की कोशिश कर रहा है और लंबे समय में इसका फायदा सभी पक्षों को मिलेगा। रूबियो ने यह भी कहा था कि यह कदम खासतौर पर भारत को निशाना बनाकर नहीं उठाया गया।

उनके मुताबिक अमेरिका पिछले कुछ सालों में बड़े पैमाने पर अवैध प्रवासियों की समस्या से जूझ रहा है। 2 करोड़ से ज्यादा लोग गैरकानूनी तरीके से अमेरिका में दाखिल हुए और उसी चुनौती से निपटने के लिए यह बदलाव किए जा रहे हैं।

चीन ने रॉकेट बूस्टर को समुद्र में सुरक्षित उतारा

पहली बार सफल टेस्ट

बीजिंग, 10 जुलाई (एजेंसियां)। चीन ने अंतरिक्ष तकनीक में बड़ी सफलता हासिल की है। उसने पहली बार रॉकेट के बूस्टर को समुद्र में सुरक्षित उतारने का सफल परीक्षण किया है। चीन ने शुक्रवार को लॉन्ग मार्च-10बी रॉकेट को दक्षिणी प्रांत हैनान से लॉन्च किया। उड़ान भरने के करीब 6 मिनट बाद बूस्टर मुख्य रॉकेट से अलग हुआ और नियंत्रित तरीके से समुद्र में बने एक प्लेटफॉर्म पर उतर गया। वहां लगे विशेष जाल ने उसे सुरक्षित पकड़ लिया। चीन के सरकारी मीडिया के मुताबिक, किसी रॉकेट बूस्टर को इस तरह नियंत्रित तरीके से वापस लाने का यह देश का पहला सफल परीक्षण है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगर रॉकेट के बूस्टर को हर लॉन्च के बाद दोबारा इस्तेमाल किया जा सके, तो अंतरिक्ष मिशनों की लागत काफी कम होगी और लॉन्च की रफ्तार भी बढ़ेगी।

ईरान पर फिर हमला करना चाहता है इजराइल

ट्रम्प की मंजूरी का इंतजार, यूएस के साथ कार्रवाई को तैयार

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन, 10 जुलाई (एजेंसियां)। इजराइल अमेरिका के साथ मिलकर ईरान पर फिर से हमले करना चाहता है। इजराइली मीडिया कान की रिपोर्ट के मुताबिक, वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मंजूरी का इंतजार कर रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइली अधिकारियों को उम्मीद है कि अमेरिका और ईरान के बीच अगले कुछ दिनों तक हमले जारी रह सकते हैं।

यरुशलम के एक सूत्र के हवाले से लिखा कि जरूरत पड़ी तो इजराइल फिर से ईरान पर हमला करेगा। हालांकि इजराइल नहीं चाहता कि उसके लोगों को दोबारा बंकरों में जाना पड़े, लेकिन वह ईरान में हो रही घटनाओं पर चुप भी नहीं रह सकता। ईरान के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिका ने बुशहर परमाणु ठिकाने को निशाना बनाते हुए हवाई हमला किया। हालांकि फैसिलिटी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। ईरान ने बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइलें दागीं, ईरान ने अमेरिका के हमलो के बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइलें दागीं। हालांकि, इन देशों ने कई मिसाइलों और ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। अमेरिका ने ईरान में चीन-रूस से जुड़े पुल पर हमला किया: ईरान ने दावा किया है कि अमेरिका ने उत्तरी ईरान में चीन और रूस से जुड़े एक रणनीतिक रेलवे पुल पर क्रूज मिसाइल से हमला किया। ईरान ने इसे युद्ध अपराध बताया।

अमेरिका-ईरान के बीच तनाव दोबारा बढ़ने के बाद होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही गुरुवार को ठप रही। इससे वैश्विक तेल सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ी और कच्चे तेल की कीमतों में करीब 1% की बढ़ोतरी हुई।

यूक्रेन पर शांति वार्ता को लेकर पश्चिम पर अब भरोसा नहीं : लावरोव

मास्को, 10 जुलाई (एजेंसियां)। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा है कि मॉस्को को अब पश्चिमी देशों के इस दावे पर भरोसा नहीं रहा कि वे यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए ईमानदारी से शांति वार्ता चाहते हैं।

मोजाम्बीक की राजधानी मापुतो में विदेश मंत्री मारिया मैनुएला लुकास के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में लावरोव ने आरोप लगाया कि पश्चिम बातचीत की इच्छा का केवल दिखावा कर रहा है, जबकि रूस के सामने लगातार शर्तें रखी जा रही हैं।

लावरोव ने कहा कि पिछले एक दशक में पश्चिम ने यूक्रेन संकट के शांतिपूर्ण समाधान की हर कोशिश को कमजोर किया। उनके मुताबिक, 2022 में रूस और यूक्रेन के बीच इस्तांबुल में बातचीत के दौरान समझौते की रूपरेखा तैयार हो गई थी, लेकिन पश्चिमी हस्तक्षेप के कारण वह आगे नहीं बढ़ सकी।

उन्होंने कहा कि अब रूस की सद्भावना और पश्चिम पर भरोसा पूरी तरह समाप्त हो चुका है। लावरोव ने कहा कि रूस आज भी बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन वार्ता का उद्देश्य संघर्ष के मूल कारणों का समाधान होना चाहिए।

इनमें यूक्रेन की नाटो सदस्यता की योजना और रूस की सुरक्षा संबंधी चिंताएं शामिल हैं।

शेख हसीना बोलीं– दिसंबर में बांग्लादेश लौटूंगी

कोर्ट में सरेंडर करूंगी, हत्या हो जाए तो भी मंजूर, देश की मिट्टी पर मरना चाहती हूं

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि वह दिसंबर में भारत से बांग्लादेश देश लौटेंगी और कोर्ट में सरेंडर करेंगी। उन्होंने कहा कि उनके साथ अवामी लीग के कई सीनियर नेता भी बांग्लादेश लौटकर आत्मसमर्पण करेंगे।

हसीना ने कहा कि अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर लगातार कार्रवाई हो रही है। उनके मुताबिक, लगभग सभी बड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं पर मुकदमे दर्ज किए गए हैं और कई लोग छिपकर रहने को मजबूर हैं। हालांकि, उन्होंने वापसी की सटीक तारीख नहीं बताई। रॉयटर्स को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा, हसीना 2024 में सरकार विरोधी आंदोलन के बाद बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गई थीं। इसके बाद उन्हें छात्र आंदोलन पर कार्रवाई से जुड़े मामले में मौत की सजा सुनाई गई। वह इन आरोपों से इनकार करती रही हैं।

हसीना बोलीं- सरकार से वापसी पर कोई बातचीत नहीं

शेख हसीना ने कहा कि उन्होंने बांग्लादेश लौटने को लेकर

सरकार से कोई बातचीत नहीं की है। उनका कहना है कि लोकतंत्र, चुनाव, अवामी लीग के राजनीतिक अधिकार और न्याय जैसे मुद्दों पर पर्दे के पीछे बातचीत नहीं हो सकती।

हसीना ने दावा किया कि बांग्लादेश सरकार उन्हें वापस भेजने के लिए भारत को लगातार पत्र लिख रही है। उन्होंने कहा, मुझे वापस लाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, मैं खुद ही लौटूंगी।

हालांकि, हसीना के इस दावे पर बांग्लादेश सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। वहीं भारत ने भी फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की। इससे पहले अप्रैल में भारत ने कहा था कि वह बांग्लादेश के प्रत्यर्पण अनुरोध पर विचार कर रहा है और नई सरकार के साथ संबंध मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है।

हसीना बोलीं- अगर गलती की है तो फैसला जनता करे

शेख हसीना ने कहा कि उन्हें जेल जाने का डर नहीं है, क्योंकि वह पहले भी कई बार गिरफ्तार हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता में लंबे समय तक रहने वाली किसी भी सरकार से गलतियां हो सकती हैं, लेकिन उसका फैसला अदालत नहीं, जनता को करना चाहिए।

उन्होंने कहा, अगर हमारी सरकार से गलतियां हुई हैं, तो जनता फैसला करेगी।

रॉयटर्स के मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में 2024 के छात्र आंदोलन पर कार्रवाई में करीब 1,400 लोगों की मौत होने की बात कही गई है। इसी मामले में शेख हसीना को अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई गई थी। हसीना ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि अदालत की सुनवाई शुरू होने पर सच्चाई सामने आ जाएगी।

सरकार बोली- शेख हसीना को वापस लाने की कोशिश जारी

बांग्लादेश सरकार के मुताबिक हसीना को वापस लाने की कोशिश जारी है। विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने मंगलवार को बताया था कि हसीना को अदालत के सामने पेश करने के लिए सरकार राजनयिक स्तर पर लगातार प्रयास कर रही है और इस प्रक्रिया में कोई कमी नहीं है।

उन्होंने कहा कि हसीना को वापस लाने की प्रक्रिया अंतरिम सरकार के समय शुरू हुई थी और मौजूदा सरकार भी इसे आगे बढ़ा रही है। उनके मुताबिक, प्रत्यर्पण अंतरराष्ट्रीय नियमों और कानूनी प्रक्रिया के तहत ही होता है, इसलिए इसमें समय लगना स्वाभाविक है। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत इस मामले में सहयोग कर रहा है, तो उन्होंने सीधे जवाब नहीं दिया।

मोदी से हम हाथ मिलाने को तरस रहे

शहबाज के सलाहकार का बड़ा बयान कहा– पाकिस्तान ने गंवाया मौका

इस्लामाबाद, 10 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के विशेष सलाहकार राणा सनाउल्लाह खान ने भारत के साथ संबंधों को लेकर बड़ा बयान दिया है। राणा सनाउल्लाह ने भारत के साथ संबंध खराब करने के लिए पाकिस्तान को ही जिम्मेदार ठहराया है। पाकिस्तानी टीवी चैनल पर एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पास भारत के साथ दोस्ती का बहुत बढ़िया मौका था, लेकिन मोदी का अंधा विरोध करने के चक्कर में हमने सब गंवा दिया। उन्होंने कहा कि आज मोदी हमारा फोन नहीं उठाते तो उसके जिम्मेदार हम खुद हैं।

राणा सनाउल्लाह ने साल 2015 में पीएम मोदी की अचानक लाहौर यात्रा की तरफ इशारा किया और कहा कि पाकिस्तान के पास बहुत बड़ा मौका था। जब एंकर ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के सलाहकार से पूछा कि आज इस्लामाबाद ट्रैक 2 डिप्लोमेसी के जरिए नई दिल्ली से संपर्क कर रहा है तो उन्होंने इसे कबूल किया और कहा कि बैकडोर डिप्लोमेसी कभी बंद ही नहीं हुई।

राना सनाउल्लाह से इसके बाद कहा कि बैकडोर डिप्लोमेसी की तारीफ करते हुए कहा कि नवाज शरीफ ने ऐसे हालात बना लिए थे जिससे इस इलाके में अमन कायम हो जाता। उनका इशारा पीएम मोदी की लाहौर यात्रा की तरफ था, हालांकि उन्होंने इसका सीधा नाम नहीं लिया।

ग्रीक वायुसेना के एफ-16 की इमरजेंसी लैंडिंग

रनवे पर लगी आग, पायलट सुरक्षित

एथेंस, 10 जुलाई (एजेंसियां)। ग्रीक वायुसेना का एक एफ-16 लड़ाकू विमान गुरुवार को प्रशिक्षण उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आने के बाद जाकिंथोस एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान रनवे पर फिसलने के बाद उसमें आग लग गई। हालांकि पायलट सुरक्षित है। हादसे के बाद एयरपोर्ट का रनवे बंद कर दिया गया, जिससे कई उड़ानों में देरी हुई। ग्रीक वायुसेना के अनुसार, विमान में तकनीकी खराबी आने के बाद दोपहर करीब 1:45 बजे स्थानीय समय पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, विमान को लैंडिंग से पहले ऑनबोर्ड आग की चेतावनी मिली थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि विमान बिना लैंडिंग गियर खोले रनवे पर उतरा और कई मीटर तक फिसलने के बाद उसमें आग लग गई।

यूएन में भारत को घेरने के लिए पाकिस्तान चले 'आर्टिकल 96' का दांव

हॉर्वर्ड के पाकिस्तानी एक्सपर्ट ने दी सलाह

इस्लामाबाद, 10 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान भारत को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में घेरने के लिए कश्मीर पर 'आर्टिकिल-96' का इस्तेमाल करे। ये सलाह पाकिस्तानी एक्सपर्ट हसन असलम शाद ने शहबाज शरीफ की सरकार को दी है। वो हॉर्वर्ड ग्रेजुएट और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के जानका हैं। दरअसल ईरान-अमेरिका युद्ध में मध्यस्थता करवाने के बाद पाकिस्तनी एक्सपर्ट्स हद से ज्यादा उत्साहित हैं और वो अब पाकिस्तान को अमेरिका से भी बड़ा सुपरपावर मान रहे हैं।

हसन असलम शाद ने डॉन में एक लेख लिखा है। इसमें उनका कहना है कि यूएस और ईरान के बीच तनाव कम करने में पाकिस्तान की भूमिका ने दुनिया भर की राजधानियों में सोच बदल दी है। पाकिस्तान का डिप्लोमैटिक कद काफी बढ़ गया है और अब कश्मीर के बारे में अलग तरह से सोचने का समय आ गया है। उनका कहना है कि पाकिस्तान को 'लॉफेयर स्ट्रैटजी' का इस्तेमाल करना चाहिए। यानि लॉफेयर स्ट्रैटेजी के हिस्से के तौर पर की गई कानूनी कार्रवाई इंटरनेशनल राय बना सकती है और इंटरनेशनल बातचीत पर असर डाल सकती है जिससे देशों को अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करने के मौके मिल सकती है। इसके लिए उन्होंने चागोस द्वीप का उदाहरण दिया है जिसे आखिरकार ब्रिटेन को मॉरीशस को लौटाने पर मजबूर होना पड़ा। उन्होंने लिखा है कि चागोस द्वीप को लेकर यूनाइटेड नेशंस जनरल असेंबली (यूएनजीए) ने 2019 में इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस से एक सलाह मांगा था।

हालांकि यह सलाह कानूनी तौर पर बाध्य नहीं थी लेकिन इसने चागोस को लेकर चर्चा बदल दिया और ब्रिटेन पर काफी इंटरनेशनल प्रेशर आ गया। उन्होंने शहबाज शरीफ की सरकार को कश्मीर को लेकर भी इसी स्ट्रैटजी को अपनाने की सलाह दी है। हसन असलम शाद ने डॉन में लिखा है कि कश्मीर को भी उसी नजरिए से देखने की जरूरत है क्योंकि 'पाकिस्तान बहुत लंबे समय से भारत की तरफ बड़े पैमाने पर थोपे गए फ्रेमवर्क के अंदर काम कर रहा है।'

जापान की वो तकनीक जिससे सदियों पुराने पेड़ों को उठाकर कर दिया जाता है शिफ्ट

इंजीनियरिंग और बागवानी का कमाल

टोक्यो, 10 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में सड़कें, रेलवे ट्रैक या नई आवासीय योजनाओं के निर्माण के लिए सदियों पुराने जंगलों को साफ कर दिया जाता है, लेकिन जापान में इसके बिल्कुल उलट होता है। जापान में विकास के नाम पर सदियों पुराने पेड़ों को काटा नहीं जाता है। इसके बजाय उन्हें एक जगह से दूसरी जगह शिफ्ट किया जाता है। इस प्रक्रिया को विशेषज्ञों की देखरेख में पूरा किया जाता है, जिसमें कभी-कभी महीनों का साल भर से भी ज्यादा का समय लग जाता है।

पेड़ों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने की प्रक्रिया को नेमावाशी कहा जाता है। यह कमाल की तकनीक बागवानी के सदियों पुराने ज्ञान और आधुनिक इंजीनियरिंग का अनूठा मेल है, जो प्रकृति के प्रति जापानी समाज के लंबे समय से चले आ रहे सम्मान को दिखाता है। जापान ने दुनिया को दिखाया है कि विकास कार्य और पर्यावरण की रक्षा एक साथ हो सकती है।

जापान में किन पेड़ों को दूसरी जगह ले जाया जाता है?

ऐसा नहीं है कि विकास योजनाओं की चपेट में आने वाले हर पेड़ को

जापान में दूसरी जगह स्थानांतरित किया जाता है। यह आम तौर पर उन पेड़ों के लिए अपनाया जाता है, जिनका ऐतिहासिक, सांस्कृतिक या पारिस्थितिक महत्व बहुत ज्यादा होता है। इनमें कई पेड़ मंदिर और धार्मिक स्थलों, पारंपरिक बगीचों, पार्कों का ऐतिहासिक इलाकों में पाए जाते हैं। ये वहां पीढ़ियों से खड़े होते हैं और उन्हें विरासत के हिस्से के रूप में देखा जाता है।

पेड़ को हटाने के लिए प्रक्रिया कई महीनों पहले शुरू हो जाती है। एक्सपर्ट्स पेड़ की जड़ों को सावधानी से छांटना शुरू कर देते हैं। जड़ को एक बार में उखाड़ने के बजाय पेड़ के आस-पास चुनिंदा जड़ों को काटा जाता है। इससे नई बारीक जड़े उगती हैं, जो पोषक तत्वों को सोखने में मदद करती हैं।

ये नई बनी फीडर जड़ें बहुत जरूरी होती हैं,जो पेड़ के जीवित रहने के लिए जरूरी पानी और पोषक तत्वों को सोखती हैं। ये जड़ें पेड़ के नए माहौल में ढलने की संभावना को बेहतर बनाती हैं। हालांकि, यह प्रक्रिया बहुत लंबी होती है और इसमें छह महीने से एक साल से ज्यादा का समय लग सकता है।

क्या है नेमावाशी?

जड़ों की तैयारी की इसी प्रक्रिया को नेमावाशी कहा जाता है। इसका शाब्दिक अर्थ होता है- जड़ों के चारों ओर घूमना। यह शब्द मूल रूप से बागवानी से जुड़ा है, लेकिन इसका इस्तेमाल अब व्यापार और राजनीति में व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाने लगा है। व्यापक संदर्भ में इसका मतलब बड़े बदलाव लाने से पहले चुपचाप आधार तैयार करने के रूप में किया जाता है।

रूट सिस्टम तैयार होने के बाद मजदूर पेड़ के चारों ओर खुदाई करते हैं। इसके बाद जड़ों को सुरक्षा मटीरियल में लपेटा जाता है। नुकसान से बचने के लिए तने और डालियों को भी सुरक्षित किया जाता है। पेड़ को नई जगह पर ले जाने के लिए क्रेन, हाइड्रोलिक लिफ्टिंग या खास तौर पर डिजाइन ट्रांसपोर्ट वाहन का इस्तेमाल किया जाता है। नई जगह पर पहले से तैयार किए गए गड्ढे में पेड़ को सावधानी पूर्वक लगाया जाता है। इसके बाद उसकी लगातार निगरानी की जाती है, तब तक उसकी जड़ें नई जमीन से जुड़कर विकास नहीं कर लेती हैं।

महीनों की तैयारी के बाद भी कई बार नई जगह पर पेड़ को लगाना सफल नहीं हो पाता है। सफलता पेड़ की प्रजाति, उम्र, सेहत, दूसरी जगह ले जाने का समय और बाद की देखभाल की क्वालिटी जैसे तथ्य पर निर्भर करती है। इसके बावजूद जापानी तरीका यह दिखाता है कि विकास और पर्यावरण को बचाना एक दूसरे के विरोधी नहीं होने नहीं चाहिए। पुराने पेड़ों को रुकावट मानने के बजाय यह प्रक्रिया उन्हें जीती-जागती विरासत मानती है, जिन्हें बचाकर रखना चाहिए।

चीन की जूता फैक्ट्री में आग : 28 की मौत

200 से ज्यादा बचाए गए, ओनर हिरासत में

बीजिंग, 10 जुलाई (एजेंसियां)। चीन के फ़ुज़ियान प्रांत के क्वानझोउ शहर के जिनजियांग इलाके में स्थित एक जूता फैक्ट्री में गुरुवार को भीषण आग लगने से कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई। सरकारी मीडिया के अनुसार 200 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

आग बुझाने के लिए 500 से ज्यादा दमकलकर्मी और 35 फायर इंजन मौके पर तैनात किए गए। कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने हादसे पर दुख जताते हुए घायलों के बेहतर इलाज और राहत कार्य में कोई कमी नहीं छोड़ने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को भी कहा है।

पुलिस ने फैक्ट्री मालिक समेत कई संदिग्धों को हिरासत में लिया है। हालांकि, आग लगने की वजह का अभी आधिकारिक खुलासा नहीं किया गया है।

हिटलर का देश कर रहा युद्ध की तैयारी?

400 टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें खरीद रहा जर्मनी, निशाने पर कौन

बॉन, 10 जुलाई (एजेंसियां)। हिटलर का देश जर्मनी एक बार फिर से अपनी सेना को मजबूत कर रहा है। इजरायल से एरो एयर डिफेंस सिस्टम लेने के बाद अब जर्मनी अपनी मारक क्षमता को मजबूत करने में जुट गया है। जर्मनी अमेरिका से 400 टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें खरीद रहा है और अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से इसको सैद्धांतिक मंजूरी भी मलि गई है। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने तुर्की में नाटो के शिखर बैठक के दौरान इस डील का ऐलान किया।

इसके अलावा जर्मनी 3 टायफून , एंटी शपि मिसाइल सिस्टम भी लेने जा रहा है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने अभी तक इस सौदे का कोई औपचारिक रूप से सार्वजनिक ऐलान नहीं किया है। माना जा रहा है कि रूस के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए जर्मनी अपनी सेना को जंग के लिए तैयार कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी 400 टॉमहॉक ब्लॉक वीबी मिसाइल और 3 लांचर खरीदना चाहता है। एक्सपर्ट का कहना है कि जर्मनी के लिए अमेरिकी क्रूज मिसाइल हासिल करना बेहद अहम है। अभी जर्मनी के पास लंबी दूरी तक मार करने वाली केवल टारज मिसाइल है जिसकी मारक क्षमता 500 किमी है। टॉमहॉक मिसाइल की रेंज 1600 किमी है।

इस मिसाइल की मदद से जर्मनी अपनी जमीन से ही रूस पर मिसाइल हमला करने में सक्षम हो जाएगा। वहीं रूस की बात करें तो उसके पास यूरोप को कई बार तबाह करने लायक मिसाइल ताकत है। एक्सपर्ट का कहना है कि क्रूज मिसाइलों को दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम से बचना होता है और इसी वजह से उनकी रेंज 50 फीसदी तक कम हो सकती है। उन्होंने कहा कि अगर टायफून सिस्टम को जर्मनी पोलैंड की जमीन पर ले जाता है तो रूस को आसानी से नशिाना बनाया जा सकता है।

जंगल की आग से 12 की मौत

1000 लोग सुरक्षित निकाले गए, 6 घायल

मैड्रिड, 10 जुलाई (एजेंसियां)। स्पेन के दक्षिण-पूर्वी अल्मेरिया प्रांत के लॉस गाल्यार्दोस इलाके में जंगल की भीषण आग में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई है, छह लोग घायल हुए हैं और करीब 1000 निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। आग के कारण कई सड़कें भी बंद करनी पड़ी हैं। करीब 150 दमकलकर्मी और स्पेन की मिलिट्री इमरजेंसी यूनिट को भी राहत और बचाव अभियान में शामिल किया गया है।

दक्षिणी यूरोप इस समय भीषण हीटवेव की चपेट में है। स्पेन, फ्रांस और पुर्तगाल में कई स्थानों पर तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक दर्ज किया जा रहा है। इसी वजह से कई इलाकों में जंगल की आग तेजी से फैल रही है। यूरोपीय वनाग्नि सूचना प्रणाली के अनुसार, पिछले वर्ष स्पेन में लगभग 3.93 लाख हेक्टेयर क्षेत्र जंगल की आग से प्रभावित हुआ था, जो पिछले वर्षों के औसत से कई गुना अधिक है।

मुख्य द्वार पर एक दीये से दूसरा दीया जलाना शुभ है या अशुभ ?

हिंदू परंपरा में संध्या के समय घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। धार्मिक मान्यताओं और वास्तु शास्त्र के अनुसार मुख्य द्वार पर जलाया गया दीपक घर में सकारात्मक ऊर्जा के प्रवेश का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि नियमित रूप से दीप प्रज्ज्वलित करने से वातावरण में शुभता का संचार होता है और घर में सुख-शांति बनी रहती है। हालांकि दीपक जलाते समय कुछ नियमों का पालन करने की भी बात कही गई है। इन्हीं में से एक मान्यता यह है कि एक जलते हुए दीपक से दूसरा दीपक नहीं जलाना चाहिए।

वास्तु शास्त्र और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार प्रत्येक दीपक का अपना अलग आध्यात्मिक महत्व माना गया है। इसलिए हर दीपक को अलग से प्रज्ज्वलित करने की परंपरा बताई गई है। मान्यता है कि यदि एक जलते हुए दीपक से दूसरा दीपक जलाया जाता है तो उसके शुभ प्रभाव में कमी आ सकती है। इसी कारण कई विद्वान प्रत्येक दीपक को अलग से जलाने की सलाह देते हैं।

सुख-समृद्धि पर पड़ सकता है प्रभाव

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार घर का मुख्य द्वार सकारात्मक ऊर्जा के प्रवेश का प्रमुख स्थान माना जाता है। ऐसे में यदि यहां दीपक जलाने के नियमों का पालन नहीं किया जाए तो घर के वातावरण और सुख-समृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की मान्यता है। माना जाता है कि इससे घर का सकारात्मक वातावरण धीरे-धीरे प्रभावित हो सकता है।

आर्थिक पक्ष प्रभावित होने की मान्यता

वास्तु मान्यताओं में यह भी कहा गया है कि दीपक जलाने में की गई इस प्रकार की गलती का असर आर्थिक स्थिति पर भी पड़ सकता है। मान्यता के अनुसार आय होने के बावजूद धन का संचय करना कठिन हो सकता है और अनावश्यक खर्च बढ़ सकते हैं, जिससे आर्थिक संतुलन प्रभावित होने की संभावना रहती है।

महत्वपूर्ण कार्यों में आ सकती हैं बाधाएं

धार्मिक विश्वासों के अनुसार मुख्य द्वार पर दीपक जलाने के नियमों की अनदेखी करने से कार्यों में रुकावट आने की संभावना मानी जाती है। नौकरी, व्यापार और अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में अपेक्षित सफलता मिलने में विलंब हो सकता है। हालांकि यह पूरी तरह धार्मिक और पारंपरिक मान्यताओं पर आधारित विचार हैं।

मुख्य द्वार पर दीपक जलाने का पारंपरिक तरीका

मान्यताओं के अनुसार संध्या के समय सबसे पहले मुख्य द्वार की साफ-सफाई करनी चाहिए। इसके बाद शुद्ध घी या सरसों के तेल का दीपक जलाना शुभ माना जाता है। प्रत्येक दीपक को अलग तीली से प्रज्ज्वलित करने की परंपरा बताई गई है। दीपक को ऐसी जगह रखना चाहिए, जहां वह सुरक्षित रहे और तेज हवा से बुझने की संभावना न हो। दीप प्रज्ज्वलित करते समय श्रद्धा और शांत मन के साथ प्रार्थना करना भी शुभ माना जाता है।

क्या इन मान्यताओं का कोई वैज्ञानिक आधार है?

एक दीपक से दूसरा दीपक जलाना अशुभ माना जाए या नहीं, इसे लेकर कोई सार्वभौमिक वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है। यह मान्यताएं मुख्य रूप से धार्मिक परंपराओं, वास्तु शास्त्र और लोक विश्वासों पर आधारित हैं। इसलिए इनका पालन करना या न करना व्यक्ति की व्यक्तिगत आस्था और विश्वास पर निर्भर करता है।

सही मार्ग वही है, जिसमें ईमानदारी से धन कमाया जाता है और रिश्तों का सम्मान बना रहता है

सही मार्ग वही है, जिसमें ईमानदारी और मेहनत से धन कमाया जाता है। धन कमाने के लिए किसी प्रकार का छल, कपट या धोखा नहीं करना चाहिए। ऐसा जीवन अपनाना चाहिए, जिससे हमारा स्वास्थ्य अच्छा रहे, परिवार और रिश्तों का सम्मान बना रहे, आसपास का वातावरण स्वच्छ और पवित्र रहे। हमें अपने माता-पिता, परिवार, रिश्तेदारों और समाज को कभी नहीं भूलना चाहिए। जीवन में सफलता तभी सार्थक होती है जब वह अच्छे आचरण, मेहनत और सच्चाई के साथ प्राप्त होती है।

पंचतंत्र की कथा की सीख: नई चीजें सीखें

लेकिन बिना ज्ञान और तैयारी के नया काम करना जोखिम भरा हो सकता है

पंचतंत्र की एक चर्चित कथा है, पुराने समय में एक वन में एक मंदिर बन रहा था। मंदिर में लकड़ी का काम अधिक होने से कई बढ़ई दिन-रात काम कर रहे थे। परिसर में जगह-जगह लकड़ी के बड़े-बड़े लट्ठे, आरी और अन्य औजार रखे थे। दोपहर के भोजन के समय सभी मजदूर एक घंटे के लिए शहर चले जाते थे। एक दिन भोजन के लिए जाने से पहले एक मजदूर ने एक बड़े लट्ठे को आधा चीरकर उसके बीच में लोहे का कीला फंसा दिया, ताकि लौटने पर उसी जगह से आरी आसानी से चल सके।

मजदूरों के जाते ही बंदरों का एक झुंड वहां आ पहुंच गया। वे इधर-उधर उछल-कूद करने लगे। उनके साथ एक बेहद शरारती बंदर भी था, जिसकी आदत हर चीज को बिगाड़ने की थी। बंदरों का सरदार बूढ़ा और अनुभवी था। उसने सभी को स्पष्ट चेतावनी दी कि किसी भी औजार से या किसी भी चीज से यहां कोई छेड़छाड़ न करें। सभी बंदर पेड़ों की ओर चले गए, लेकिन वह शरारती बंदर चुपके से उसी जगह रुक गया।

उछल-कूद करते समय शरारती बंदर की नजर आधे चिरे हुए लट्ठे पर पड़ी। पहले उसने पास रखी आरी उठाई और लकड़ी पर चलाने की कोशिश की। आरी से तेज आवाज निकली तो उसने झुंझलाकर उसे फेंक दिया। अब उसकी उत्सुकता लट्ठे के बीच फंसे कीले पर टिक गई। वह सोचने लगा कि अगर इस कीले को बाहर निकाल दिया जाए तो क्या होगा।

अब उस बंदर ने पूरी ताकत से कीले को हिलाना शुरू किया। काफी कोशिश के बाद कीला धीरे-धीरे खिसकने लगा। किले को हिलता देखकर उस बंदर को अपनी सफलता पर अहंकार होने लगा, उसने और जोर लगाया, लेकिन उसे पता ही नहीं चला कि उसकी पीठ के पीछे उसकी पूंछ लट्ठे के दो हिस्सों के बीच में आ गई है।

बंदर ने पूरी ताकत लगाकर एक जोरदार झटका दिया और कीला बाहर निकल गया, लट्ठे के दोनों हिस्से तेजी से आपस में बंद हो गए और उस बंदर की पूंछ बीच में ही फंस गई। अब वह दर्द से वह जोर-जोर से चीखने लगा।

उसी समय मजदूर वापस लौट आए। उन्हें देखकर बंदर डर गया और भागने की कोशिश करने लगा। उसने पूरी ताकत लगाई, जिससे उसकी पूंछ टूट गई। वह दर्द और पछतावे के साथ वहां से भाग निकला।

कहानी की सीख

जिज्ञासा अच्छी बात है, लेकिन विवेक के साथ काम करें – नई चीजें सीखने की इच्छा सकारात्मक बात है, लेकिन बिना ज्ञान और तैयारी के काम करना जोखिम भरा हो सकता है। पहले समझें, फिर आगे कदम उठाएं।

अनुभवी लोगों की सलाह को नजरअंदाज न करें – बंदरों के सरदार ने पहले ही चेतावनी दे दी थी, लेकिन शरारती बंदर नहीं माना और अंत में उसे पछताना पड़ा। हमें भी अपने माता-पिता, गुरु, वरिष्ठ और अनुभवी लोगों की सलाह पर ध्यान देना चाहिए, अच्छी सलाह हमें बड़ी समस्याओं से बचा सकती है।

बिना सोच-विचार कोई काम न करें – उत्साह में आकर बिना सोच-विचार किए लिया गया निर्णय नुकसान दे सकता है। महत्वपूर्ण काम हमेशा सोच-समझकर ही करना चाहिए।

अपनी सीमाओं को पहचानें - हर व्यक्ति हर काम का विशेषज्ञ नहीं होता। जिस विषय का ज्ञान न हो, उसमें अनावश्यक हस्तक्षेप करने से बचना ही बुद्धिमानी है। नया काम में बिना सावधानी आगे नहीं बढ़ना चाहिए।

छोटी सी गलती भी बड़ा नुकसान बन सकती है – बंदर ने केवल एक कीला निकालने की कोशिश की थी, लेकिन उसकी कीमत अपनी पूंछ गंवाकर चुकानी पड़ी। जीवन में कभी-कभी छोटी सी लापरवाही बड़ा नुकसान कर सकती है, इसलिए सतर्कता जरूरी है।

आत्मसंयम सफलता की कुंजी है – हर इच्छा को तुरंत पूरा करना जरूरी नहीं है। कई बार स्वयं को रोक लेना लाभदायक होता है। अपनी इच्छा को समझें और परिस्थिति के अनुसार उसे पूरा करने के बारे में सोच-विचार करें।

दूसरों के कार्य और संसाधनों से छेड़छाड़ न करें – जो चीज हमारी नहीं है या जिसका इस्तेमाल हमें नहीं मालूम है, उससे छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए। ऐसी छेड़छाड़ बड़ा नुकसान कर सकती है। सफल जीवन केवल मेहनत से नहीं, बल्कि सही समय पर सही निर्णय लेने, अपनी सीमाएं समझने और अनावश्यक कामों से बचने की कला से बनता है। जो व्यक्ति विवेक, धैर्य और आत्मसंयम अपनाता है, वही जीवन की बड़ी परेशानियों से बचकर आगे बढ़ता है।

मुख्य द्वार पर रखी ये 5 चीजें रोक देती हैं मां लक्ष्मी का रास्ता

वास्तु शास्त्र में घर के मुख्य द्वार को सबसे जरूरी हिस्सा माना गया है क्योंकि यहां से केवल घर के सदस्य प्रवेश नहीं करते बल्कि यह सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा के अंदर और बाहर जाने के लिए भी एक प्रवेश द्वार है।

जूते और चप्पल

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के मुख्य द्वार पर जूते-चप्पल भूलकर भी नहीं रखना चाहिए। जाने-अनजाने की गई आपकी यह छोटी सी गलती घर में गरीबी लाती है, जिसका असर परिवार के सभी सदस्यों पर पड़ता है। मुख्य द्वार पर रखे जूते-चप्पल से घर में नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करती है, जो सभी सदस्यों को परेशान भी करती है और घर में कोई ना कोई आर्थिक हानि बनी रहती है।

कचरा और कूड़ेदान

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के मुख्य द्वार पर कचरा या कूड़ेदान भी नहीं रखना चाहिए क्योंकि कचरा नकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। मुख्य द्वार पर कचरा या कूड़ेदान रहने से गंदगी और बदबू आती है, जो घर की शुभता के लिए बुरा संकेत माना जाता है। मुख्य द्वार पर ही अगर ऐसी चीजें होंगी तो सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश नहीं कर पाएगी, ऐसे में मानसिक तनाव, संघर्ष और वित्तीय कठिनाइयों सहित कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

टूटी हुई चीजें

घर के मुख्य द्वार पर कभी भी टूटी हुई चीजें, कबाड़, खराब पड़ा नेम प्लेट, टूटा हुआ डोरबेल या सजावटी सामान नहीं रखना चाहिए। वास्तु के अनुसार, मुख्य द्वार से ही माता लक्ष्मी का प्रवेश होता है और घर के सामने ऐसी चीजें रखी होंगे तो मां नाराज भी हो जाती हैं। साथ ही घर के मुख्य द्वार पर टूटी चीजें और कबाड़ रखने से राहु-केतु का प्रभाव भी बढ़ जाता है, जो किसी भी घर के सदस्य के लिए सही नहीं है।

कांटेदार पौधे

घर के मुख्य द्वार पर कांटेदार पौधे रखने से वास्तु दोष का खतरा बना रहता है। वास्तु के अनुसार, मुख्य द्वार पर कांटेदार पौधे रखने से घर के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम खत्म हो जाती है और लड़ाई-झगड़े और विवाद शुरू हो जाते हैं। साथ ही जीवन में आर्थिक परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है।

इस बात का ध्यान रखें

वास्तु के अनुसार, मुख्य द्वार पर कभी भी अंधेरा नहीं होना चाहिए। शाम को हर दिन मुख्य द्वार पर रोशनी जलाएं और दोनों तरफ दीपक भी रखें। माना जाता है कि धन की देवी लक्ष्मी उस घर में निवास नहीं करती हैं जहां मुख्य द्वार पर रोशनी नहीं होती है। अंधेरा नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है।

मुख्य द्वार पर लगाएं ये चीजें

घर के पूर्व मुखी द्वार पर तांबे के सूर्य, उत्तर मुखी द्वार पर गणेशजी की प्रतिमा (दोनों तरफ), उत्तर पूर्व मुख्य द्वार पर पीतल के तार, उत्तर-पश्चिम मुखी द्वार पर पंचधातु की तार, पश्चिम मुखी द्वार पर घोड़े की नाल, दक्षिणमुखी द्वार पर पंचमुखी हनुमानजी की तस्वीर, दक्षिण-पश्चिम मुख्य द्वार पर घोड़े की नाल या नाव की कील लगाएं। वहीं दक्षिण-पूर्व मुख्य द्वार पर ऊं या स्वास्तिक का चिन्ह बनाएं।

घर में सुख-समृद्धि बढ़ाने के लिए ये उपाय करें:

घर के मुख्य द्वार पर आम के पत्तों का तोरण लगाना शुभ माना जाता है।

मुख्य द्वार के दोनों ओर स्वास्तिक का चिन्ह बनाएं।

हर शाम मुख्य द्वार पर दीपक जलाएं।

साफ-सफाई बनाए रखने का विशेष ध्यान रखें।

सोना और लोहा एक साथ रखने से क्यों मना करते हैं ज्योतिषी ?

सोने का संबंध किस ग्रह से माना जाता है?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सोना सूर्य और गुरु ग्रह से जुड़ी धातु माना जाता है। सूर्य आत्मविश्वास, प्रतिष्ठा और ऊर्जा का प्रतीक हैं, जबकि गुरु ज्ञान, धन, सम्मान और सुख-समृद्धि के कारक माने जाते हैं। इसलिए सोना पहनना और घर में रखना शुभ माना जाता है। ऐसा विश्वास है कि सोना सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने का काम करता है।

लोहे का संबंध शनि ग्रह से क्यों माना जाता है?

लोहा शनि ग्रह की धातु माना जाता है। शनि न्याय, कर्म, अनुशासन और संघर्ष के कारक ग्रह हैं। शनि का प्रभाव व्यक्ति को मेहनत, धैर्य और जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाता है। ज्योतिष में लोहे का उपयोग कई उपायों में भी किया जाता है, खासकर शनि दोष को शांत करने के लिए।

सोना और लोहा एक साथ रखने से क्यों बचने की सलाह दी जाती है?

ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार सूर्य और शनि के बीच स्वभावगत विरोध माना जाता है। चूंकि सोना सूर्य का और लोहा शनि का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए इन दोनों धातुओं को एक साथ रखने से इनकी ऊर्जा में टकराव पैदा होने की बात कही जाती है। मान्यता है कि इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा कम हो सकती है, आर्थिक मामलों में रुकावटें आ सकती हैं और व्यक्ति को बिना वजह के तनाव या बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है।

क्या सोने के गहने लोहे की अलमारी में रख सकते हैं?

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार यदि आप सोने और लोहे से जुड़ी वस्तुओं का उपयोग करते हैं, तो कुछ बातों का ध्यान रखना शुभ माना जाता है। सबसे पहले कोशिश करें कि सोने के गहनों और लोहे की वस्तुओं को सीधे एक-दूसरे के संपर्क में न रखें। यदि सोने के आभूषण लोहे की अलमारी या तिजोरी में रखने हों, तो उन्हें पहले किसी मखमली डिब्बे, लकड़ी के बॉक्स या साफ कपड़े के पाउच में सुरक्षित रख दें। माना जाता है कि इससे दोनों धातुओं का सीधा संपर्क नहीं होता।

क्या इसका कोई वैज्ञानिक आधार है?

हालांकि, अब तक ऐसा कोई वैज्ञानिक सबूत मौजूद नहीं है जो यह साबित करता हो कि सोना और लोहा एक साथ रखने से किसी प्रकार की नकारात्मक ऊर्जा पैदा होती है या आर्थिक नुकसान होता है। यह मान्यताएं पूरी तरह ज्योतिष और पारंपरिक धार्मिक विश्वासों पर आधारित हैं।

वर्क फ्रॉम होम में करियर ग्रोथ चाहिए तो घर की वर्क डेस्क में अपनाएं उपाय

किस दिशा में रखें वर्क डेस्क?

वास्तु के अनुसार, घर में अपनी वर्क डेस्क को हमेशा उत्तर या पूर्व दिशा में रखा चाहिए। उत्तर दिशा को कुबेर की दिशा माना जाता है, जो करियर में नए अवसरों और धन के आगमन को बढ़ाती है। वहीं पूर्व दिशा से मानसिक स्पष्टता और निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होती है।

दीवारों के रंग और लाइट्स का खास ध्यान रखें

वास्तु के अनुसार, अपनी वर्क डेस्क के आसपास की दीवारों पर हल्का पीला, क्रीम, लाइट ग्रीन या सफेद रंग रखें। हरा रंग रचनात्मकता बढ़ाता है और पीला रंग बुद्धि को तेज करता है। गहरे और भड़कीले रंगों से बचें, क्योंकि ये तनाव बढ़ाते हैं। ध्यान रखें कि आपकी डेस्क पर पर्याप्त रोशनी हो। अंधेरे या कम रोशनी वाले कोने में बैठकर काम करने से नकारात्मकता और आलस बढ़ता है।

साफ-सफाई का ध्यान रखें वास्तु के अनुसार, वर्क डेस्क की साफ-सफाई का भी खास ध्यान रखना चाहिए। माना जाता है कि अगर डेस्क पर गंदगी होगी तो इसका सीधा प्रभाव काम में और तरक्की पर पड़ सकता है। इसलिए काम शुरू करने से पहले डेस्क की सफाई जरूर कर लेनी चाहिए।

सिंक के नीचे भूलकर भी न रखें ये चीजें वरना बढ़ सकती हैं परेशानियां

कूड़ेदान

सबसे पहली वस्तु की बात करें तो ऐसा अक्सर कई घरों में देखने को मिलता है कि किचन सींक के नीचे लोग कूड़ेदान को रखते हैं। लेकिन अगर इसे वास्तु के अनुसार देखे तो ऐसा करना बिल्कुल भी अच्छा नहीं माना जाता। सिंक के नीचे कूडेद्रान रखना एक वास्तु दोष माना जाता है। माना जाता है कि जल के स्थान के पास गंदगी रखने से नकारात्मक ऊर्जा पैदा होती है साथ ही बीमारियों का भी खतरा पैदा होता है। इसके अलावा ऐसा करने से घर में धन हानि की भी समस्याएं पैदा होती है।

झाड़ू और पोंछा

दूसरी वस्तु की बात करें तो सिंक के नीचे भूलकर भी झाड़ू और पोंछा आदि नहीं रखना चाहिए। माना जाता है कि सिंक के नीचे झाड़ू रखने से घर में क्लेश होता है साथ ही मानसिक तनाव भी बढ़ता है। मान्यताओं में झाड़ू को मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में कहा जाता है कि इसे जल वाले स्थान के पास रखने से नकारात्मकता आ सकती है।

गंदे बर्तन छोड़कर

आगे तीसरी वस्तु की बात करें तो रात को कभी भी सिंक में गंदे बर्तन छोड़कर नहीं सोना चाहिए। इसे वास्तु दोष माना गया है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जिन स्थानों पर ऐसा किया जाता है वहां पर राहू का प्रभाव बढ़ता है। माना जाता है कि इससे घर में अशांति पैदा होती है। कहा जाता है कि अगर रात को किचन गंदा हो और सिंक में बर्तन पड़े रहते हो तो ऐसे में मां लक्ष्मी और मां अन्नपूर्णा नाराज़ हो सकती है। ऐसे में अपना एक नियम बांध लें कि रात को सोने से पहले सारी किचन को साफ करके सोए।

बिजली का सामान

अगली वस्तु यानी की चौथी वस्तु की बात करें तो सिंक के नीचे कभी भी बिजली का सामान नहीं रखना चाहिए। लोग जगह बचाने के लिए सिंक की नीचे की खाली जगह पर रसोई में इस्तेमाल होने वाले बिजली उपकरण रख देते हैं। बता दें कि वास्तु के अनुसार बिजली को अग्नि के साथ जोड़ा जाताा है कि जबकि सिंक को जल तत्व से जोड़ा जाता है। ऐसे में कहा जाता है कि इससे घर की शांति भंग हो जाती है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 11 जुलाई - 2026

भारत–ऑस्ट्रेलिया साझेदारी

विश्व तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के दौर से गुजर रहा है। पारंपरिक शक्ति-संतुलन कमजोर पड़ रहे हैं, तो नए आर्थिक और रणनीतिक गठबंधन वैश्विक व्यवस्था को नया स्वरूप दे रहे हैं। ऐसे समय में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच लगातार मजबूत होते संबंध केवल द्विपक्षीय सहयोग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, वैश्विक स्थिरता और साझा समृद्धि की नई आधारशिला भी बन रहे हैं। हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच हुए समझौते इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि भविष्य की चुनौतियों का सामना अब समान विचारधारा वाले देशों की साझेदारी से ही संभव है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में मुक्त व्यापार, निवेश और रणनीतिक सहयोग को अपनी विदेश नीति का महत्वपूर्ण आधार बनाया है। ऑस्ट्रेलिया के साथ बढ़ती साझेदारी इसी नीति का उदाहरण है। रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग, समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद के विरुद्ध साझा अभियान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, शिक्षा, साइबर सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा तथा क्रिटिकल मिनरल्स (महत्वपूर्ण खनिज) के क्षेत्र में सहयोग दोनों देशों के संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा है। यह साझेदारी केवल वर्तमान आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं करेगी, बल्कि भविष्य की वैश्विक चुनौतियों से निपटने की क्षमता भी विकसित करेगी। विशेष रूप से परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में बढ़ा सहयोग भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऑस्ट्रेलिया विश्व के प्रमुख यूरेनियम उत्पादक देशों में शामिल है, जबकि भारत की ऊर्जा आवश्यकताएं लगातार बढ़ रही हैं। शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए यूरेनियम आपूर्ति पर बनी सहमति भारत की स्वच्छ ऊर्जा क्षमता को मजबूती देगी। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के सुरक्षा मानकों के अनुरूप यह सहयोग वैश्विक विश्वास और पारदर्शिता को भी मजबूत करेगा। आज सेमीकंडक्टर, बैटरी, इलेक्ट्रिक वाहन, रक्षा उपकरण और उच्च तकनीक उद्योगों के लिए लिथियम, कोबाल्ट तथा अन्य दुर्लभ खनिज अनिवार्य बन चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया इन संसाधनों से समृद्ध है। भारत इनकी सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित कर लेता है, तो उसकी तकनीकी आत्मनिर्भरता मजबूत होगी। चीन पर निर्भरता कम करने में भी महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में दोनों देशों की साझेदारी का रणनीतिक महत्व भी लगातार बढ़ रहा है। यह क्षेत्र वैश्विक व्यापार और समुद्री परिवहन का प्रमुख केंद्र है, लेकिन यहां समुद्री तनाव भी चिंता का विषय बने हुए हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, नौवहन की स्वतंत्रता, समुद्री मार्गों की सुरक्षा तथा क्षेत्रीय स्थिरता के प्रबल समर्थक हैं। ऐसे में दोनों देशों का सहयोग पूरे क्षेत्र में शक्ति-संतुलन बनाए रखने और शांतिपूर्ण वातावरण को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। हालांकि, किसी भी रणनीतिक साझेदारी की सफलता केवल समझौतों से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन से तय होती है। व्यापार, निवेश, अनुसंधान, रक्षा उत्पादन, शिक्षा और तकनीकी नवाचार जैसे क्षेत्रों में ठोस परिणाम सामने आने चाहिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक समझौता भारत के राष्ट्रीय हितों, आर्थिक विकास और दीर्घकालिक रणनीतिक उद्देश्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे। यदि दोनों देश समानता, पारदर्शिता और साझा हितों के आधार पर इस सहयोग को निरंतर आगे बढ़ाते हैं, तो यह न केवल उनके द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा, बल्कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में शांति, स्थिरता और संतुलन स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भविष्य की चिंता में वर्तमान को बिगाड़ना उचित नहीं

रामस्वरूप रावतसरे

प्रायः मनुष्य इस बात को मानने के लिए तैयार नहीं होता कि उसे जो कुछ भी आज प्राप्त हो रहा है, वह उसके कर्मो का ही फल है। वह मानता है जो सुख वह भोग रहा हैं वह सब उसकी मेहनत का ही परिणाम है। और यदि दुःख आता है तो वह उसे दूसरों का दिया मानता है। इसे अपने द्वारा उत्पन्न स्वार्थ पूर्ण कर्मो का फल नहीं मानता। वह सोचता है, यह सब भगवान द्वारा दिया जा है लेकिन क्यों दिया जा रहा है! इस पर कोई विचार नहीं करता।

वह दुःख के निवार्ण के लिए साधू संतों के पास जाता है। मंदिरों में जाता है और उनके बताए अनुसार वह दान पुण्य के उपक्रम भी करता है। वे भी यह बात नहीं बताते कि आज जो दुःख है वह सदा नहीं रहेगा लेकिन जितने दिन दुःख है उसे तो भोगना ही पड़ेगा और यह सब उसके कर्मो का ही तो फल है। जब सारे सुख हमारे है, तो दुःख को भी अपनाना ही होगा। मनुष्य सुख की स्थिति में अपने विषय भोगों में लिप्त रहता है। उस समय उसे सतकर्म या भगवान की याद ही नहीं आती। और जब दुःख आता है तो उसके निवारण के लिए धैर्य धारण कर सतकर्मो की ओर नहीं बढता। वह अनावश्यक रूप से अपना समय दूसरे परपंचों में गवाता रहता है। खुद विचार नहीं करता कि इस दुःख के आने का क्या कारण हो सकता है! कहीं वह स्वयं तो इसका जिम्मेदार नहीं!

खैर भगवान कहते है कि प्रत्येक मनुष्य का जीवन उसके कर्म के धागों के अनुसार ही चलता है। जैसे कर्म होते है उसी प्रकार का परिणाम भी निर्धारित होता जाता है। इसमें किसी दूसरे का कोई योगदान नहीं होता। हां, इस संसार में मनुष्य की रीत ही यह है कि वह दुःख में, किसी प्रकार की कठिनाई में, अपनी गलतियां नहीं देख कर दूसरों को दोषी ठहराने की कोशिश करता है। जबकि होना यह चाहिए कि किसी दूसरे को दोषी ठहराने के बजाय वह अपने कार्य व्यवहार, बोलचाल में यह प्रयास करे कि, किसी अन्य को कोई दुःख तकलीफ या परेशानी तो नहीं हो रही है। उसे जो कुछ मिल रहा है उसे सहज भाव से स्वीकार करें। और धैर्य रखें।

मनुष्य की एक वृति ओर रहती है, वह हमेशा अधिक पाने की लालसा को पाले रखता है जबकि प्रकृति के अनुसार उसको कब कितना मिलना है सब कुछ पहले से निर्धारित कर रखा है। ऐसे में यदि वह भगवान पर विश्वास कर जो है, उसका सदुपयोग करता है तो, समय अनुसार उसकी सभी प्रकार की मन इच्छा पूर्ण होती जाती हैं। ऐसा हमारे शास्त्र और संतजन भी कहते आये है लेकिन मनुष्य ''जो प्राप्त है, वही पर्याप्त है'' में विश्वास नहीं कर उचित अनुचित तरीके से अधिक से अधिक इकट्ठा करने के उपक्रम में लगा रहता है। ऐसे में वह कुछ समय के लिए सफल भी होता है। प्रकृति भी उसका साथ देती है। लेकिन एक समय तक, उसके बाद वह देने के रास्ते बंद करती है क्योंकि वह समय से पहले और अनाधिकृत रूप से चाहता है। फिर, जब मनुष्य को पहले की तरह नहीं मिलता तो, वह उसे जारी रखने के प्रयास में गलत कदम भी उठाता है। यहीं से उसका दुःख का काल शुरू हो जाता है। श्रेष्ठ जन ने कहा है कि किसी भी प्रकार की सफलता के लिए एक सीमा निर्धारित है। उसके बाद चढना नहीं, गिरना ही होता है। यह गिरना, जो मिला है उससे अधिक पाने की लालसा में होता है। ऐसे कई लोगों को देखा है जो चढे तो खुब चढे लेकिन जब गिरना शुरू हुआ तो वे अपने आप को सम्भाल ही नहीं पाए।

पानी जब तक किनारों के मध्य रहता है। वह सुरक्षित अपनी मंजिल पर पहुचता है लेकिन जब वह किनारों को तोड़ कर स्वछंद तरीके से आगे बढने की सोचता है, उसका अस्तित्व ही समाप्त हो जाता है।

फाइलों के जंगल में कैद इंसाफ़

कुमार कृष्णन

बिहार में भ्रष्टाचार का सबसे भयावह चेहरा किसी बहुचर्चित घोटाले, करोड़ों रुपये की वित्तीय अनियमितता या किसी हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारी में नहीं दिखाई देता। उसका सबसे निर्मम चेहरा उस किसान की आंखों में दिखाई देता है जो अपने पिता की छोड़ी हुई जमीन पर अपना नाम दर्ज कराने के लिए महीनों अंचल कार्यालय के चक्कर काटता रहता है। वह उस विधवा के धैर्य में दिखाई देता है, जो सरकारी पट्टे की फाइल लिए दफ्तर-दफ्तर भटकती है। वह उस प्रवासी मजदूर की बेबसी में दिखाई देता है, जिसने जीवनभर की कमाई से दो कट्ठा जमीन खरीदी, लेकिन वर्षों बाद भी वह कागजों पर उसका मालिक नहीं बन सका।

बिहार में भ्रष्टाचार कोई अमूर्त अवधारणा नहीं है। यह आम आदमी के जीवन की रोजमर्रा की सच्चाई है। यही कारण है कि राज्य में जब भी भ्रष्टाचार की चर्चा होती है तो सबसे पहले लोगों की जुबान पर अंचल कार्यालय, ब्लॉक कार्यालय, थाना, दाखिल-खारिज, जमाबंदी, परिमार्जन और भूमि विवाद जैसे शब्द आते हैं। यह संयोग नहीं है। यह उस व्यवस्था का परिणाम है जिसमें नागरिक और सरकार का पहला संपर्क अक्सर ऐसे कार्यालयों से होता है, जहां व्यवस्था की विश्वसनीयता सबसे अधिक सवालों के घेरे में रहती है। विडंबना यह है कि बिहार विकास, निवेश और सुशासन की नई कहानी लिखने का दावा कर रहा है। सड़कों का जाल बिछ रहा है, औद्योगिक निवेश की बातें हो रही हैं, डिजिटल सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है लेकिन इसी विकास यात्रा के समानांतर एक दूसरा बिहार भी मौजूद है—जहां आज भी फाइलों की गति नियमों से नहीं, बल्कि रिश्तों, सिफारिशों और कथित सुविधा शुल्क से तय होती है।

सबसे अधिक शिकायतें भूमि और राजस्व प्रशासन को लेकर हैं। इसके पीछे कारण भी स्पष्ट है। बिहार की सामाजिक और आर्थिक संरचना में भूमि केवल संपत्ति नहीं है। वह सम्मान है, सुरक्षा है, विरासत है और भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी भी। ऐसे में यदि भूमि का रिकॉर्ड ही संदिग्ध हो जाए या वैध मालिक को अपना अधिकार सिद्ध करने के लिए रिश्वत देनी पड़े, तो यह केवल प्रशासनिक समस्या नहीं रहती; यह सामाजिक न्याय का प्रश्न बन जाती है।

दाखिल-खारिज की प्रक्रिया इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। कानून कहता है कि जमीन की खरीद-बिक्री के बाद निर्धारित समय-सीमा के भीतर नए मालिक का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज होना चाहिए। डिजिटल पोर्टल भी बनाए गए हैं, समय-सीमा भी तय की गई है और पारदर्शिता की बात भी की जाती है। लेकिन व्यवहार में हजारों लोग बताते हैं कि फाइलें महीनों तक लंबित रहती हैं। कभी कोई नया दस्तावेज मांग लिया जाता है, कभी तकनीकी आपत्ति लगा दी जाती है, कभी अभिलेख अधूरे बता दिए जाते हैं और कभी बिना पर्याप्त कारण आवेदन अस्वीकृत कर दिया जाता है। यहीं से शुरू होता है उस समानांतर तंत्र का प्रभाव, जिसकी चर्चा सरकारी रिपोर्टों में कम और चाय की दुकानों पर अधिक होती है। अंचल कार्यालयों के बाहर सक्रिय बिचौलिये किसी छिपे हुए नेटवर्क का हिस्सा नहीं हैं। वे खुलेआम लोगों से संपर्क करते हैं। कई नागरिकों का अनुभव है कि कार्यालय पहुंचने से पहले ही कोई न कोई व्यक्ति यह बताने लगता है कि किस कर्मचारी से बात करनी है, किस अधिकारी तक पहुंच बनानी है और किस काम के लिए कितना खर्च आएगा। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस व्यवस्था ने भ्रष्टाचार को सामान्य बना दिया है। आम नागरिक अब यह मानने लगा है कि बिना पैसे दिए काम नहीं होगा। यह सोच किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सबसे बड़ा खतरा है। जब जनता कानून से अधिक दलालों पर भरोसा करने लगे, तब समझ लेना चाहिए कि प्रशासन और नागरिक के बीच विश्वास की डोर कमजोर पड़ चुकी है।

मुंगेर सहित बिहार के अनेक जिलों में समय-समय पर ऐसी शिकायतें सामने आती रही हैं कि कर्मचारी सीधे नागरिक से कम और बिचौलियों के माध्यम से अधिक संवाद करते हैं। जो लोग रिश्वत देने से इनकार करते हैं, उन्हें बार-बार कार्यालय बुलाया जाता है, नए-नए कागजात मांगे जाते हैं या उनके आवेदन लंबित रखे जाते हैं। यह अनुभव केवल एक जिले तक सीमित नहीं है। लगभग हर जिले में ऐसी कहानियां मिल जाएंगी, जिनमें नियमों से अधिक प्रभाव अनौपचारिक नेटवर्क का दिखाई देता है।

भ्रष्टाचार की यह संस्कृति केवल भूमि विभाग तक सीमित नहीं है। सड़क निर्माण में घटिया सामग्री के आरोप, आवास योजनाओं में लाभार्थियों के चयन को लेकर शिकायतें, सार्वजनिक वितरण प्रणाली में अनियमितताएं, सरकारी अस्पतालों में दवाओं की खरीद और आपूर्ति पर उठते सवाल तथा शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर समय-समय पर होने वाले विवाद बताते हैं कि प्रशासनिक जवाबदेही अभी भी बिहार की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है।

योजनाएं बनती हैं, बजट स्वीकृत होता है, घोषणाएं होती हैं, लेकिन जब निगरानी कमजोर होती है तो विकास का धन रास्ते में ही रिसने लगता है। परिणाम यह होता है कि सड़कें समय से पहले टूट जाती हैं, लाभार्थियों तक योजनाओं का पूरा लाभ नहीं पहुंचता और सरकारी संस्थाओं के प्रति लोगों का विश्वास लगातार कम होता जाता है।

यह केवल आर्थिक नुकसान नहीं है। इसका सबसे बड़ा असर लोकतंत्र की नैतिकता पर पड़ता है। जब गरीब नागरिक यह महसूस करने लगे कि उसके अधिकार की कीमत तय है, जब किसान यह मानने लगे कि बिना रिश्वत उसका नाम जमाबंदी में नहीं चढ़ेगा, जब भूमिहीन परिवार सरकारी पट्टा पाने के लिए दलाल खोजने लगे, तब संविधान में लिखे समानता और न्याय के आदर्श कागजों तक सिमटने लगते हैं।

यही कारण है कि बिहार में भ्रष्टाचार की चर्चा केवल कानून-व्यवस्था या प्रशासनिक दक्षता का विषय नहीं है। यह सामाजिक न्याय, आर्थिक विकास और लोकतांत्रिक विश्वास—तीनों का प्रश्न है। किसी भी राज्य की प्रगति केवल पुलों, सड़कों और निवेश से नहीं मापी जाती। उसकी वास्तविक कसौटी यह होती है कि क्या एक साधारण नागरिक बिना अपमानित हुए, बिना रिश्वत दिए और बिना किसी राजनीतिक या आर्थिक पहुंच के अपना वैध अधिकार प्राप्त कर सकता है।

बिहार की सबसे बड़ी चुनौती भी यही है। सरकार ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध ₹जीरो टॉलरेंस₹ की नीति अपनाने की घोषणा की है और हाल के दिनों में कई अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई भी हुई है। लेकिन क्या यह कार्रवाई उस गहरे तंत्र को बदल पाएगी, जिसने वर्षों से भ्रष्टाचार को व्यवस्था का हिस्सा बना दिया है? यही वह प्रश्न है जिसका उत्तर बिहार की जनता जानना चाहती है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ किसी भी सरकार की गंभीरता का आकलन उसके भाषणों से नहीं, बल्कि उसके निर्णयों से होता है। बिहार सरकार ने पिछले कुछ महीनों में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में जिस तरह की विभागीय कार्रवाई शुरू की है, उसने यह संकेत अवश्य दिया है कि व्यवस्था के भीतर व्याप्त भ्रष्टाचार को अब पूरी तरह अनदेखा नहीं किया जाएगा लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल कार्रवाई से व्यवस्था बदल जाती है, या फिर यह भी कुछ समय बाद पुराने ढर्रे का हिस्सा बनकर रह जाएगी?हाल के दिनों में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और प्रशासनिक लापरवाही के मामलों में 60 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय एवं दंडात्मक कार्रवाई की है। यह संख्या छोटी नहीं है।

बच्चों को खुले मैदान लौटाओ

आरके जैन

जब किसी शहर से बच्चों की खिलखिलाहट गुम होने लगे, समझ लेना चाहिए कि वहां विकास ने दिशा खो दी है। किसी समाज की असली समृद्धि उसकी ऊँची इमारतों में नहीं, बल्कि बच्चों के हिस्से आए खुले आसमान, हरियाली और सुरक्षित खेल-स्थलों में दिखाई देती है। दुर्भाग्य से शहर जितनी तेजी से फैल रहे हैं, सार्वजनिक पार्क और खेल के मैदान उतनी ही तेजी से सिमट रहे हैं। जहां कभी नंगे पांव दौड़ता बचपन सपने संजोता था, वहां आज सूखी जमीन, टूटे झूले, जंग लगी फिसलपट्टियां और कंक्रीट का फैलता साम्राज्य खड़ा है। यह केवल सौंदर्य का ह्रास नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों पर मौन प्रहार है। यदि बचपन से खेल, प्रकृति और खुलापन छीन लिया गया, तो उसकी कीमत केवल बच्चे नहीं, पूरा समाज चुकाएगा।

कंक्रीट की हर नई दीवार हरियाली की कीमत पर खड़ी होती है। बीते दो दशकों में अनियोजित शहरीकरण, प्रशासनिक उदासीनता, भ्रष्टाचार और नागरिक चुप्पी ने सार्वजनिक पार्कों को उपेक्षित कर दिया। कई महानगरों में प्रति बच्चे उपलब्ध खेल क्षेत्र आधे से भी कम रह गया है। नतीजा—बचपन स्क्रीन में कैद है। शारीरिक गतिविधियां घटने से मोटापा, मानसिक तनाव, अकेलापन और व्यवहारगत समस्याएं बढ़ रही हैं। प्रकृति से कटता बचपन तकनीक में दक्ष, पर शरीर से दुर्बल और मन से असंतुलित होता जा रहा है। यह समाज के भविष्य की गंभीर चेतावनी है। बचपन की पहली पाठशाला किसी इमारत में नहीं, खुले आकाश के नीचे बसती है। पार्क केवल खेल का मैदान नहीं, व्यक्तित्व निर्माण की प्रयोगशाला हैं। यहीं बच्चे मित्रता, सहयोग, अनुशासन, हार-जीत का संतुलन और प्रकृति से रिश्ता सीखते हैं। मिट्टी की सोंधी गंध, पेड़ों की छांव, पक्षियों का कलरव और साथियों का साथ वे संस्कार देते हैं, जो कोई स्क्रीन या बंद कमरा नहीं दे सकता। पार्क खत्म होते हैं, तो बचपन का यह अध्याय अधूरा रह जाता है। सबसे अधिक मार सामान्य और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ती है, जिनके पास निजी क्लब या महंगे प्ले जोन का विकल्प नहीं होता। उनके बच्चे गलियों, छतों और व्यस्त सड़कों पर खेलने को विवश हैं। खेल का अधिकार भी अब आर्थिक असमानता की भेंट चढ़ रहा है। सबसे भयावह स्थिति तब होती है, जब बच्चों के लिए बनी जगहें ही असुरक्षित हो जाएं। जो पार्क बचे हैं, उनकी हालत लगातार बिगड़ रही है। रखरखाव का बजट आता है, पर उसका बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचार या अधूरे कार्यों में सिमट जाता है। टूटे झूले, जंग लगी फिसलपट्टियां, गंदे पानी के गड्ढे, सूखी घास और कचरा अब सामान्य दृश्य हैं। अनेक स्थानों पर अतिक्रमण ने पार्कों की जमीन निगल ली है। कहीं राजनीतिक आयोजन, कहीं अस्थायी निर्माण, तो रात होते ही कई पार्क असामाजिक तत्वों और शराबियों के अड्डे बन जाते हैं। नतीजा यह है कि जहां बच्चों को सबसे सुरक्षित होना चाहिए, वहीं जाने से परिवार कतराने लगे हैं। किसी संवेदनशील समाज के लिए इससे बड़ी विडंबना क्या होगी?

हर उजड़ा पार्क योजनाओं नहीं, ईमानदार इच्छाशक्ति की मांग करता है। यह संकट असाध्य नहीं, यदि सरकारें इसे सौंदर्यीकरण नहीं, बल्कि बच्चों के अधिकार और सार्वजनिक स्वास्थ्य का प्रश्न मानें। प्रत्येक शहर में ₹पार्क पुनर्जागरण मिशन₹ के तहत पुराने पार्कों का वैज्ञानिक पुनर्विकास, सुरक्षित खेल उपकरण और नियमित रखरखाव की जवाबदेही तय हो। हर नए आवासीय प्रकल्प में 18 से 20 प्रतिशत क्षेत्र हरित पार्क और खेल क्षेत्र के लिए कानूनी रूप से आरक्षित हो। डिजिटल निगरानी, सामाजिक ऑडिट और वित्तीय पारदर्शिता से सुनिश्चित किया जाए कि पार्कों का बजट कागजों पर नहीं, धरातल पर दिखे। विकास की हर योजना में बच्चों का खेल क्षेत्र अंतिम नहीं, पहला अधिकार होना चाहिए।सरकारें अकेले बचपन नहीं बचा सकतीं; समाज को भी आगे आना होगा। किसी मोहल्ले का पार्क तभी जीवित रहता है, जब लोग उसे अपना मानें। स्थानीय निवासी, स्वयंसेवी संस्थाएं, वरिष्ठ नागरिक और युवा मिलकर पार्कों को गोद लें, स्वच्छता, वृक्षारोपण और निगरानी की जिम्मेदारी निभाएं। शिक्षा व्यवस्था भी सहभागी बने। विद्यालयों में प्रत्येक सप्ताह ₹पार्क डे₹ हो, जहां बच्चे खेल के साथ प्रकृति को समझें, पर्यावरण संरक्षण सीखें और खुली हवा में सामूहिक गतिविधियों का अनुभव करें। अभिभावकों को भी समझना होगा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास केवल कोचिंग, अंक और डिजिटल उपकरणों से नहीं, बल्कि खुले मैदान, मिट्टी की सोंधी खुशबू और प्रकृति के सान्निध्य से भी होता है।

कानून तभी सार्थक होते हैं, जब वे कागज से उतरकर जनजीवन की रक्षा करें। सार्वजनिक पार्कों को 'शून्य सहनशीलता क्षेत्र' घोषित किया जाए, जहां अतिक्रमण, व्यावसायिक उपयोग, राजनीतिक आयोजन और असामाजिक गतिविधियों की कोई जगह न हो। ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई, कठोर दंड और अधिकारियों की जवाबदेही तय हो। नगर निकायों का निरीक्षण औपचारिकता न रहे; प्रत्येक पार्क की स्थिति सार्वजनिक पोर्टल पर हो, ताकि नागरिक भी निगरानी कर सकें। प्रशासन की दृढ़ता और समाज की सजगता से ही पार्कों की गरिमा लौटेगी। अन्यथा विकास की चकाचौंध में बचपन का उजाला खोता रहेगा और हम आंकड़ों में प्रगति तलाशते रह जाएंगे।

जब बच्चों से खुला आकाश छिनने लगे, समझ लीजिए समाज का भविष्य सिमट रहा है। जिसने खुले मैदान, पेड़ों की छांव और प्रकृति की गोद में जीवन नहीं सीखा, उससे स्वस्थ, संवेदनशील समाज की अपेक्षा कैसे की जा सकती है? पार्क विलासिता नहीं, हर बच्चे का मौलिक अधिकार हैं। यदि आज हम उसके हिस्से का आकाश, हरियाली और खेल छीन रहे हैं, तो कल उससे रचनात्मकता, संवेदनशीलता और सामाजिक संतुलन की अपेक्षा का नैतिक अधिकार भी खो देंगे। इसलिए सार्वजनिक पार्कों की रक्षा केवल पर्यावरण नहीं, राष्ट्र निर्माण का संकल्प है। जहां पार्कों में बचपन की हंसी गूंजती है, वहीं सशक्त भविष्य जन्म लेता है।

वक़्फ़ बोर्ड में हिन्दुओं की एंट्री का 'ऐतिहासिक न्याय'

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा वक़्फ़ बोर्ड में दो हिंदू (गैर-मुस्लिम) सदस्यों की नियुक्ति के फैसले ने देश की सियासत और सामाजिक विमर्श में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। मध्य प्रदेश की तर्ज पर लिए गए इस फैसले को जहां एक पक्ष 'ऐतिहासिक न्याय', पारदर्शिता और बहुसंख्यक समाज के हितों की रक्षा के रूप में देख रहा है, वहीं दूसरा पक्ष इसे धार्मिक स्वायत्तता में दखल और मुस्लिम तुष्टिकरण के नाम पर ध्रुवीकरण की राजनीति करार दे रहा है। वैसे, नए वक़्फ़ बोर्ड में हिंदू ही नहीं, महिलाओं और पसमांदा समाज के मुसलमानों को भी प्रतिनिधित्व दिया गया है। यह मुद्दा केवल एक प्रशासनिक फेरबदल नहीं है, बल्कि इसके तार ज़मीनी विवादों, ऐतिहासिक दावों, वक़्फ़ कानून की असीमित शक्तियों और भारत के धर्मनिरपेक्ष ढांचे से जुड़े हुए हैं। योगी सरकार और हिंदू विचारकों का मानना है कि यह फैसला किसी धर्म विशेष के खिलाफ नहीं है, बल्कि एकतरफा फैसलों पर रोक लगाने और वक़्फ़ बोर्ड की कार्यप्रणाली में 'चेक एंड बैलेंस' (संतुलन) स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसके मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैं:

क़ानून का एक बुनियादी सिद्धांत है कि किसी भी विवाद में दोनों पक्षों को निष्पक्ष सुनवाई का मौका मिलना चाहिए। अब तक स्थिति यह थी कि यदि वक़्फ़ बोर्ड किसी हिंदू की ज़मीन या किसी प्राचीन मंदिर पर अपना दावा ठोकता था, तो उस विवाद का निपटारा करने वाली कमेटी में सभी सदस्य मुस्लिम होते थे। ऐसे में पीड़ित पक्ष (हिंदू) को हमेशा यह मलाल रहता था कि बोर्ड के भीतर उसका पक्ष रखने या समझने वाला कोई नहीं है। दो हिंदू सदस्यों की मौजूदगी से बोर्ड के भीतर एक बहु-सांस्कृतिक और निष्पक्ष दृष्टिकोण विकसित होगा। वक़्फ़ एक्ट, 1995 (विशेषकर 2013 के संशोधनों के बाद) के तहत बोर्ड को किसी भी संपत्ति को 'वक़्फ़ की संपत्ति' घोषित करने के बेहद व्यापक अधिकार मिले हुए हैं। यदि बोर्ड किसी ज़मीन को अपनी संपत्ति मान लेता है, तो पीड़ित व्यक्ति सीधे दीवानी अदालत नहीं जा सकता; उसे वक़्फ़ ट्रिब्यूनल में ही अपील करनी होती है। हिंदू पक्ष का तर्क है कि जब बोर्ड के पास इतनी असीमित शक्तियां हैं, तो उसका स्वरूप पूरी तरह एकतरफा नहीं होना चाहिए, खासकर तब, जब विवाद गैर-मुस्लिमों की संपत्तियों से जुड़ा हो।

इस पर योगी सरकार और समर्थकों का आरोप है कि दशकों से राजनीतिक दलों ने वक़्फ़ बोर्ड को एक स्वायत्त साम्राज्य की तरह काम करने की छूट दे रखी थी, ताकि मुस्लिम वोट बैंक को साधा जा सके। इस व्यवस्था में सुधार करना तुष्टिकरण को खत्म कर 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मंत्र को धरातल पर उतारना है। इस फैसले के खिलाफ मुस्लिम समुदाय के धार्मिक नेताओं, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। विरोध कर रहे मौलानाओं का तर्क है कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 26 सभी धार्मिक संप्रदायों को अपने धार्मिक मामलों के प्रबंधन की स्वतंत्रता देता है। वक़्फ़ मूल रूप से इस्लाम के 'अल्लाह की राह में दान' के सिद्धांत पर आधारित व्यवस्था है। उनका कहना है कि जिस तरह तिरुपति देवस्थानम, वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड या अन्य हिंदू धार्मिक ट्रस्टों में किसी गैर-हिंदू को सदस्य नहीं बनाया जा सकता, उसी तरह वक़्फ़ बोर्ड में हिंदुओं की नियुक्ति करना इस्लामी कानूनों और परंपराओं के खिलाफ है।

विपक्षी दलों (जैसे सपा, कांग्रेस और ओवैसी की एआईएमआईएम) का आरोप है कि सरकार वक़्फ़ बोर्ड की संपत्तियों पर कब्ज़ा करने या उसकी शक्तियों को कमज़ोर करने के लिए यह कदम उठा रही है। मुस्लिम बुद्धिजीवियों का एक वर्ग इसे समुदाय के भीतर असुरक्षा की भावना पैदा करने और बहुसंख्यक तुष्टिकरण की राजनीति का हिस्सा मानता है। उनका कहना है कि यदि बोर्ड में कोई विसंगति थी, तो उसे कानूनी सुधारों या मुस्लिम समाज के ही ईमानदार विशेषज्ञों को शामिल करके सुधारा जा सकता था। इस प्रशासनिक बदलाव की आवश्यकता क्यों महसूस की गई, इसे समझने के लिए उन विवादों पर नज़र डालना ज़रूरी है, जहां वक़्फ़ बोर्ड के दावों के कारण गैर-मुस्लिमों को ऐसा लगा कि उन्हें न्याय नहीं मिल पा रहा है। कुछ समय पहले तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले के थिरुचेंथुरई गांव में एक बड़ा विवाद सामने आया था। वहां एक हिंदू व्यक्ति जब अपनी कृषि भूमि बेचने गया, तो उसे पता चला कि पूरे गांव की ज़मीन (जिसमें 1500 साल पुराना सुंदरेश्वरर मंदिर भी शामिल है) वक़्फ़ बोर्ड की है। ग्रामीणों का तर्क था कि उनके पास सदियों पुराने दस्तावेज़ हैं, लेकिन वक़्फ़ के एकतरफा दावे के कारण वे अपनी ही ज़मीन बेचने या ट्रांसफर करने में लाचार हो गए। ऐसे मामलों ने उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में एक डर और असंतोष का माहौल पैदा किया। इसी तरह उत्तर प्रदेश के कई ज़िलों में ऐसी शिकायतें आम रही हैं, जहां प्राचीन टीलों, सार्वजनिक पार्कों या ग्राम समाज की जमीनों पर रातों-रात मज़ारें खड़ी हो गईं और बाद में उन्हें वक़्फ़ संपत्ति के रूप में दर्ज करा लिया गया। जब स्थानीय हिंदू आबादी या पंचायत ने इस पर आपत्ति जताई, तो बोर्ड के स्तर पर उनकी सुनवाई नहीं हुई। प्रशासनिक अधिकारियों को भी वक़्फ़ एक्ट की पेचीदगियों के कारण कार्रवाई करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

रिश्ता टूटने से जिंदगी रुकती नहीं

उषा जैन 'शीरीं'

रिश्ते का टूटना दुखदायी होता है। संभलते हुए वक्त लगता है। जिन्दगी रूकती नहीं है। समय के साथ घाव भी भरने लगते हैं और आप एक नया अध्याय खोलने को तत्पर हो जाते हैं. फिर से डेटिंग का सिलसिला शुरू होने लगता है हालांकि इसके लिए मानसिक रूप से तैयार होना आसान नहीं। ढेर सी मानसिक शक्ति और साहस जुटाकर ही आप आगे बढ़ पाते हैं।

पिछला चैप्टर क्लोज कर आगे का पृष्ठ खोलने से पहले आप लोगों को कैसे जतायेंगे कि आप नई शुरूआत के लिए तैयार हैं। यह इतना आसान नहीं। हो सकता है इस बीच किसी ने आप में दिलचस्पी दिखाने की कोशिश भी की हो लेकिन आपका रूखा व्यवहार और अपने ही दुखों में लीन रहने की आदत देखते हुए वो पीछे हट गया हो।

खोल से बाहर निकलें:- अब तक जो आपने अपने को एक खोल के भीतर कैद कर रखा था, इससे बाहर निकलें। किसी एक व्यक्ति के साथ ही जीवन समाप्त नहीं हो जाता। जिन्दगी रूकती नहीं। वो तो अनवरत चलती ही रहती है। यहां पर रूकना मौत के समान होगा, इसलिए जीवन में रस लें, दिलचस्पी लें। दोस्तों के जरिए नये दोस्त बनाएं। सोशल बनें। पार्टीज, फंक्शंस वगैरह में जाने से न कतराएं। नया रिश्ता जोड़ने में झिझक न करें। यह न सोचें कि घरवाले, दोस्त, सहेली, रिश्तेदार क्या सोचेंगे। अब रिश्ते का टूटना पहले की तरह शर्मनाक नहीं माना जाता।

चेतावनी के साइन:- नये रिश्ते की शुरूआत सुखद हो सकती है लेकिन यहां सावधानी बरतनी भी जरूरी है। बगैर सोचे समझे परखे किसी के साथ भी डेटिंग पर चल देना आपके लिए मुसीबत का कारण बन सकता है।

पहली बात तो यह है कि अपना सेल्फ एस्टीम कम न होने दें। किसी भी तरह के अपराध बोध से स्वयं को मुक्त रखें। अगर आपको अपने पिछले रिश्ते को लेकर किसी भूल का अहसास है भी तो भविष्य में उसे न दोहराने का संकल्प लें लेकिन पछतावे में अपनी ऊर्जा का क्षय न होने दें। मन में सोचें कि अगर दूसरे की भावनाओं में परिवर्तन आ गया है, प्रेमी ने बेवफाई दिखाई है तो उसमें आपका क्या कसूर। यह तो ठीक है कि आपको दुबारा जुड़ाव के लिए अपने को तैय्यार करना चाहिए लेकिन इसमें जल्दी न करें। इस बात की जांच कर लें पहले कि दूसरी बार दूसरे व्यक्ति के लिए आपकी फीलिंग्स कितनी सच्ची और गहरी हैं।

अगर आप सिंगल पेरेंट हैं:- टूटे वैवाहिक संबंधों पर भी टूटे प्रेम संबंधों जैसा ही असर पड़ता है। पति पत्नी का मिलकर बनाया आशियाना बिखरने पर भी दिल टूटने की स्थिति आ जाती है। अगर बच्चे भी हैं तो प्रॉब्लम और भी ज्यादा बढ़ जाती है। बच्चों को अपनी भावनाओं से निपटने में मदद भी आप ही को करनी है। ऐसे में नई शुरूआत के लिये केवल डेटिंग का ही सहारा न लें बल्कि दोस्ती का दायरा विस्तृत करने का प्रयत्न करें। इन रिश्तों से आपका जीवन समृद्ध होगा। रिश्तों से और रिश्ते जुड़कर चेन बनती जाएगी। आपको चॉइस करने में आसानी होगी।

धीरे-धीरे आगे बढ़ने की पॉलिसी अपनाएं। शुरू के दो चार माह में सब कुछ नया उत्साहवर्द्धक लगता है। इसके बाद छह सात महीने बीत जाने पर रिश्ते की ताजगी खत्म होने लगती है। तब ही असली जांच परख होती है। कौन कैसा है, कितना केयरिंग और सिंसियर है, यह अब पता लगता है। आपके जीवन के उद्देश्य, मान्यताएं व जीवन मूल्य दूसरे के साथ कितने मैच करते हैं, यह जानिए, तत्पश्चात रिश्ते को गंभीरता से लेकर उनके साथ सैटल होने का सोचें।

यहां बच्चों को भी इन्वॉल्व करना जरूरी है। उनकी उम्र के अनुसार उनसे इस विषय में बात करें, उनकी राय लें। जहां समझाने की गुंजाइश है, समझाएं।

नया ट्रेंड:- आज का ट्रेंड है इंटरनेट डेटिंग। यह सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। अब इसे लोग नकारात्मकता से नहीं देखते हैं। हजारों सफल महिलाएं और पुरूष इसे दोस्ती का माध्यम बनाते हैं। इसी तरह डेटिंग एजेंसीज की मदद से कार्य होता है लेकिन इसमें समय लगता है और कोई गारंटी नहीं कि सामने वाला कितना जेन्युइन है। गलत व्यक्ति के जाल मे फंस जाने से दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति और नहीं। इससे अच्छा है ज्यादा हाई फाई मैच तलाश न कर सामान्य पुरूष जो सज्जन हों, उनके साथ ही संबंध जोड़ा जाए।

युवराज-पोंटिंग को प्रभसिमरन ने दिया भारतीय टीम में जगह बनाने का श्रेय, जमकर की प्रशंसा

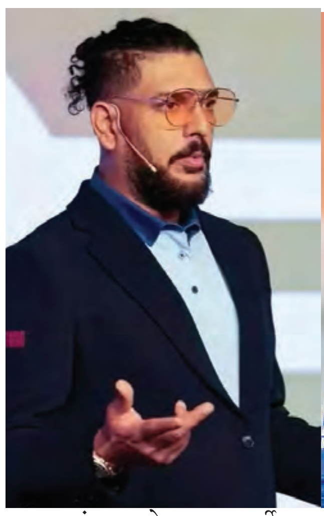

पंजाब के 25 वर्षीय आक्रामक सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह जिम में वर्कआउट कर रहे थे, जब उन्हें जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुने जाने की खबर मिली। राष्ट्रीय टीम से बुलावा आने की खुशी उनके लिए शब्दों से परे थी। प्रभसिमरन ने बताया कि खबर मिलते ही उन्होंने अपना जिम सेशन बीच में ही छोड़ दिया और इस खुशी को अपने परिवार के साथ बांटने के लिए तुरंत घर की ओर दौड़ पड़े।

पंजाब किंग्स के लिए किया है दमदार प्रदर्शन

पंजाब किंग्स के लिए पिछले दो आईपीएल सीजन में 500 से अधिक रन बनाने और हाल ही में श्रीलंका में इंडिया ए के लिए शानदार प्रदर्शन करने के बाद प्रभसिमरन को उम्मीद थी कि उन्हें यह खुशखबरी जरूर मिलेगी। प्रभसिमरन 2023 के एशियाई खेलों में भी भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन तब उन्हें प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला था। इस बार संजू सैमसन की जगह ईशान किशन के बाद दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में चुने गए प्रभसिमरन जानते हैं कि प्रतिस्पर्धा बहुत कड़ी है। प्रभसिमरन ने हालांकि, इसका श्रेय पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को दिया है।

प्रभसिमरन ने कहा, जब आप जीवनभर जिस चीज के लिए मेहनत करते हैं और वो मिल जाए, तो बहुत अच्छा लगता है। एशियन गेम्स का अनुभव अच्छा था, लेकिन मुझे खेलने का मौका नहीं मिला। अब अगर मैं जिम्बाब्वे जा रहा हूं, तो मैं बिना खेले वापस नहीं आना चाहता। मेरा मकसद सिर्फ देश का प्रतिनिधित्व करना ही नहीं, बल्कि टीम में खुद को बनाए रखना भी है। अगर मौका मिला, तो मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा ताकि टीम से बाहर न होना पड़े।

युवराज सिंह और रिकी पोंटिंग की भूमिका

प्रभसिमरन, अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों के साथ आयु वर्ग क्रिकेट खेलते हुए बड़े हुए हैं। अभिषेक की तरह, प्रभसिमरन के मेंटर भी भारत के दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह हैं। युवराज के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, आईपीएल के बाद मेरी उनसे मुलाकात नहीं हुई थी, लेकिन टीम इंडिया में चयन के बाद मैंने उन्हें फोन किया। हमारी काफी लंबी बात हुई। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का अपना अनुभव साझा किया। वह हमेशा मुझसे कहते हैं कि गेंदबाज से एक कदम आगे रहो।

युवराज-पोंटिंग का जताया आभार

वहीं, पंजाब किंग्स के मुख्य कोच और ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पोंटिंग के प्रभाव पर प्रभसिमरन ने कहा, युवी पाजी और रिकी सर, दोनों अलग व्यक्तित्व हैं लेकिन दोनों की मानसिकता एक जैसी है। मेरी सफलता में रिकी सर का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने ही मुझे फोन करके रिटेंशन की बात बताई थी और कहा था कि वह मुझे एक बेहतर खिलाड़ी बनाएंगे और उन्होंने ऐसा किया भी। मैं युवी पाजी और रिकी सर दोनों का आभारी हूं।

अपनी ट्रेनिंग के बारे में बताते हुए प्रभसिमरन ने कहा, मुझे ट्रेनिंग के दौरान लंबी बल्लेबाजी करना पसंद है। अगर नेट्स पर सात-आठ गेंदबाज हों, तो मैं चाहता हूं कि हर कोई मुझे कम से कम 10 ओवर गेंदबाजी करे। अगर आपको क्रिकेट में अपनी जगह बनाए रखनी है, तो हर साल अपने खेल में कुछ न कुछ नया जोड़ना ही होगा।

लॉर्ड्स टेस्ट में जीत टी20 विश्वकप से बाहर होने का दर्द भुला देगी : हरमनप्रीत कौर

भारतीय महिला क्रिकेट टीम शुक्रवार से लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलने उतरेगी। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इसे महिला क्रिकेट के लिए एक 'बहुत बड़ा पल' बताया है। कप्तान का कहना है कि लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेलना उनके बचपन के सपने के सच होने जैसा है। गौरतलब है कि इंग्लैंड के खिलाफ होने वाला यह मैच लॉर्ड्स पर खेला जाने वाला पहला महिला टेस्ट मुकाबला भी होगा।

मैच से पहले आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में हरमनप्रीत कौर ने कहा कि यह हम सभी के लिए बेहद बड़ा मौका है। एक कप्तान और एक खिलाड़ी के रूप में, मैं इस पल का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। बचपन में हम हमेशा टेस्ट क्रिकेट खेलने का सपना देखा करते थे और लॉर्ड्स में खेलना हमारे सपनों में से एक था। मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि हमें यह मौका मिला है। टीम की अन्य लड़कियां भी इसे लेकर काफी उत्साहित हैं और एक टीम के तौर पर हम सब इस पल का इंतजार कर रहे हैं।

इस मुकाबले के ऐतिहासिक महत्व पर बात करते हुए हरमनप्रीत ने भारतीय ड्रेसिंग रूम में हुई चर्चाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा ₹हां, हम आपस में चर्चा कर रहे थे कि इतने वर्षों के लंबे इंतजार के बाद यह मैच होने जा रहा है। हमें यह महसूस करने में कई साल लग गए कि महिलाएं भी लॉर्ड्स टेस्ट का हिस्सा बन सकती हैं। यह एक शानदार अवसर है। भले ही इसमें थोड़ी देर हो गई हो, लेकिन बहुत ज्यादा देर नहीं हुई है। फिर भी, मैं आज खेल रही हूं और इस ऐतिहासिक दिन का हिस्सा बनने का अवसर पा रही हूं। मैं सच में इसका बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।₹

टी20 विश्व कप के बाद लाल गेंद के प्रारूप में ढलना चुनौतीपूर्ण था?

भारतीय महिला क्रिकेटर बहुत कम टेस्ट मैच खेलती हैं। महिला टी20 विश्व कप 2026 के बाद टेस्ट प्रारूप के लिए खुद को मानसिक और तकनीकी रूप से तेजी से ढालना एक बड़ी चुनौती होती है। हालांकि, हरमनप्रीत का मानना है कि ग्रुप स्टेज से बाहर होने के बाद उनके कड़े नेट सेशंस ने उन्हें सही मानसिक स्थिति में ला दिया है। उन्होंने कहा ₹सच कहूं तो यह थोड़ा चुनौतीपूर्ण है क्योंकि हमें रेड-बॉल क्रिकेट खेलने की वैसी आदत नहीं है, लेकिन हम सभी इस मैच को लेकर बेहद रोमांचित हैं। हमने चार-पांच ट्रेनिंग सेशंस किए हैं, जिनमें हम सभी ने नेट्स में काफी अच्छा प्रदर्शन किया। यह कुछ ऐसा है जिसके हम रोजाना आदी नहीं हैं, लेकिन उत्साह बहुत ज्यादा है। जब आप किसी चीज को लेकर उत्साहित होते हैं, तो हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देते हैं। हम शुक्रवार के मैच के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

प्रतिका रावल का बाहर होना बड़ा झटका है और क्या स्पिनर संभालेंगे कमान?

कप्तान ने इस बात को स्वीकार किया कि दाएं घुटने की चोट के कारण प्रतिका रावल का टीम से बाहर होना एक बड़ा झटका था, लेकिन उन्हें अपनी बेंच स्ट्रेंथ और भारत की पारंपरिक स्पिन ताकत पर पूरा भरोसा है कि वे लॉर्ड्स में यादगार प्रदर्शन करेंगी। कौर ने कहा कि जब हमें उनकी चोट के बारे में पता चला तो वह बेहद दुखद पल था। हमने उन्हें सहज महसूस कराने और मैच के लिए तैयार करने की हरसंभव कोशिश की, लेकिन दुर्भाग्य से वह पूरी तरह फिट नहीं हो सकीं। हालांकि, हमारे पास अन्य खिलाड़ी मौजूद हैं जो नेट्स में बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं, उम्मीद है कि वे उस कमी को पूरा कर देंगी। एक टीम के तौर पर, हम अपनी मुख्य ताकत के साथ आगे बढ़ने में विश्वास रखते हैं और स्पिन गेंदबाजी हमारी सबसे बड़ी ताकत रही है। फिर भी, हम देखना चाहते हैं कि अंतिम पिच कैसी बनकर तैयार होती है। वहां के हालात देखकर ही हम आगे का फैसला लेंगे।

महिला टेस्ट मैचों की संख्या और भविष्य के रोडमैप पर हरमनप्रीत का क्या रुख है?

जब भारतीय कप्तान से महिला टेस्ट क्रिकेट की कुल संख्या और आगे के रोडमैप के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने क्रिकेट बोर्ड्स और प्रशंसकों पर भरोसा जताया, साथ ही एक खिलाड़ी के तौर पर अपनी व्यक्तिगत इच्छा भी सामने रखी। उन्होंने कहा कि एक क्रिकेटर के तौर पर हम निश्चित रूप से अधिक से अधिक टेस्ट मैचों का हिस्सा बनना चाहते हैं, लेकिन यह पूरी तरह से उच्च अधिकारियों का निर्णय है।

अब तक मैंने क्रिकेट में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं और इतने वर्षों में महिला क्रिकेट को आगे बढ़ते देखा है। हम सही हाथों में हैं और वही लोग इस पर सही फैसला ले सकते हैं। लेकिन अगर आप मुझसे पूछें, तो एक खिलाड़ी के रूप में मैं लगातार खेलना चाहती हूं और घर पर खाली नहीं बैठना चाहती। हम काफी व्यस्त शेड्यूल में हैं और बीच-बीच में मैच मिल रहे हैं। पिछले मार्च में हमने एक टेस्ट खेला था और अब शुक्रवार को एक और खेलने जा रहे हैं। चीजें सही दिशा में बढ़ रही हैं और उम्मीद है कि भविष्य में हमें और कई टेस्ट मैच देखने को मिलेंगे।

भारत के लिए सबसे ज्यादा टी20I मैच खेलने वाले पांचवें भारतीय बने अक्षर पटेल

भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने शुक्रवार को इंग्लैंड के खिलाफ ब्रिस्टल के काउंटी ग्राउंड पर खेले जा रहे चौथे टी20 मैच के दौरान अपने करियर की एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। यह बाएं हाथ का खिलाड़ी भारत के लिए 100 टी20 मैच खेलने वाला महज पांचवां क्रिकेटर बन गया है। इस खास क्लब में वे रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या, विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव जैसे दिग्गजों के साथ शामिल हो गए हैं।

बिना कप्तानी के खेले 100 मैच

दिलचस्प बात यह है कि अक्षर पहले भारतीय हैं जिन्होंने बिना कप्तानी के टी20 में भारत के लिए 100 मैच खेल लिए हैं। हालांकि, वे कई द्विपक्षीय सीरीज और इसी साल घरेलू मैदान पर खेले गए टी20 विश्व कप 2026 के दौरान टीम के उपकप्तान रह चुके हैं, लेकिन उन्हें कभी भी टीम की कमान संभालने का मौका नहीं मिला। अक्षर ने अपने 100 मैच पूरे किए, वहीं भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम देश के लिए इस प्रारूप में सबसे ज्यादा मैच खेलने का रिकॉर्ड दर्ज है। रोहित 159 मैचों के साथ इस लिस्ट में सबसे ऊपर हैं।

धोनी को पीछे छोड़ा

इस उपलब्धि को हासिल करते ही अक्षर पटेल ने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ दिया है। धोनी ने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में भारत की ओर से 99 मुकाबले खेले थे। अब तक भारत के लिए सिर्फ पांच खिलाड़ियों ने ही 100 से अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं और अब इसमें अक्षर का नाम शामिल हो गया है।

भारत के लिए सबसे ज्यादा टी20I मैच खेलने वाले खिलाड़ी

खिलाड़ी	मैच
रोहित शर्मा	159
हार्दिक पांड्या	138
विराट कोहली	125
सूर्यकुमार यादव	113
अक्षर पटेल	100*

अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर सस्ते में आउट हुए। भारत के लिए श्रेयस के अलावा शिवम दुबे ने 22 रन बनाए, जबकि अभिषेक ने 16, वैभव ने 15, तिलक वर्मा 11, वाशिंगटन सुंदर ने 5 और ईशान किशन ने 4 रन बनाए। अक्षर पटेल एक रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर और जोश टंग ने दो-दो विकेट लिए, जबकि विल जैक्स और आदिल राशिद को एक-एक सफलता मिली।

श्रेयस अय्यर ने रोहित शर्मा को किस मामले में छोड़ा पीछे? कोहली की बराबरी कर बनाया बड़ा रिकॉर्ड

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। इस टॉस जीत के साथ ही अय्यर टी20 अंतरराष्ट्रीय में एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित करने के बेहद करीब पहुंच गए हैं। श्रेयस टी20 में लगातार छह मैचों में टॉस जीतने का कमाल कर चुके हैं और अब उनके पास भारत के पूर्व दिग्गज कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के सर्वकालिक रिकॉर्ड की बराबरी करने का सुनहरा अवसर है।

लगातार टॉस जीतने की सूची में सबसे आगे हैं एमएस धोनी?

अगर बात टी20 अंतरराष्ट्रीय में लगातार सबसे ज्यादा टॉस जीतने वाले भारतीय कप्तानों की करें, तो शीर्ष पर महेंद्र सिंह धोनी का नाम दर्ज है। धोनी ने मई 2010 से लेकर फरवरी 2012 के दौरान लगातार सात मुकाबलों में टॉस अपने नाम किया था। वहीं, श्रेयस अय्यर जून 2026 से जुलाई 2026 के बीच लगातार छह टी20 मुकाबलों में टॉस जीत चुके हैं। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने पूर्व कप्तान विराट कोहली की बराबरी कर ली है, जिन्होंने अगस्त 2019 से दिसंबर 2019 के मध्य लगातार छह बार टॉस जीता था। अब यदि श्रेयस अपने अगले टी20 मैच में भी टॉस जीतने में कामयाब रहते हैं, तो वह लगातार सात टॉस के साथ धोनी के रिकॉर्ड के बराबर आ जाएंगे।

टी-20 में लगातार सबसे ज्यादा टॉस जीतने वाले भारतीय कप्तान

क्रम	भारतीय कप्तान	लगातार टॉस जीते	अवधि
1	महेंद्र सिंह धोनी	7	मई 2010 - फरवरी 2012
2	विराट कोहली	6	अगस्त19 - दिसंबर 2019
3	श्रेयस अय्यर*	6	जून 26 - जुलाई 2026
4	रोहित शर्मा	5	फरवरी20- फरवरी 2022
5	महेंद्र सिंह धोनी	5	सितंबर 2007

इस खास सूची में रोहित शर्मा भी मौजूद

लगातार टॉस जीतने वाले दिग्गजों की इस लिस्ट में भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का नाम भी दर्ज है। रोहित ने फरवरी 2020 से फरवरी 2022 के बीच लगातार पांच टी20I मुकाबलों में टॉस जीते थे। इसके अलावा, महेंद्र सिंह धोनी ने सितंबर 2007 में भी लगातार पांच बार टॉस जीतने का कारनामा अपने नाम किया था।

विश्व कप से पहले पाकिस्तान की नई तरकीबः 'मिनी वर्ल्ड कप' का होगा आयोजन, अपने ही खिलाड़ियों की परीक्षा लेगा पीसीबी

वनडे विश्व कप से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टीम की तैयारियों के लिए नया फॉर्मूला अपनाया है। अगस्त में चार टीमों का वनडे टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा, जिसे क्रिकेट गलियारों में 'मिनी वर्ल्ड कप' के तौर पर देखा जा रहा है। इस टूर्नामेंट के जरिए पाकिस्तान अपने ही खिलाड़ियों के बीच मुकाबला कराकर विश्व कप के लिए सबसे मजबूत टीम तैयार करने की कोशिश करेगा।

18 महीने पहले शुरू हुई तैयारियां

पीसीबी के हाई परफॉर्मेंस निदेशक आकिब जावेद ने कहा कि 2027 विश्व कप में अब करीब 18 महीने का समय बचा है। ऐसे में टीम की तैयारियां अभी से शुरू करना जरूरी है। इसी सोच के तहत चयनकर्ताओं और कोचिंग स्टाफ ने मिलकर चार संतुलित टीमों वाला यह टूर्नामेंट तैयार किया है।

अपने ही खिलाड़ियों की होगी अग्निपरीक्षा

इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान के सभी प्रमुख व्हाइट-बॉल खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। हर खिलाड़ी को उसकी भूमिका के हिसाब से मौका दिया जाएगा, ताकि अलग-अलग संयोजनों को परखा जा सके और यह तय किया जा सके कि विश्व कप के लिए किन खिलाड़ियों पर भरोसा किया जाए।

हर मैच पर रहेगी चयनकर्ताओं की नजर

पीसीबी ने साफ किया है कि टूर्नामेंट के सभी मुकाबलों का लाइव प्रसारण किया जाएगा। इससे चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन को हर खिलाड़ी के प्रदर्शन का बारीकी से आकलन करने का मौका मिलेगा और भविष्य के लिए मजबूत खिलाड़ी समूह तैयार किया जा सकेगा।

टॉप-4 में पहुंचने का बड़ा लक्ष्य

आकिब जावेद ने कहा कि पाकिस्तान का लक्ष्य विश्व कप से पहले आईसीसी वनडे रैंकिंग में शीर्ष चार टीमों में जगह बनाना है। उनके मुताबिक, टॉप-4 से नीचे की रैंकिंग पाकिस्तान जैसी टीम के लिए स्वीकार्य नहीं होगी और बोर्ड इस दिशा में तेजी से काम करेगा।

विश्व कप से पहले 'मिनी वर्ल्ड कप' क्यों?

हाल के वर्षों में बड़े टूर्नामेंटों में पाकिस्तान के प्रदर्शन पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में पीसीबी अब किसी भी तरह की चूक से बचना चाहता है। यही वजह है कि विश्व कप से पहले अपने ही खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला कराकर एक मजबूत और संतुलित टीम तैयार करने की रणनीति बनाई गई है। इसी कारण इस टूर्नामेंट को क्रिकेट फैंस 'मिनी वर्ल्ड कप' के रूप में देख रहे हैं।

लगातार तीसरे मैच में सस्ते में आउट हुए वैभव

कैच पूरा होने से पहले ही लौटे पवेलियन, चेहरे पर साफ दिखी निराशा

भारत के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में एक बार फिर बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड में खेले गए मुकाबले में वह सिर्फ 10 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हो गए। उनकी विकेट इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने हासिल की। आर्चर ने पिछली पारी की तरह इस बार भी सूर्यवंशी को लगातार शॉर्ट गेंदों से परेशान किया। शुरुआती कुछ गेंदों का सामना करने के बाद वैभव ने पुल शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सही तरीके से बल्ले पर नहीं आई और मिड-ऑन पर आसान कैच थमा बैठे।

आउट होने के बाद दिखी नाराजगी

आउट होने के बाद वैभव सूर्यवंशी काफी निराश नजर आए। खास बात यह रही कि उन्होंने कैच पूरी तरह पूरा होने का इंतजार भी नहीं किया और तुरंत पवेलियन की ओर लौटने लगे। इस दौरान उन्होंने आसमान की ओर देखते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। उनकी यह प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और क्रिकेट फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। यह इस सीरीज में उनका लगातार तीसरा कम स्कोर रहा। दूसरे टी20 से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले सूर्यवंशी अब तक अपनी प्रतिभा के अनुरूप बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं।

भारत के लिए 'करो या मरो' का मुकाबला

इससे पहले भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारत 0-2 से पीछे है और टीम के लिए यह मुकाबला 'करो या मरो' जैसा है। नए कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुआई में भारत पहली जीत की तलाश में उतरा।

दो खिलाड़ियों की चोट के कारण बदलाव

टॉस के दौरान श्रेयस अय्यर ने बताया कि तेज गेंदबाज हर्षित राणा और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चौथे और पांचवें टी20 से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह टीम में प्रसिद्ध कृष्णा और वॉशिंगटन सुंदर को शामिल किया गया है। टॉस के बाद अय्यर ने कहा कि टीम पिछले मुकाबलों की गलतियों से सीख लेकर नए उत्साह के साथ मैदान में उतरी है। उन्होंने कहा कि परिस्थितियों के अनुसार तेजी से खुद को ढालना और योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू करना ही जीत की कुंजी होगी। उन्होंने पिच को अच्छी बताते हुए कहा कि उस पर घास है और शुरुआती ओवरों में उसके व्यवहार को समझना अहम रहेगा।

'पीआर का भी बड़ा रोल', जावेद जाफरी ने बताया क्यों नहीं चमका करियर

सलमान खान को लेकर कही ये बात

जावेद जाफरी ने अपने करियर की शुरुआत 1980 के दशक के आखिर में की थी और अपनी बेहतरीन एक्टिंग, शानदार कॉमिक टाइमिंग और जबरदस्त डांस स्किल्स से अलग पहचान बनाई। हालांकि, इन सभी खूबियों के बावजूद वह बॉलीवुड में 'ए-लिस्ट' स्टार का दर्जा हासिल नहीं कर पाए। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने इसके पीछे की वजह बताई।

जब उनसे पूछा गया कि वह 90 के दशक में ए-लिस्टर क्यों नहीं बन पाए, तो जावेद ने कहा, टयह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि आपको कैसे पेश किया जाता है। इसमें पीआर का भी बड़ा रोल होता है, क्योंकि इंडस्ट्री का अपना एक नेटवर्क होता है। कई बार आपके बारे में नेगेटिव बातें बाहर आ जाती हैं, ऐसे में आपको अपनी इमेज सुधारने या पॉजिटिव चीजें दिखाने की जरूरत होती है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं यह सब करने में पीछे रह गया। मैं किसी ग्रुप का भी हिस्सा नहीं था। और अगर आपके पास एक बड़ी हिट फिल्म हो, तो कोई आपसे सवाल नहीं करता। सफलता सबसे बड़ी चीज होती है। जैसे सलमान खान के साथ हुआ। उन्होंने 'बीवी हो तो ऐसी' (1988) से शुरुआत की थी और लोगों ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया था।' जावेद ने आगे बताया, 'फिर 'मैंने प्यार किया' (1989) आई और उसके बाद हर कोई उनके पीछे भागने लगा। वही सलमान खान थे, उन्होंने कुछ अलग नहीं किया था, लेकिन फर्क सिर्फ सफलता का था। इसके बाद आप उसी के साथ आगे बढ़ते हैं। मेरे साथ ऐसी कोई बड़ी हिट फिल्म नहीं हुई।'

विलेन के रोल से की शुरुआत

जब उन्हें याद दिलाया गया कि उनकी पहली फिल्म 'मेरी जंग' (1985) हिट थी और उनका गाना 'बोल बेबी बोल' भी काफी पॉपुलर हुआ था, तो जावेद ने कहा, 'मुझे उस फिल्म में विलेन के रूप में लॉन्च किया गया था। उस समय सुभाष घई सबसे बड़े डायरेक्टर थे और एनएन सिप्पी टॉप प्रोड्यूसर्स में से एक थे।'

उन्होंने कहा, 'इस वजह से लोगों ने सोच लिया कि अगर मुझे विलेन के तौर पर लिया गया है, तो आगे भी मुझे उसी तरह के रोल मिलेंगे। यह छवि पहले ही बन गई थी। इसे बदलने के लिए किसी को मेरे साथ एक मस्तीभरी म्यूजिकल फिल्म बनानी चाहिए थी, जैसा साउथ में प्रभु देवा के साथ हुआ। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और मैंने भी खुद को उस तरह से पेश नहीं किया। हालांकि, अब मैं इन बातों के बारे में ज्यादा नहीं सोचता।' जावेद जाफरी फिल्म 'धमाल 4' में मनव के किरदार में नजर नहीं आएंगे। इंद्र कुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अजय देवगन, रितेश देशमुख और अरशद वारसी अहम भूमिकाओं में हैं। 'धमाल 4' 10 जुलाई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

दुलकर सलमान नई फिल्म में पूजा हेगड़े के साथ रोमांटिक अंदाज में दिखे

साउथ के बेहतरीन अभिनेता दुलकर सलमान जल्द ही पूजा हेगड़े के साथ एक फिल्म में रोमांटिक रोल में नजर आने वाले हैं। मेकर्स ने हाल ही में एक ऑफिशियल पोस्टर के साथ फिल्म के टाइटल का भी एलान किया है।

क्या है फिल्म का टाइटल?

दुलकर सलमान ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी अपकमिंग फिल्म DQ41 का नाम 'श्री श्री' बताया है। अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्टर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, ''श्री श्री' के साथ प्यार कुछ ज्यादा ही खास लगेगा। DQ41 अब श्रीश्री। प्यार दोबार चमकेगा।'

सलमान ने जारी किया पोस्टर

दुलकर सलमान ने पोस्टर का पहला लुक जारी किया है। इसमें देखा जा सकता है कि दुलकर सलमान और पूजा हेगड़े कॉलेज यूनिफॉर्म में एक दीवार पर बैठे हैं। दुलकर का शर्मीलापन और पूजा की खुशी इस फर्स्ट लुक में दिलचस्पी पैदा कर रही है।

पोस्टर में मुख्य जोड़ी की केमिस्ट्री बहुत नैचुरल तरीके से दिखाई गई है।

कौन है निर्देशक?

इस फिल्म को रवि नेलाकुदिटी लिख और डायरेक्ट कर रहे हैं। इस फिल्म को सुधाकर चेरुकुरी प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस पैन-इंडिया फिल्म की शूटिंग अभी विदेशों में चल रही है। जीवी प्रकाश कुमार इसका म्यूजिक बना रहे हैं।यह दुलकर की 41वीं फिल्म है। इसे तेलुगु, तमिल, मलयालम और हिंदी में रिलीज किया जाएगा।

दुलकर सलमान का वर्कफ्रंट

इस बीच दुलकर 'आई एम गेम' की तैयारी भी कर रहे हैं। इस बहुप्रतीक्षित मलयालम एक्शन थ्रिलर फिल्म को RDX फेम नहास हिदायत डायरेक्ट करेंगे और यह ओणम 2026 में रिलीज होगी।

आदित्य रॉय कपूर पहली बार मिलाप मिलन जावेरी संग करेंगे नई फिल्म

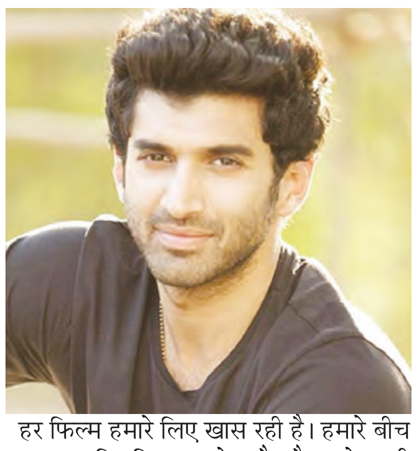

'आशिकी 2', 'मलंग' और 'मेट्रो... इन दिनों' जैसी फिल्मों से अपनी रोमांटिक छवि बनाने वाले अभिनेता आदित्य रॉय कपूर अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर खास लव स्टोरी लेकर आने वाले हैं। इस बार वह पहली बार निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी के साथ हाथ मिला रहे हैं। दोनों की यह फिल्म रोमांस, एक्शन और संगीत का दमदार मेल होगी, जिसे निर्माता भूषण कुमार बड़े स्तर पर बना रहे हैं।' निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी ने आदित्य रॉय कपूर के साथ अपनी पहली फिल्म को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा, आदित्य प्यार को बेहद गहराई के साथ पर्दे पर उतारते हैं। 'आशिकी 2' के बाद से दर्शकों ने उन्हें जुनून और टूटे दिल की कहानियों में खूब पसंद किया है। इस नई फिल्म का किरदार कई परतों वाला होगा। मुझे नहीं लगता कि इस सफर को उनसे बेहतर कोई और निभा सकता था। वहीं, निर्माता भूषण कुमार ने आदित्य के साथ अपनी पुरानी साझेदारी को याद करते हुए कहा, ''आदित्य के साथ हमारा रिश्ता कई सालों पुराना है और हमने साथ मिलकर ऐसी फिल्में दी हैं जिन्हें दर्शक आज भी पसंद करते हैं। 'आशिकी 2' से लेकर 'मेट्रो... इन दिनों' तक हर फिल्म हमारे लिए खास रही है। हमारे बीच शानदार क्रिएटिव तालमेल है और मुझे खुशी है कि हम एक बार फिर एक ऐसी कहानी के लिए साथ आ रहे हैं, जो भावनात्मक और बड़े पैमाने पर बनाई जाएगी।''

फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर में शुरू होने की तैयारी है। इसके बाद पोस्ट-प्रोडक्शन का काम पूरा कर इसे साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिलहाल फिल्म की बाकी स्टारकास्ट और टाइटल का खुलासा नहीं किया गया है लेकिन मेकर्स का कहना है कि आने वाले समय में इससे जुड़ी और जानकारियां साझा की जाएंगी।

फिल्म की घोषणा करते हुए मिलाप मिलन जावेरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी एक खास पोस्ट साझा किया था। उन्होंने लिखा, इस बार आशिकी पूरी दीवानियत से होगी। मुझे बेहद खुशी है कि मैं अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर रहा हूं। यह एक इंटेंस, हिंसक और म्यूजिकल लव स्टोरी है, जिसमें मेरे प्रिय मित्र और शानदार अभिनेता आदित्य रॉय कपूर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने आगे लिखा, आदित्य को उनके करियर के सबसे दमदार, रोमांटिक और हीरोइक किरदारों में से एक में देखने के लिए तैयार हो जाइए। मुझे खुशी है कि यह फिल्म भूषण कुमार सर के बैनर तले बन रही है, जिनके साथ मैंने 'सत्यमेव जयते' और 'मरजावां' जैसी सफल फिल्मों में काम किया है।

उन्होंने पोस्ट के आखिर में लिखा, 2027 में सिनेमाघरों में मिलते हैं, जहां एक्शन, संगीत, दमदार डायलॉग, रोमांस, जुनून और दिल टूटने का दर्द- सब कुछ बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगा।

बॉलीवुड के संस्कारी 'बाबूजी' ने भी पर्दे पर कभी दिए थे बोल्ड सीन

जब भी बॉलीवुड में संस्कारी पिता, प्यार करने वाले परिवार के मुखिया और आदर्शवादी 'बाबूजी' की बात होती है, तो सबसे पहले अभिनेता आलोक नाथ का नाम याद आता है। बड़े पर्दे से लेकर छोटे पर्दे तक आलोक नाथ ने अपनी एक ऐसी छवि बनाई, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। 'मैंने प्यार किया', 'हम आपके हैं कौन' और 'विवाह' जैसी फिल्मों में उनके पिता के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। आज जिन आलोक नाथ को दर्शक एक आदर्श पिता के रूप में देखते हैं, उन्होंने अपने शुरुआती दौर में रोमांटिक हीरो की भूमिका भी निभाई थी। अपनी शांत, सादगी भरी और संस्कारी छवि के लिए मशहूर आलोक नाथ ने साल 1987 में आई फिल्म 'कामाग्नि' में एक अलग अंदाज दिखाया था। इस फिल्म में उन्होंने रोमांटिक किरदार निभाया था और अभिनेत्री टीना मुनीम (टीना अंबानी) के साथ नजर आए थे। फिल्म में उनके कुछ बोल्ड और रोमांटिक सीन की उस समय काफी चर्चा हुई थी। आलोक नाथ का जन्म 10 जुलाई 1956 को देश की राजधानी दिल्ली में हुआ था। उनके पिता डॉक्टर थे और मां गृहिणी थीं। उनके पिता चाहते थे कि आलोक भी उनकी तरह डॉक्टर बनें, लेकिन किस्मत ने उन्हें अभिनय की दुनिया में पहुंचा दिया। उन्होंने दिल्ली से अपनी पढ़ाई पूरी की। कॉलेज के दिनों में उनका झुकाव थिएटर की तरफ बढ़ा और वह रुचिका थिएटर ग्रुप से जुड़ गए। इसके बाद उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से तीन साल तक अभिनय की बारीकियां सीखीं। कहा जाता है कि साल 1980 में फिल्म 'गांधी' के लिए कास्टिंग डायरेक्टर डॉली ठाकुर नए कलाकारों की तलाश में नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा पहुंची थीं। कई कलाकारों के ऑडिशन के बाद उन्होंने आलोक नाथ को चुना। इस फिल्म के लिए उन्हें करीब 20 हजार रुपये मिले थे और यहीं से उनके फिल्मी सफर की शुरुआत हुई।

'गांधी' के बाद आलोक नाथ मुंबई पहुंचे, लेकिन यहां से आगे का रास्ता इतना आसान नहीं था। उन्हें अपनी दूसरी फिल्म के लिए करीब पांच साल तक इंतजार और संघर्ष करना पड़ा। इस दौरान उन्होंने थिएटर में भी काम किया। संघर्ष के इसी दौर में उन्हें फिल्म 'मशाल' में छोटा सा किरदार मिला। इसके बाद धीरे-धीरे उन्हें फिल्मों में काम मिलने लगा।

साल 1988 में आई फिल्म 'कयामत से कयामत तक' के बाद आलोक नाथ की पहचान बढ़ने लगी। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में पिता और परिवार के बड़े सदस्य की भूमिकाएं निभाईं। आलोक नाथ ने अपने करियर में करीब 140 फिल्मों और 15 से ज्यादा टीवी सीरियल्स में काम किया है। उनकी ज्यादातर भूमिकाएं 'बाबूजी' के किरदार की रहीं। हालांकि, आलोक नाथ को एक समय जितेंद्र के पिता का किरदार निभाने का ऑफर मिला था, जिसे उन्होंने मना कर दिया था।

'उन्होंने कभी टूटने नहीं दिया हौसला हमेशा कहा- रुकना मत', हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र को किया याद

हिंदी सिनेमा की 'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी और 'ही-मैन' धर्मेंद्र की जोड़ी सिर्फ बड़े पर्दे पर ही नहीं, बल्कि असल जिंदगी में भी सबसे चर्चित और पसंदीदा जोड़ियों में रही है। दोनों ने साथ मिलकर कई सुपरहिट फिल्में दीं और दशकों तक दर्शकों के दिलों पर राज किया। धर्मेंद्र के निधन के बाद भी हेमा मालिनी अक्सर उनसे जुड़ी यादों को साझा करती रहती हैं। अब अपने फिल्मी करियर के 60 साल पूरे होने के मौके पर उन्होंने एक बार फिर अपने जीवनसाथी को याद करते हुए बताया कि धर्मेंद्र ने हर मुश्किल दौर में उनका मनोबल बढ़ाया और कभी भी उन्हें अपनी क्षमताओं पर शक नहीं करने दिया। आईएएनएस को दिए खास इंटरव्यू में हेमा मालिनी ने अपने छह दशक लंबे फिल्मी सफर, बदलती जिंदगी और धर्मेंद्र के साथ मिले अटूट सहयोग पर खुलकर बात की। यह बातचीत उनके खास कार्यक्रम 'हेमा मालिनीः लाइव इन कॉन्सर्ट' से पहले हुई, जो उनके 60 साल के शानदार सिनेमाई सफर का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

अपने करियर को याद करते हुए हेमा मालिनी ने कहा, ''मेरे जीवन में हमेशा वही हुआ, जो समय के अनुसार होना था। 70 और 80 का दशक मेरे लिए काफी व्यस्त दौर था। मैंने लगातार कई फिल्मों में काम किया। इसके बाद कुछ समय का ब्रेक आया, फिर मैंने 'बागबान' और कुछ अन्य फिल्मों में काम किया। हालांकि, मैं कभी खाली नहीं रही। डांस शो, बैले और कई दूसरी चीजों में लगातार व्यस्त रही। बाद में जब मैं सांसद बनी, तो मेरी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। आज भी मैं लोगों के बीच रहती हूं और खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे जनता की सेवा करने का मौका मिला। पहले मैं फिल्मों, डांस और मंचीय प्रस्तुतियों के जरिए लोगों का मनोरंजन करती थी, अब मथुरा की जनता की सेवा करना मेरे जीवन का अहम हिस्सा है।''

उन्होंने आगे कहा, ''आज भी जब लोग मुझे देखते हैं तो उन्हें सबसे पहले मेरा लोकप्रिय किरदार 'बसंती' याद आता है। मथुरा में मेरे क्षेत्र के लोग अक्सर मुझसे कहते हैं कि बसंती का कोई डायलॉग बोलिए। इतने साल बीत जाने के बाद भी लोगों के दिलों में वह किरदार आज भी जिंदा है। यह मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी की बात है।''

इंटरव्यू के दौरान हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र के उस साथ का भी जिक्र किया, जिसने उन्हें हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा, ''धर्म जी हमेशा मुझसे कहते थे कि कभी यह मत सोचना कि फिल्में कम कर रही हो, इसलिए सब खत्म हो गया है। तुम अपने डांस शो कर रही हो, दूसरी कई चीजों में हिस्सा ले रही हो। रुकना मत, बस इसी तरह आगे बढ़ती रहो। उन्हें हमेशा यह देखकर खुशी होती थी कि मैं किसी न किसी काम में व्यस्त रहती हूं। वह मेरी हर कोशिश की सराहना करते थे और हमेशा कहते थे कि जो कर रही हो, उसे कभी मत छोड़ना।''

उन्होंने बताया कि धर्मेंद्र का यह भरोसा और प्रोत्साहन ही था, जिसने उन्हें हर दौर में सक्रिय बनाए रखा।

'एक्टिंग तो खत्म हो गई', सनी देओल ने फैंस की अटकलों को किया खारिज, क्लीन शेव लुक पर दिया रिएक्शन

सनी देओल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'इक्का' की रिलीज के लिए तैयार हैं। सिद्धार्थ मल्होत्रा के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक्टर का ओटीटी डेब्यू है। इसमें अक्षय खन्ना, तिलोत्तमा शोम और दीया मिर्जा भी अहम रोल में हैं। यह फिल्म इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें बॉर्डर के लगभग तीन दशक बाद सनी और अक्षय एक साथ स्क्रीन पर दिख रहे हैं। रिलीज से पहले, सनी 9 जुलाई को मुंबई में अपने बेटों के साथ इक्का की स्पेशल स्क्रीनिंग में शामिल हुए। इवेंट के दौरान, एक्टर ने अपने चर्चित क्लीन-शेव वाले लुक पर रिएक्शन दिया।

क्लीन शेव लुक पर सनी का रिएक्शन

'इक्का' की स्पेशल स्क्रीनिंग में सनी देओल की मौजूदगी ने फिल्म से कहीं ज्यादा लोगों का ध्यान खींचा। चेक्ड शर्ट, जींस और कैप वाले कैजुअल आउटफिट में एक्टर ने अपने क्लीन-शेव मेकओवर से सभी को हैरान कर दिया। नए लुक को देखकर फैंस ने अंदाजा लगाया कि यह नितेश तिवारी की 'रामायण' के लिए हो सकता है।

हंसते हुए अफवाहों का जवाब देते हुए, सनी ने इन थ्योरीज को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा 'आजकल लोग लुक्स के पीछे ज्यादा रहते हैं। सब लुक्स के बारे में है और एक्टिंग तो पूरी तरह खत्म हो गई है।'

धर्मेंद्र का बेटा कहने पर दी प्रतिक्रिया

दिलचस्प बात यह है कि जब 'इक्का' का ट्रेलर रिलीज हुआ, तो एक बात जिसने सबका ध्यान खींचा, वह थी सनी देओल को इंट्रोड्यूस करने का तरीका। सिर्फ उनका नाम दिखाने के बजाय, मेकर्स ने उन्हें 'धर्मेंद्र का बेटा सनी देओल' के तौर पर दिखाया। इस फैसले के बारे में पूछे जाने पर, सनी ने जवाब दिया 'पापा के बेटे हैं और क्या है? अच्छा काम करते हैं तो अच्छा लगता है कि पापा खुश होंगे कि उनके बेटे अच्छा काम कर रहे हैं।'

कब रिलीज होगी 'रामायण'?

सनी देओल के पास नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' भी है, जिसमें वह हनुमान का रोल निभाते दिखेंगे। इसमें रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता और यश रावण के रोल में दिखेंगे। पहला पार्ट दिवाली 2026 को रिलीज होगा, उसके बाद दूसरा पार्ट दिवाली 2027 को। इस साल, सनी के पास बटवारा 1947 भी है। वह प्रीति जिंटा के साथ नजर आएंगे।

शाहरुख खान ने खरीदा दिल्ली वाला वो घर जहां एक्टर बनने से पहले गौरी के साथ रहते थे

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान के पास अरबों की प्रॉपर्टी है. दुनिया के सबसे रईस एक्टर में टॉप पर शुमार शाहरुख के पास देश-दुनिया में कई प्रॉपर्टीज हैं. शाहरुख ने अब एक और प्रॉपर्टी खरीदी है, वो भी उस शहर में जहां उनका जन्म हुआ, जहां उनका बचपन बीता, जहां वो पले-बढ़े और शादी भी की. दिल्ली के रहने वाले शाहरुख ने दिल्ली में अब करोड़ों में एक प्रॉपर्टी को लेकर डील की है.

दो मंजिल के लिए चुकाए 37 करोड़ रुपये

बता दें कि शाहरुख खान ने वो प्रॉपर्टी खरीदी है जहां वो एक्टर बनने से पहले अपनी पत्नी गौरी खान के साथ रहते थे. यहां दोनों ने संघर्ष के दिनों को एक साथ देखा था. गौरतलब है कि शाहरुख खान ने दिल्ली के पंचशील पार्क नाम के घर की दूसरी और तीसरी मंजिल खरीदी है, जबकि बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर पर पहले से ही उनका हक है. इस हिसाब से अब पूरे घर पर उनका मालिकाना हक हो चुका है. दोनों मंजिल के लिए एक्टर ने 37 करोड़ रुपये की तगड़ी रकम चुकाई है.

पॉश एरिया में है शाहरुख का घर

शाहरुख खान का ये घर दिल्ली के पॉश एरिया में बना हुआ है. बॉक्स ऑफिस की रिपोर्ट के मुताबिक ये घर साउथ दिल्ली में स्थित है और ये 1,200 स्क्वायर यार्ड यानी 10,800 स्क्वायर फीट के प्लाट पर बना हुआ है. यहां जमीन की कीमत करीब 34,260 रुपये प्रति स्क्वायर फीट है. इस डील के जरिए शाहरुख ने अपने रियल एस्टेट पोर्टफोलियो में और मजबूरी दर्ज कर ली है.

शाहरुख-गौरी के दिल के करीब है ये घर

ये घर शाहरुख खान के साथ-साथ उनकी पत्नी गौरी खान के दिल के भी बेहद करीब है. ये उनकी जवानी के शुरुआती दिनों में उनके संघर्ष का गवाह बना था. अब साढ़े तीन दशक के बाद शाहरुख ने घर के बाकी के दो फ्लोर को भी अपना बनाकर बनाकर अपनी पुरानी यादों को ताजा किया है.

अब मुंबई में हैं 250 करोड़ का बंगला 'मन्नत'

शाहरुख खान के पास अब मुंबई में 'मन्नत' नाम का घर है, जहां वो अपनी पत्नी और तीनों बच्चों के साथ रहते हैं. इसकी कीमत 250 करोड़ रुपये तक आंकी जाती है. लेकिन, यादों और अपनेपन के मामले में दिल्ली वाले घर के आगे मन्नत भी फीका पड़ता है.

'धमाल 4' के लिए अजय देवगन ने वसूली सबसे ज्यादा फीस, रितेश देशमुख के हाथ लगे 10 करोड़

कॉमेडी फ्रैंचाइजी 'धमाल' का चौथा पार्ट यानी 'धमाल 4' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है. फिल्म के रिलीज होते ही थिएटर्स में दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है. अजय देवगन, रितेश देशमख और अरशद वारसी की तिकडी को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है. ऐसे में आइए जानते हैं कि फिल्म के कलाकारों ने इसके लिए कितनी फीस ली है.

200 करोड़ रुपये है फिल्म का बजट

'धमाल 4' का बजट करीब 200 करोड रुपये बताया जा रहा है. इसे 'धमाल' फ्रेंचाइजी की अब तक की सबसे महंगी फिल्म माना जा रहा है. मेकर्स ने फिल्म के विजुअल्स, प्रोडक्शन वैल्यू और इसकी भारी-भरकम स्टारकास्ट पर पानी की तरह पैसा बहाया है. ये एक हाई-बजट मल्टी-स्टारर फिल्म है, जिसमें अजय देवगन, अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफ़री, रवि किशन, संजय मिश्रा, उपेन्द्र लिमये, अंजलि आनंद, संजीदा शेख और ईशा गुप्ता जैसे एक्टर्स नजर आ रहे हैं.

अजय देवगन को मिले 40 करोड़ रुपये

फिल्म 'धमाल 4' में लीड रोल प्ले कर रहे सुपरस्टार अजय देवगन इस फिल्म के सबसे महंगे एक्टर हैं. उन्होंने इस फिल्म के लिए 40 करोड़ रुपये की फीस ली है. हाल ही में प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने अजय की तारीफ करते हुए बताया था कि फिल्म का बजट बढ़ने के कारण उन्होंने मेकर्स का पूरा साथ दिया. अजय ने प्रोजेक्ट को ध्यान में रखते हुए अपनी फीस में भी कटौती की है.

रितेश देशमुख, अरशद वारसी और रवि किशन को मिली इतनी फीस

रितेश देशमुख, अरशद वारसी और रवि किशन को फिल्म 'धमाल 4' के लिए 10-10 करोड़ रुपये मिल हैं. तीनों कलाकार फिल्म की कहानी में अहम भूमिका निभा रहे हैं. खासकर अरशद वारसी और रितेश देशमुख लंबे समय से इस फ्रेंचाइजी का अहम हिस्सा रहे हैं. वहीं, रवि किशन इस फिल्म के साथ पहली बार इस फ्रेंचाइजी में शामिल हुए हैं.

जावेद जाफरी ने चार्ज किए इतने करोड़

जावेद जाफरी, संजय मिश्रा, ईशा गुप्ता, अंजलि आनंद और उपेंद्र लिमये ने 'धमाल 4' के लिए 2-2 करोड़ रुपये फीस चार्ज की है. वहीं, संजीदा शेख को 1.5 करोड़ रुपये मिले हैं. बता दें कि 'धमाल 4' के डायरेक्टर इंद्र कुमार हैं. अजय देवगन और भूषण कुमार फिल्म के प्रोड्यूसर हैं. अब देखना होगा कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कैसा परफॉर्म करती है.

चेक बाउंस केस में राजपाल यादव को जेल

7 .35 करोड़ चुकाने होंगे, पत्नी पर जुर्माना हाईकोर्ट बोला– कानून को फिल्मी ड्रामा न समझें

शाहजहांपुर/नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव के चेक बाउंस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। कोर्ट ने उन्हें तीन महीने की जेल की सजा सुनाई।

हाईकोर्ट ने चेक बाउंस के 7 मामलों में से हर एक में उन्हें तीन महीने जेल की सजा सुनाई है। सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। जस्टिस स्वर्णकांता ने अफसरों से राजपाल को जेल भेजने के लिए कहा।

जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा-राजपाल यादव का रवैया संदिग्ध है। उन्हें अपना वादा निभाने और कंपनी का कर्ज वापस करने के लिए कई मौके दिए गए, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सके। एक्टर को अगले तीन महीने जेल में ही गुजारने होंगे।

हाईकोर्ट ने कहा कि कानून कोई ऐसी पटकथा नहीं है, जिसे कोई अभिनेता अपनी इच्छा के मुताबिक बदल दे।

कोर्ट ने कहा कि एक्टर को हर मामले में शिकायतकर्ता को 1.05 करोड़ रुपए देना होगा। यानी कुल 7 करोड़ 35 लाख रुपए चुकाने होंगे। जज ने साफ किया कि एक्टर करीब 2 करोड़ रुपए पहले ही दे चुके हैं, इस राशि को एडजस्ट किया जाएगा।

पूरा मामला साल 2010 का है, जब राजपाल यादव ने अपनी एक फिल्म के लिए 5 करोड़ रुपए का कर्ज लिया था। बकाया रकम वापस न करने और चेक बाउंस होने के बाद यह विवाद लंबे समय से अदालत में चल रहा था।

दिल्ली हाईकोर्ट में मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से पेश वकील अवनीश सिक्का ने बताया- राजपाल यादव की ओर से दायर सभी 21 याचिकाएं खारिज कर दी गई हैं। सेशंस कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। इस मामले में राजपाल यादव की पत्नी राधा राजपाल यादव भी आरोपी थीं। कोर्ट ने उन्हें हर मामले में 5 लाख रुपए जुर्माना भरने का आदेश दिया है। फैसला सुनाए जाने के दौरान राजपाल यादव के वकील ने उन्हें प्रोबेशन (राहत) देने की मांग की, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि राजपाल यादव ने पहले भी कई बार अदालत से किए गए वादों का पालन नहीं किया। कोर्ट ने यह भी माना कि अंतिम सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा था, "मैं पांच बार जेल जाने को तैयार हूं, लेकिन एक पैसा भी नहीं दूंगा।" राजपाल यादव ने बतौर डायरेक्टर अपनी पहली फिल्म 'अता पता लापता' बनाने का फैसला किया था। फिल्म बनाने के लिए उन्होंने मेसर्स मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड से 5 करोड़ रुपए का कर्ज लिया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई, जिसके बाद राजपाल यादव कर्ज की रकम समय पर नहीं लौटा पाए। रकम न चुकाने के कारण यह पूरा मामला कानूनी लड़ाई में बदल गया। अप्रैल 2018 में एक मजिस्ट्रेट कोर्ट ने चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव और उनकी पत्नी राधा को दोषी ठहराया था। राजपाल को छह महीने जेल की सजा सुनाई थी।

रामगढ़ और बोकारो में हुई झमाझम बारिश

रांची, 10 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है। राजधानी रांची समेत राज्य के अधिकांश जिलों में बारिश का दौर जारी है। शुक्रवार को रांची, रामगढ़, जामताड़ा, कोडरमा, पलामू, धनबाद और बोकारो में झमाझम बारिश हुई।

वहीं, राजधानी रांची में गुरुवार को भी दिनभर आसमान में बादल छाए रहे। शहर के कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई। वहीं, राज्य के विभिन्न हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई। शुक्रवार को भी राज्य में कहीं-कहीं गर्जन के साथ बारिश हो सकती है। साथ ही वज्रपात के साथ 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटे में गोड्डा में सर्वाधिक 44.2 मिमी बारिश हुई। अगले दो दिनों तक रांची के अधिकतम तापमान में विशेष बदलाव की संभावना नहीं है, जबकि इसके बाद तीन दिनों में तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है।

खरीदी केंद्र में बड़ा घोटाला, 17 करोड़ से ज्यादा का धान सेंटर से गायब

रिकॉर्ड में दिखाई गई जांच में नहीं मिला स्टॉक

महासमुंद, 10 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में करीब 17.93 करोड़ रुपये के कथित धान घोटाले ने प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच में कई खरीदी केंद्रों के रिकॉर्ड में धान का स्टॉक दर्ज मिला, लेकिन सत्यापन के दौरान वहां स्टॉक नहीं मिला। अब तक 15 सहकारी समितियों के प्रभारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, जबकि 39 अन्य खरीदी केंद्रों के संबंध में कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट नहीं है।

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2025-26 के धान खरीदी सत्र में जिले के 182 खरीदी केंद्रों के माध्यम से 1,01,95,681.20 मीट्रिक टन धान की खरीदी दर्ज की गई। मिलिंग के बाद रिकॉर्ड के अनुसार 57,860.47 क्विंटल धान खरीदी केंद्रों में शेष होना चाहिए था, लेकिन जांच के दौरान 54 केंद्रों पर यह स्टॉक नहीं मिला। समर्थन मूल्य 3,100 रुपये प्रति क्विंटल के आधार पर गायब धान का मूल्य करीब 17 करोड़ 93 लाख 67 हजार 457 रुपये आंका गया है। जांच में जिन खरीदी केंद्रों पर सबसे अधिक धान गायब मिला, उनमें आरंगी और बम्हनी सहकारी समितियां सबसे आगे हैं। इन दोनों केंद्रों से चार-चार हजार क्विंटल से अधिक धान गायब पाया गया। इसके अलावा तोषगांव, बघरपाली, मोगरापाली, समहर, कोटद्वारी, मल्यामाल, बेलसोंडा और खेमड़ा सहकारी समितियों में भी बड़ी मात्रा में धान की कमी सामने आई है, जिससे लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। धान खरीदी प्रक्रिया की निगरानी के लिए प्रत्येक खरीदी केंद्र में नोडल अधिकारी और मॉनिटरिंग अधिकारी नियुक्त किए जाते हैं तथा समय-समय पर स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया जाना अनिवार्य है। इसके बावजूद बड़ी मात्रा में धान का स्टॉक नहीं मिलने से निगरानी व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल उठे हैं।

जिला विपणन अधिकारी ने पुष्टि की है कि करोड़ों रुपये मूल्य का धान स्टॉक में नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि अब तक 15 सहकारी समितियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है और मामले की रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है।

तालाब में पांच महिलाएं डूबी

एक महिला–किशोरी की मौत ग्रामीणों ने 3 महिलाओं को बचाया नहाने के दौरान हुआ हादसा

गिरिडीह, 10 जुलाई (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के गावां थाना क्षेत्र के भिखी गांव में शुक्रवार को तालाब में डूबने से एक महिला और एक किशोरी की मौत हो गई। यह घटना एक श्राद्धकर्म के दौरान हुई, जब पांच महिलाएं तालाब में स्नान कर रही थीं। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए तीन अन्य महिलाओं को सुरक्षित बचा लिया।

जानकारी के अनुसार, भिखी गांव में एक परिवार में श्राद्धकर्म का आयोजन चल रहा था। इसी दौरान परिवार और गांव की कुछ महिलाएं पास के तालाब में स्नान करने पहुंची थीं। स्नान के क्रम में अचानक पांच महिलाएं गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगीं।

महिलाओं को डूबता देख तालाब में मौजूद अन्य महिलाओं ने शोर मचाना शुरू कर दिया, जिसके बाद आसपास के ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे।

आखिरी सांस तक नहीं छोड़ा दोस्त का साथ

संकट में देख 50 फीट गहरे कुएं में बचाने उतरा, जहरीली गैस ने दोनों की ले ली जान

बालाघाट, 10 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र के पिपरटोला गांव में एक दर्दनाक हादसे में दो दोस्तों की जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई। दोनों कुएं में लगी मोटर सुधारने के लिए उतरे थे। पहले एक व्यक्ति की तबीयत बिगड़ी तो उसे बचाने के लिए दूसरा दोस्त भी कुएं में उतर गया, लेकिन वह भी जहरीली गैस और ऑक्सीजन की कमी का शिकार हो गया। करीब पांच घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद एसडीईआरएफ की टीम ने दोनों के शव बाहर निकाले।

जानकारी के अनुसार पिपरटोला निवासी महेश चौधरी (45) गुरुवार शाम करीब 5:30 से 6 बजे के बीच अपने दोस्त युवराज बिसेन (55) के घर के पीछे स्थित लगभग 50 फीट गहरे कुएं में खराब मोटर सुधारने के लिए उतरे थे। कुएं के भीतर मौजूद जहरीली गैस और ऑक्सीजन की कमी के कारण उनकी हालत अचानक बिगड़ गई। महेश को संकट में देखकर उनके दोस्त युवराज बिसेन उन्हें बचाने के लिए बिना देर किए कुएं में उतर गए, लेकिन वे भी जहरीली गैस की चपेट में आ गए। देखते ही देखते दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से गांव में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही किरनापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। कुएं में जहरीली गैस होने की आशंका के चलते तत्काल बालाघाट से एसडीईआरएफ की टीम बुलाई गई। रेस्क्यू अभियान के दौरान एसडीईआरएफ के जवान करण सिंह वल्के ऑक्सीजन सिलेंडर और सुरक्षा मास्क पहनकर करीब 50 फीट गहरे कुएं में उतरे। रात करीब 10 से 10:30 बजे के बीच रस्सियों की सहायता से दोनों शवों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

किरनापुर थाना प्रभारी राजकुमार चौधरी ने बताया कि दोनों शवों का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे, जिसके बाद उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। रेस्क्यू अभियान में थाना प्रभारी राजकुमार चौधरी, होमगार्ड एएसआई महेश कुमार सहित एसडीईआरएफ के हवलदार सुनील कुमार नागपुरे, सैनिक संजय चौधरी, सतीश तोमर, करण सिंह वल्के, विशाल रजक, आशीष खरोले, राजेश धुर्वे और चेतेश्वर राहंगडाले ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बांकीपुर उपचुनाव : नीरज कुमार सिन्हा भाजपा के उम्मीदवार

पटना, 10 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के बांकीपुर प्रत्याशी अभिषेक कुमार सिन्हा 'बंटी' ने नामांकन के अगले दिन नाम वापस क्यों लिया। फिलहाल, यह खबर पढ़ने लायक है कि भाजपा वाले भी पूछ रहे कि अभिषेक की जगह नए प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा की पहचान क्या है? नीरज का भाजपा दफ्तर में आना-जाना तो है, लेकिन महानगर स्तर के कार्यकर्ता को टिकट मिलने के बाद भाजपा में भी हड़कंप है। जो नाम पहले से चल रहे थे, वह भी चौंक रहे अब।

भाजपा ने कई बड़े और चर्चित नामों को छोड़कर प्रशांत किशोर के सामने जब अभिषेक कुमार बंटी को उतारा, तब यह कहा जा रहा था कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने पुराने सहयोगी को टिकट दिया। अभिषेक की पहचान कई और कारणों से भी थी। खैर, अब जब उन्होंने उम्मीदवारी छोड़ी तो नया नाम देने के साथ ही भाजपा को विस्तार से बताना पड़ा कि नीरज कुमार सिन्हा कौन हैं। बताया तो अभिषेक का भी था, लेकिन नीरज के मामले में सबसे बड़ी पहचान उनका कायस्थ, यानी लाला होना है और दूसरा उनके जनसंघी चाचा से उनकी पहचान जोड़ते हुए उसी पर जोर दिया गया।

नीरज कुमार सिन्हा

बिहार की राजधानी पटना के मीठापुर बी एरिया के रहने वाले युवा भाजपा नेता नीरज कुमार सिन्हा राजनीति और सामाजिक कार्यों में लगातार सक्रिय हैं। 1 जुलाई 1994 को पटना में जन्मे नीरज कुमार सिन्हा अविवाहित हैं और उन्होंने स्नातक (B.A.) तक की शिक्षा ग्रहण की है। नीरज कुमार सिन्हा का परिवार जनसंघ के समय से ही राष्ट्रवादी विचारधारा से जुड़ा रहा है। जनसंघ ही बाद में भाजपा के रूप में सामने आया था। उनके चाचा स्व० नरेंद्र भारती जी जनसंघ काल के एक समर्पित कार्यकर्ता थे, जिनका देहांत वर्ष 1984 में हो गया था। उनके इसी समर्पण और शहादत को सम्मान देने के लिए इस क्षेत्र के भाजपा मंडल का नाम 'नरेंद्र भारती मंडल' रखा गया, जिसके नेतृत्व की कमान आज खुद नीरज कुमार सिन्हा संभाल रहे हैं। नीरज कुमार सिन्हा का भारतीय जनता पार्टी के साथ सफर बेहद जमीनी स्तर से शुरू हुआ है। उनकी राजनैतिक यात्रा के मुख्य पड़ाव निम्नलिखित हैं-शुरुआतः उन्होंने वर्ष 2006 में भाजपा की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की थी। शुरुआती पदः इसके बाद उन्होंने संगठन में बूथ अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। सांगठनिक विस्तारः संगठन में उनकी सक्रियता को देखते हुए उन्हें नरेंद्र भारती मंडल का मंडल महामंत्री और बाद में भारतीय जनता युवा मोर्चा का जिला उपाध्यक्ष बनाया गया।

दतिया उपचुनाव से पहले राजेंद्र भारती की याचिका खारिज

दिल्ली हाईकोर्ट ने सजा पर रोक से किया इनकार, एफडी घोटाला केस में गई विधायकी

दतिया, 10 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने दतिया विधानसभा उपचुनाव से पहले शुक्रवार को बैंक एफडी घोटाला मामले में कांग्रेस के पूर्व विधायक राजेंद्र भारती की याचिका खारिज कर दी। इससे उनकी 3 साल की सजा बरकरार रहेगी। उन्होंने सजा पर रोक लगाने की मांग की थी। हालांकि, सजा के बाद ट्रायल कोर्ट से उन्हें जमानत मिल चुकी है।

राजेंद्र भारती ने दिल्ली हाईकोर्ट में सजा और दतिया विधानसभा उपचुनाव की प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की थी। याचिका में उन्होंने कहा था कि अगर दोषसिद्धि पर रोक नहीं लगी, तो उनका चुनाव लड़ने का अधिकार प्रभावित होगा। बैंक एफडी घोटाला मामले में दिल्ली की एमपी-एमएलए कोर्ट ने 2 अप्रैल को राजेंद्र भारती को 3 साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद मध्य प्रदेश विधानसभा सचिवालय ने उनकी सदस्यता समाप्त कर दी थी। इसी आदेश और सजा पर रोक की मांग को लेकर उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता पी. चिदंबरम ने भारती की ओर से दलील दी कि मामला आपराधिक नहीं, बल्कि सिविल प्रकृति का है। उन्होंने कहा कि बैंक पहले इस विवाद को सिविल मामला मानते हुए सुप्रीम कोर्ट गया था, जहां दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ था। समझौते की राशि अब तक नहीं मिली है। संबंधित एफडी बैंक में सुरक्षित है। दतिया विधानसभा सीट पर उपचुनाव इसलिए हो रहे हैं क्योंकि कांग्रेस विधायक राजेन्द्र भारती को दो वर्ष से अधिक की सजा मिलने के बाद उनकी विधानसभा सदस्यता स्वतः समाप्त हो गई। इसके बाद मध्य प्रदेश विधानसभा सचिवालय ने सीट खाली घोषित कर दी। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के लिली थॉमस बनाम भारत संघ फैसले, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 और संविधान के अनुच्छेद 191(1)(e) के तहत की गई। 1998 में दतिया सहकारी ग्रामीण विकास बैंक में एक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) से जुड़े कथित फर्जीवाड़े का मामला सामने आया। आरोप था कि बैंक रिकॉर्ड में हेरफेर कर एफडी की अवधि 3 वर्ष से बढ़ाकर 15 वर्ष कर दी गई।

राममंदिर चढ़ावा चोरी- दान गिनने वाले 23 कर्मचारियों का इस्तीफा

चढ़ावे में 10–20रु के नोट बढ़े, 500 के घटे, सुप्रीम कोर्ट में 13 जुलाई को सुनवाई

अयोध्या, 10 जुलाई (एजेंसियां)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट 13 जुलाई को सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच 3 याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। याचिकाओं में जांच सीबीआई को सौंपने और एसआईटी के गठन के मांग की गई है। साथ ही, मंदिर में दान के प्रबंधन से जुड़े अलग-अलग विषयों की समीक्षा के लिए एक्सपर्ट कमेटी बनाने की भी मांग की गई है।

इधर, मंदिर में चढ़ावा गिनने वाले 23 कर्मचारियों ने गुरुवार को एक साथ इस्तीफा दे दिया। उनका कहना है कि चोरी की घटना के बाद 10-20 रुपए के नोट बढ़ गए हैं, जिससे गिनती में ज्यादा समय लग रहा है।

पहले 500 रुपए के नोटों की 70-80 गड्डियां बन जाती थीं, अब बमुश्किल 15 गड्डियां बन रही हैं।

पहले काम दो शिफ्ट में होता था, लेकिन अब सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक एक ही शिफ्ट कर दी गई है। वेतन वही है और काम के घंटे बढ़ गए हैं। अब बैंक के पास सिर्फ 13 गणना कर्मी बचे हैं। चढ़ावा चोरी से माता सीता का मायका 'जानकी मंदिर' भी आहत है। श्रीराम का ससुराल पड़ोसी देश नेपाल के जनकपुर में है। मंदिर के महंत रोशन दास ने कहा कि भगवान श्रीराम के किसी मंदिर में ऐसी घटना न कभी देखी, न सुनी। मन व्यथित है, इसलिए सावन में जनकपुर से 5-7 लोग प्रभु श्रीराम के घर अयोध्या जाएंगे, सांत्वना देंगे और दर्शन कर लौट आएंगे। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले के बीच अयोध्या दर्शन के लिए आए श्रद्धालुओं से बात की। कर्नाटक से रामलला के दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालुओं ने कहा कि उन्हें योगी आदित्यनाथ की सरकार पर पूरा भरोसा है। सरकार मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कड़ा से कड़ा दंड देगी। अयोध्या राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र ने अयोध्या पहुंचकर हनुमानगढ़ी का दर्शन पूजन किया। उसके बाद निर्माण समिति से जुड़े हुए इंजीनियर और ट्रस्टी सदस्यों के साथ बैठक कर राम मंदिर निर्माण की प्रगति की जानकारी ले रहे हैं।

शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अरविंद सावंत ने कहा- सुप्रीम कोर्ट ने अगर ये कहा है तो उनका स्वागत है। स्वतंत्र जांच होनी चाहिए, लेकिन सुप्रीम कोर्ट को भी ये सवाल पूछना चाहिए कि एफआईआर दर्ज हुई या नहीं? बिना एफआईआर दर्ज किए ही एसआईटी की जांच हुई है। सीएम योगी ने शुक्रवार को बस्ती जिले के हरैया में सपा और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला।

पार्टी फंड के नाम पर रामगोपाल ने 800 करोड़ जुटाए

रायपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोल लेवी घोटाले में गिरफ्तार कांग्रेस के पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल पर जांच एजेंसी ने गंभीर आरोप लगाए हैं। आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा का दावा है कि पार्टी फंड के नाम पर करीब 800 करोड़ रुपए जुटाए गए। एजेंसी का यह भी दावा है कि इस फंड की एंट्री और उसका मैनेजमेंट रामगोपाल अग्रवाल के जरिए किया जाता था। ईओडब्ल्यू के मुताबिक, यह रकम बोरी और कार्टन में भरकर कांग्रेस भवन लाई जाती थी, जिसके बाद हवाला नेटवर्क के जरिए दिल्ली भेजी जाती थी। जांच में यह भी सामने आया कि रायपुर छोड़ने के बाद वे ओडिशा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना समेत 8 राज्यों में रहे। इस दौरान उन्होंने पुरी, वाराणसी और प्रयागराज जैसे धार्मिक स्थलों पर दर्शन किए और विशेष पूजा भी कराई।

ग्रामीणों ने तो कमाल कर दिया! 15 दिनों में बारिश का 31 करोड़ लीटर पानी बचाया

रायपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। 'जल है तो जीवन है।' छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में, पानी की भारी कमी का सामना कर रहे लोगों ने मिलकर इस समस्या से निपटने के लिए जमीनी स्तर पर पानी बचाने का एक शानदार अभियान शुरू किया। सिर्फ 15 दिनों में, लाखों लोगों ने खेतों और जंगलों में पानी जमा करने के ढांचे बनाने और बारिश का पानी इकट्ठा करने के लिए अपने घरों में सोक पिट (सोखने वाले गड्ढे) बनाए हैं। इन लोगों की कोशिशों का नतीजा भी दिखाई देने लगा है। मॉनसून की पहली बारिश के साथ ही जिले में लगभग 31 करोड़ लीटर पानी का संरक्षित करने का काम किया है। पहले यह पानी नालों और नदियों में बहकर बर्बाद हो जाता था। यहां के लोगों ने पानी की समस्या से निपटने के लिए यह पहल शुरू की थी। अब उनकी यह पहल जन-भागीदारी का एक ऐसा मॉडल बन गई जिसके चर्चा पूरे राज्य में हो रही है। जिले में पानी की समस्या को खत्म करने के लिए इनकी पहल नई उम्मीद और आगे बढ़ने का एक टिकाऊ रास्ता बन गई है। बता दें कि महासमुंद जिला लंबे समय से पानी की कमी और गिरते भूजल स्तर की समस्या से जूझ रहा है।

खरीफ और रबी दोनों मौसमों में ज़िले में बड़े पैमाने पर धान की खेती ने भूजल संसाधनों पर दबाव बढ़ाया है, जिससे पिछले कुछ सालों में पानी का स्तर लगातार गिर रहा है। नतीजतन, कई इलाकों में गर्मी में पानी की भारी किल्लत होती है, जो यहां के रहने वाले लोगों के लिए एक चुनौती बनती जा रही थी। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए, जिला प्रशासन और स्थानीय समुदाय एक साझा लक्ष्य के साथ एकजुट हुए। पानी बचाने के काम को एक अलग-थलग प्रयास से बदलकर एक जन-आंदोलन बनाना। मेरा गांव, मेरा पानी 2.0 अभियान जिले में पानी बचाने की कोशिशों का मुख्य आधार बन गया। इस पहल के तहत, प्रशासन ने 551 ग्राम पंचायतों और 1,140 से ज़्यादा गांवों में बड़े पैमाने पर जमीन के नीचे पानी का स्तर बढ़ाने और बारिश का पानी इकट्ठा करने (रेनवाटर हार्वेस्टिंग) के अभियान शुरू किए। लाखों ग्रामीणों ने अपनी मर्ज़ी से इस अभियान में हिस्सा लिया और स्थानीय जल स्रोतों को फिर से ठीक करने और बचाने में मदद की।

कब और कैसे गाया जाएगा राष्ट्रगान-राष्ट्रगीत?

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने सभी राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन और केंद्र सरकार के मंत्रालयों को नए निर्देश जारी किए हैं। इनमें राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत को गाने और बजाने से जुड़े नियमों को दोहराया गया है और इनका सख्ती से पालन करने को कहा गया है। नौ जुलाई को जारी एक पत्र में गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और प्रशासकों के साथ-साथ केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों के सचिवों को पत्र भेजा। इस पत्र के साथ राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान से जुड़े पहले से जारी आदेश भी भेजे गए हैं। गृह मंत्रालय ने कहा, इन आदेशों में उन सभी अवसरों की पूरी सूची दी गई है, जहां राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत को गाना या बजाना जरूरी है। साथ ही उन अवसरों की भी जानकारी दी गई है, जहां इन्हें गाया या बजाया जा सकता है। इन आदेशों में यह भी बताया गया है कि जब किसी एक कार्यक्रम में दोनों को प्रस्तुत करना हो, तो कार्यक्रम की शुरुआत और अंत में इनके उपयोग के क्या नियम होंगे। गृह मंत्रालय ने दोहराया कि जब भी राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान दोनों एक साथ प्रस्तुत किए जाएं, तो सबसे पहले राष्ट्रगीत गाया या बजाया जाएगा और उसके बाद राष्ट्रगान होगा।

मंत्रालय ने यह भी साफ किया कि जिन राज्यों में राज्य गीत भी प्रस्तुत किया जाता है, वहां राज्य गीत को भी राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के साथ गाया या बजाया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि जब राज्य गीत, राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान तीनों एक साथ प्रस्तुत किए जाएं, तो राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान दोनों प्रस्तुत किए जाएंगे।

35 नहीं, 65 करोड़ की अवैध दौलत का मालिक निकला रिटायर्ड एआरटीओ ललित कुमार

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी सरकार के परिवहन विभाग के सेवानिवृत्त असिस्टेंट रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिसर (एआरटीओ) ललित कुमार के पास से विजिलेंस विभाग ने बड़ी मात्रा में नगद राशि और सोना-चांदी के साथ 15 संपत्तियों के दस्तावेज भी बरामद किए हैं। विजिलेंस की जांच में फिलहाल यह आकलन किया गया है कि ललित कुमार के पास 35 करोड़ की संपत्ति है। हालांकि वास्तव में इस पूर्व ट्रांसपोर्ट अधिकारी के पास करीब 65 करोड़ रुपये की संपत्ति है।

विजिलेंस विभाग के अधिकारियों ने ललित कुमार के लखनऊ शहर के अलीगंज में स्थित मकान में छुपाकर रखे गए 1.62 करोड़ रुपये नकद बरामद किए हैं। अधिकारियों ने इसके अलावा 13 किलोग्राम सोना और 9 किलोग्राम चांदी भी जब्त की है, जिनकी कीमत लगभग 20 करोड़ रुपये है।

विजलेंस अधिकारियों को ललित कुमार के पास से लखनऊ, नोएडा, बाराबंकी और रायबरेली में करीब 13 करोड़ रुपये मूल्य की 15 अचल संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज भी मिले हैं। यह संपत्तियां 13 करोड़ रुपये की तब थीं जब ये खरीदी गई थीं। आज इन संपत्तियों के दाम दोगुने से अधिक बढ़ चुके हैं। इन 15 संपत्तियों की वर्तमान बाजार कीमत 30 करोड़ रुपये से अधिक है। यदि ललित कुमार के पास से जब्त की गई चल संपत्तियों को उसकी 15 अचल संपत्तियों की मौजूदा कीमत के साथ जोड़ा जाए तो उनके पास वास्तव में कम से कम 65 करोड़ की दौलत है।

रिटायर एआरटीओ ललित कुमार बुधवार को विजलेंस के छापे की कार्रवाई के दौरान अधिकारियों को गुमराह करते रहे। उनके पास मिली संपत्तियों और बेशुमार सोना-चांदी के बारे में उनसे पूछताछ की गई। ललित कुमार ने कहा कि वह सब उन्हें ससुराल से गिफ्ट में मिला था। जब अधिकारियों ने उनके बैंक खातों से संपत्तियां खरीदने के लिए किए गए ट्रांजेक्शन सामने रखकर सवाल पूछे तो वे कोई जवाब नहीं दे सके।

विजिलेंस ने ललित कुमार के ठिकानों पर छापे की कार्रवाई का पूरा ब्योरा गुरुवार को कोर्ट में प्रस्तुत कर दिया।

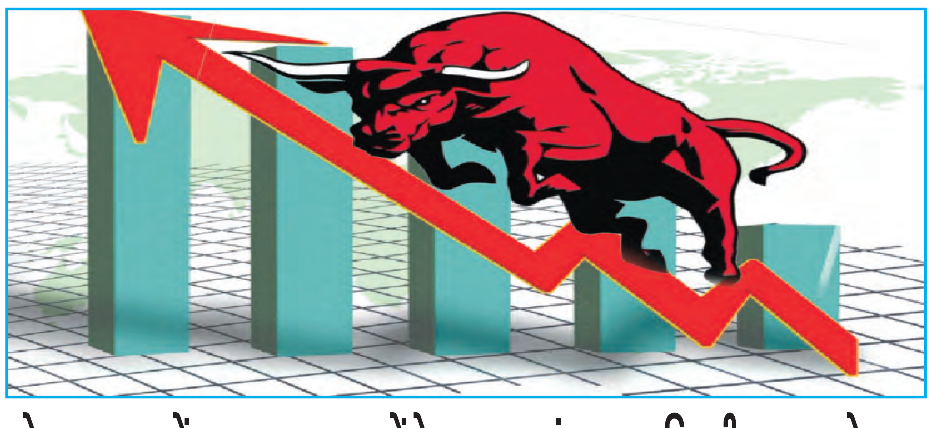

शेयर बाजार में मजबूत उछाल; सेंसेक्स 828 अंक चढ़ा, निफ्टी 24200 के पार

मुंबई , 10 जुलाई (एजेंसियां)। शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में जोरदार वृद्धि दर्ज की गई। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में 1 फीसदी से अधिक का उछाल आया। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस के बेहतर तिमाही नतीजों और सकारात्मक वैश्विक संकेतों ने निवेशकों के उत्साह को बढ़ाया। छोटे और मझोले बाजार ने भी बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी स्मॉलकैप 100 और निफ्टी मिडकैप 100 सूचकांकों में 1.5 फीसदी तक की वृद्धि हुई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और रियल एस्टेट के शेयर सबसे आगे रहे। बाजार में चौतरफा खरीदारी देखने को मिली। भारतीय शेयर बाजार में यह उछाल कई कारणों से आया। टीसीएस के तिमाही नतीजे उम्मीद के मुताबिक रहे। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा। वैश्विक बाजारों से भी सकारात्मक संकेत मिले। इन सभी कारकों ने बाजार को ऊपर उठाने में मदद की। वैश्विक बाजारों का क्या हाल रहा?

शुक्रवार को वैश्विक बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। एसएंडपी 500 वायदा 0.1 फीसदी गिरा। नैस्डैक 100 वायदा में 0.2 फीसदी की गिरावट आई। वहीं, एमएससीआई एशिया प्रशांत सूचकांक 1.3 फीसदी चढ़ा। एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स सूचकांक में 1.2 फीसदी की वृद्धि हुई। जापान का टॉपिक्स 0.6 फीसदी और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.3 फीसदी बढ़ा। हांगकांग का हैंग सेंग 1.3 फीसदी और शंघाई कंपोजिट 0.2 फीसदी ऊपर रहा। यूरो स्टॉक्स 50 वायदा 0.2 फीसदी नीचे आया।

सोना सस्ता होगा या महंगा

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। साल 2026 की दूसरी छमाही में सोने की कीमतें सीमित दायरे में रहने की उम्मीद है, लेकिन आर्थिक या फिर भू-राजनीतिक तनाव के एक बार फिर से बढ़ने से इसमें तेजी आने की संभावना है, वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल ने अपनी मिड ईयर गोल्ड आउटलुक 2026 में यह बताया है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार मौजूदा मैक्रो परिस्थितियों में 2026 की दूसरी छमाही के दौरान सोने का भाव लगभग 4,100 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के आसपास से 5 प्रतिशत तक गिर सकता है। हालांकि परिषद के परिदृश्य से पता है कि सोना 4,500 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस की अपनी ऊपरी प्रवृति को फिर से शुरू कर सकता है यदि वैश्विक स्तर पर कोई स्पष्ट संकेत मिलते हैं तो सोने की कीमतें 4,500 से 5,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस तक बढ़ सकती हैं।

सोने की कीमतों में तेजी आने की तीन वजहें

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार तीन वजहों से सोने में तेजी आने की संभावना बनती है, पहली बिगड़ती आर्थिक और भू-राजनीतिक परिस्थितियों, ब्याज दरों बदलाव और दीर्घकालिक निवेशकों की बढ़ती भागीदारी प्रमुख हैं। रिपोर्ट के अनुसार वित्तिय बाजार में अस्थिरता और भू-राजनीतिक जोखिम ने ऐतिहासिक रूप से सोने की कीमतों को बढ़ाया है। देखा जाए तो जीपीआर सूचकांक में हर महीने 100 अंकों की वृद्धि से सोने की कीमतों में 2.5 प्रतिशत तक बढ़ोतरी होती है। हालांकि फेडरल बैंक की ब्याज दरों में नरम रुख अपनाने की उम्मीद से सोने को लाभ मिल सकता है।

रिपोर्ट बताती है, 2026 में वैश्विक अर्थव्यवस्था में सालाना आधार पर 2.9 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है, जबकि अमेरिका में यह दर 2.1 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। वहीं अमेरिका में मुद्रास्फीति दूसरी तिमाही में लगभग 3.9 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। जबकि वैश्विक मुद्रास्फीति का साल भर का अनुमान 4.3 प्रतिशत है। अगर मुद्रास्फीति लगातार उच्च स्तर पर बनी रहती है, तो यह सोने के लिए लाभकारी हो सकती है, क्योंकि मुद्रास्फीति स्थिर रहने से सोने की कीमतों में वृद्धि होती है। वहीं अमेरिकी डॉलर की स्थिति भी महत्वपूर्ण है, वो भी काफी अलग बनी हुई है।

सोने की मांग के दो प्रमुख क्षेत्र पहले केंद्रीय बैंक और दूसरा भारत

रिपोर्ट ने सोने की मांग पर प्रकाश डालते हुए बताया है, केंद्रीय बैंक और भारत जहां सबसे अधिक मांग है। भारत सोने की मांग के मामले में दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। जिसकी सालान मांग 800 टन है। अप्रैल की शुरुआत से सरकार ने आयात शुल्क को 6 प्रतिशत बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है और भारतीय रुपये पर दबाव की वजह से उपभोक्ताओं को सोने की खरीदारी नहीं करने के आग्रह और आयात कम करने के संदेश जारी किए गए हैं। इसलिए काउंसिल का अनुमान है, शुल्क में वृद्धि होने की वजह से आभूषण, सोने की छड़ों और सिक्कों की मांग में 50-60 टन यानी 10 प्रतिशत की कमी आने की संभावना है।

रिपोर्ट के अनुसार केंद्रीय बैंकों ने साल 2022 से औसतन 1,000 टन प्रति वर्ष सोना खरीदा है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल ने अनुमान है, 600 टन प्रतिवर्ष के दीर्घकालिक औसत से अधिक भंडार में 20 से 30 टन की अतिरिक्त वृद्धि से सोने की कीमतें में लगभग 1 प्रतिशत की वृद्धि होनी चाहिए। धन कोष, पेंशन कोष, बीमा कंपनियों सहित लंबी अवधि के परिसंपत्ति धारक भी अपनी भागीदारी सोने में बढ़ा रहे हैं।

भारत पेट्रोल-डीजल का एक्सपोर्ट बढ़ाने की तैयारी में

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। भारत अपनी जरूरत का करीब 90% कच्चा तेल आयात करता है। इसके बावजूद वह रिफाइंड पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स में दुनिया के सबसे बड़े एक्सपोर्टर्स में से एक है। पिछले फाइनेंशियल ईयर में भारत का पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का एक्सपोर्ट $46.8 अरब था जो आने वाले कुछ वर्षों में एक-चौथाई तक बढ़ सकता है। इसकी वजह यह है कि सरकारी कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन दिसंबर 2026 तक नई रिफाइनिंग कैपेसिटी चालू करने जा रही है। यह कंपनी का अब तक का सबसे बड़ा विस्तार प्रोग्राम है। 75,000 करोड़ के इस विस्तार प्रोजेक्ट में अब तक 53,500 करोड़ से ज्यादा खर्च किए जा चुके हैं।

इस सरकारी तेल कंपनी की कैपेसिटी बढ़ने से उसकी सालाना रिफाइनिंग कैपेसिटी 80.75 मिलियन टन से बढ़कर 98.05 मिलियन टन पहुंच जाएगी। कंपनी के एक सीनियर अधिकारी ने ईटी को बताया कि घरेलू जरूरतें पूरी करने के बाद जो भी अतिरिक्त कैपेसिटी बचेगी, उसे एक्सपोर्ट करने की कोशिश की जाएगी। इससे कुल रेवेन्यू में एक्सपोर्ट का हिस्सा मौजूदा 5% से बढ़कर लगभग 15% हो सकता है।

भारत की कैपेसिटी

हालांकि अधिकारी ने साफ किया कि कंपनी किसी तय एक्सपोर्ट टारगेट के साथ काम नहीं करती है और उसकी प्राथमिकता हमेशा घरेलू बाजार ही रहती है। इस विस्तार में पानीपत, वड़ोदरा और बरौनी की रिफाइनरियां शामिल हैं। पानीपत की रिफाइनरी की कैपेसिटी 15 मिलियन टन से बढ़ाकर 25 मिलियन टन, वड़ोदरा की 13.7 मिलियन टन से बढ़ाकर 18 मिलियन टन और बरौनी की कैपेसिटी 6 मिलियन टन से 9 मिलियन टन की जा रही है। ये तीनों प्रोजेक्ट नवंबर-दिसंबर 2026 तक चालू हो जाएंगे।

भारत की मौजूदा रिफाइनिंग कैपेसिटी लगभग 258.1 मिलियन टन है जबकि देश में पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की खपत लगभग 239 मिलियन टन है। हालांकि, रिफाइनरीज आमतौर पर अपनी कैपेसिटी के 105-115% पर काम करती हैं। इससे सालाना प्रोडक्शन लगभग 300 मिलियन टन तक पहुंच जाता है। इस तरह करीब 61.5 मिलियन टन का अतिरिक्त प्रोडक्शन एक्सपोर्ट कर दिया जाता है।

रिलायंस की हिस्सा

भारत के रिफाइंड फ्यूल एक्सपोर्ट का लगभग 70% हिस्सा रिलायंस इंडस्ट्रीज से आता है। इसकी जामनगर रिफाइनरी की सालाना कैपेसिटी 70 मिलियन टन है। आईओसीएल की क्षमता बढ़ने से अतिरिक्त उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा विदेशी बाजारों के लिए उपलब्ध होगा। अगर इसे एक्सपोर्ट किया जाता है, तो इससे भारत के पेट्रोलियम प्रोडक्ट एक्सपोर्ट में काफी बढ़ोतरी हो सकती है। इससे देश की स्थिति एक ग्लोबल रिफाइनिंग हब के तौर पर मजबूत होगी और विदेशी मुद्रा की कमाई भी बढ़ेगी।

डोनाल्ड ट्रंप के बेटे की जिद ने डुबोए 5700 करोड़ रुपये

कंगाल होने की कगार पर आई क्रिप्टो कंपनी

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे एरिक ट्रंप की क्रिप्टोकरेंसी कंपनी अमेरिकन बिटकॉइन कॉर्प इस समय गहरे संकट में है। बिटकॉइन के मंदी के दौर में जाने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की मांग बढ़ने के कारण निवेशकों ने उन कंपनियों को प्राथमिकता दी जो अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को एआई डेटा सेंटरों में बदल सकती थीं।

इसके विपरीत, अमेरिकन बिटकॉइन कॉर्प अपनी पुरानी क्रिप्टो रणनीति पर ही टिकी रही। इसके परिणामस्वरूप कंपनी के शेयरों में उसके उच्चतम स्तर से 95% से अधिक की गिरावट आई है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, पिछले 10 महीनों में एरिक ट्रंप की हिस्सेदारी के बाजार मूल्य में 600 मिलियन डॉलर (करीब 5700 करोड़ रुपये) से अधिक की कमी आई है। नैस्डैक पर अपनी लिस्टिंग बनाए रखने के लिए कंपनी को 1 के मुकाबले 15 (1 for 15) रिवर्स स्टॉक स्प्लिट का सहारा लेना पड़ा है और बुधवार को इसके शेयर की कीमत सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गई थी।

क्या है कंपनी का रुख?

जहां अन्य अमेरिकी माइनिंग कंपनियों ने एआई के लिए अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को लीज पर देकर इस साल अपने शेयरों में औसतन 60% से अधिक की बढ़त दर्ज की, वहीं अमेरिकन बिटकॉइन कॉर्प के शेयर 77% तक गिर गए। इसके बावजूद, कंपनी के अधिकारियों और एरिक ट्रंप का मानना है कि क्रिप्टोकरेंसी अंततः सबसे अधिक रिटर्न देगी और मंदी के समय इसे जमा करना फायदेमंद होगा।

सिंगापुर की कंपनी ने अडानी ग्रुप में बड़ा निवेश किया

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। सिंगापुर की एसेट मैनेजमेंट कंपनी हेलिओस कैपिटल ने अडानी ग्रुप पर बड़ा दांव लगाया है। एसेट मैनेजर ने दूसरी तिमाही में अपने तीन फंडों के जरिए अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के लगभग 770,000 शेयर खरीदे। इनमें से दो फंड पहली बार खरीदार बने थे। उसे उम्मीद है कि यह स्टॉक उनके फंड के लिए अगला बड़ा विनर साबित होगा। अडानी ग्रुप देश का तीसरा बड़ा औद्योगिक घराना है। इसका बिजनेस कई क्षेत्रों में फैला है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक हेलिओस के फाउंडर समीर अरोड़ा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा कि अडानी ग्रुप से जुड़ी कानूनी और साख संबंधी चिंताओं के कम हुई हैं। साथ ही ग्रुप पोर्ट्स एवं उभरते एनर्जी वेंचर्स में अपना कारोबार बढ़ा रहा है। इससे उसमें निवेश की संभावना मजबूत हुई है। हेलिओस, कैपिटल ग्रुप और SBI फंड्स मैनेजमेंट जैसे अन्य निवेशकों के साथ अडानी ग्रुप में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहा है।

अरोड़ा ने कहा, हमें हमेशा उनका काम करने का तरीका पसंद आया है। हमारे पास अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन के शेयर हैं। इसलिए हम अडानी ग्रुप को जानते हैं। अरोड़ा के 75.8 अरब रुपये वाले हेलिओस फ्लेक्सी कैप फंड ने पिछले साल लगभग 8% का रिटर्न दिया। अपने बड़े

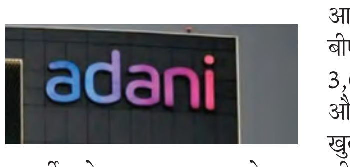

एनर्जी एसेट्स का लाभ उठाते हुए अडानी ग्रुप डेटा सेंटर्स और डिजिटल विस्तार में लगभग 100 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना बना रहा है।

अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर आज तेजी के साथ ट्रेड कर रहा है। बीएसई पर पिछले सत्र में यह 3,085.30 रुपये पर बंद हुआ था और आज 3,100.05 रुपये पर खुला। कारोबार के दौरान यह 2.5 फीसदी से ज्यादा तेजी के साथ 3,173 रुपये तक उछला। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 3,245 रुपये और न्यूनतम स्तर 1,753.45 रुपये है।

अदाणी ग्रुप ने फ्रांस की कंपनी के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। अदाणी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) और फ्रांस की क्लीन-टेक कंपनी डायोक्सिकल ने भारत में कम-कार्बन (लो-कार्बन) केमिकल उत्पादन को विकसित करने और बड़े स्तर पर बढ़ाने के लिए दीर्घकालिक साझेदारी की घोषणा की है। कंपनी ने बताया कि इस पहल की शुरुआत अदाणी ग्रुप के एक प्लांट में पायलट परियोजना से होगी, जहां कैप्चर किए गए कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) और नवीकरणीय बिजली (रेनेवेबल इलेक्ट्रिसिटी) की मदद से फॉर्मिक एसिड का उत्पादन किया जाएगा। पायलट परियोजना सफल रहने के बाद इस तकनीक को व्यावसायिक स्तर पर लागू किया जाएगा। फॉर्मिक एसिड और उससे जुड़े उत्पादों का इस्तेमाल वस्त्र (टेक्सटाइल), कृषि और विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) सहित कई उद्योगों में व्यापक रूप से किया जाता है। इस परियोजना का उद्देश्य यह दिखाना है कि कैप्चर किए गए कार्बन उत्सर्जन को स्वच्छ ऊर्जा की मदद से उपयोगी औद्योगिक उत्पादों में बदला जा सकता है।

कोटक निफ्टी का ईटीएफ लॉन्च

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड कोटक म्यूचुअल फंड को कोटक निफ्टी प्राइवेट बैंक ईटीएफ लॉन्च करने की घोषणा की। यह एक ओपन-एंडेड स्कीम है जो निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स को ट्रैक करती है। यह स्कीम पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए खुली है जो 15 जुलाई को बंद होगी।

निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स प्राइवेट सेक्टर के टॉप 10 बैंकों के परफॉर्मेंस को ट्रैक करता है। लॉन्च के मौके पर कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर नीलेश शाह ने कहा, कोटक म्यूचुअल फंड में, हम ऐसे नए निवेश समाधान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो निवेशकों की बदलती ज़रूरतों के हिसाब से हों। निवेशकों को भारत के टॉप प्राइवेट सेक्टर बैंकों की ग्रोथ में शामिल होने का एक आसान और किफायती तरीका देता है। यह ईटीएफ निवेशकों को नियम-आधारित निवेश के तरीके से फाइनेंशियल सेक्टर के एक अहम हिस्से में अलग-अलग तरह से निवेश करने का मौका देता है।

सरकार ने चुन-चुनकर बताए ई20 पेट्रोल के फायदे

लोगों की यह मांग कर दी खारिज, कहा- संभव ही नहीं है

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। E20 पेट्रोल विवाद के बीच केंद्र सरकार ने इस मामले में सीधी कमान संभाल ली है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने साफ किया है कि E20 पेट्रोल यानी 20% इथेनॉल मिले पेट्रोल के इस्तेमाल से गाड़ियों का माइलेज 3 से 5% तक थोड़ा कम हो सकता है। वहीं मंत्रालय का कहना है कि इस नुकसान से कहीं ज्यादा इसके फायदे हैं। इसके अलावा सरकार ने पेट्रोल पंप पर सादा पेट्रोल, E10 और E20 को अलग-अलग बेचने की मांग खारिज कर दी।

इस नए ईंधन को लेकर उठ रहे सवालों पर मंत्रालय ने एक जवाब जारी किया है। सरकार का कहना है कि E20 पेट्रोल पहले वाले E10 या सादे पेट्रोल के मुकाबले ज्यादा साफ और बेहतर क्वालिटी का है। इसे ऐसे ही नहीं लाया गया, बल्कि सालों तक वैज्ञानिकों की जांच और कार-बाइक कंपनियों की सलाह के बाद ही पूरे देश में शुरू किया गया है।

सरकार ने बड़े फायदेः बेहतर परफॉर्मेंस और पिकअपः इस ईंधन की ऑक्टेन रेटिंग हाई है, जिससे गाड़ी का पिकअप बेहतर होता है और एक्सीलरेशन बहुत स्मूथ हो जाता है।

इंजन की लंबी उम्रः इ20 पेट्रोल से इंजन के अंदरूनी हिस्सों में कंबशन (सफाई से ईंधन का जलना) बेहतर होता है, जिससे इंजन अंदर से बिल्कुल साफ रहता है और उसकी लाइफ बढ़ती है।

प्रदूषण से मुक्तिः यह पारंपरिक या सादे पेट्रोल के मुकाबले बेहद साफ और उच्च गुणवत्ता वाला ईंधन है, जिससे कार्बन उत्सर्जन में भारी कमी आती है और पर्यावरण सुरक्षित रहता है। जल्दबाजी के आरोपों को खारिज करते हुए मंत्रालय ने बताया कि यह पर्यावरण-अनुकूल कदम अचानक नहीं उठाया गया। भारत में इसका ट्रायल साल 2001 में ही शुरू हो गया था। सरकार ने पूरी तैयारी के साथ तय समय से पहले ही 2022 में 10% और अब 2025-26 में 20% मिक्सिंग का लक्ष्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। पुरानी गाड़ियों को लेकर चिंता जताए जाने पर मंत्रालय ने कहा कि इस फ्यूल को लागू करने से पहले हर तरह से टेस्ट किया गया था कि इससे इंजन खराब होता है या नहीं या कहीं जंग तो नहीं लगती।

मारुति सुजुकी और हीरो मोटोकॉर्प जैसी बड़ी कंपनियों ने भी बताया है कि सड़क पर चल रही उनकी गाड़ियों में इस पेट्रोल की वजह से जंग लगने या कोई पुर्जा खराब होने की कोई शिकायत नहीं आई है। कुछ लोग मांग कर रहे थे कि पेट्रोल पंपों पर सादा पेट्रोल, E10 और E20 तीनों अलग-अलग मिलने चाहिए। मंत्रालय ने इस मांग को खारिज करते हुए कहा कि देश में एक लाख से ज्यादा पेट्रोल पंप हैं। सब जगह तीन अलग-अलग तरह के पेट्रोल की सप्लाई बनाए रखना बहुत मुश्किल काम है और इससे खर्च भी बहुत बढ़ जाएगा।

कीमतों पर बात करते हुए मंत्रालय ने साफ किया कि E20 पेट्रोल सादे पेट्रोल से सस्ता नहीं होगा।

12% से ज्यादा अल्कोहल वाली दवा बिना प्रिस्क्रिप्शन नहीं मिलेगी

कफ सिरप और टॉनिक पर असर, मेडिकल स्टोर्स को 3 साल का रिकॉर्ड रखना होगा

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने 12% से ज्यादा अल्कोहल मिक्स दवाओं की खुली बिक्री पर रोक लगा दी है। अब ये दवाएं डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के बिना खरीदी या बेची नहीं जा सकेंगी। दवाओं के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए सरकार ने ड्रग्स रूल्स, 1945 में यह बदलाव किया है।

नए नियम के तहत उन सभी पीने वाली दवाओं को 'शेड्यूल H1' कैटेगरी में शामिल कर दिया गया है। इनमें एथिल अल्कोहल की मात्रा 12% से ज्यादा होती है और जो 30 मिलीलीटर से बड़ी बोतल में बेची जाती हैं।

मेडिकल स्टोर्स के लिए भी खास निर्देश हैं। अब मेडिकल स्टोर्स को इन दवाओं की बिक्री का पूरा रिकॉर्ड एक अलग रजिस्टर में रखना होगा। इस फैसले का आम मरीजों, मेडिकल स्टोर्स और पब्लिक हेल्थ पर क्या असर पड़ेगा?

जिन सिरप में अल्कोहल की मात्रा काफी ज्यादा होती है। बिना रोक-टोक

या डॉक्टर की पर्ची के मिलने से कई लोग इनका इस्तेमाल नशे के लिए करने लगे थे। इसी दुरुपयोग को रोकने और दवाओं की बिक्री की सख्ती से निगरानी के लिए सरकार ने यह कदम उठाया है। दवाओं के गलत इस्तेमाल की बढ़ती चिंताओं को देखते हुए सरकार की रेगुलेटरी कमेटियों- ड्रग्स कंसल्टेटिव कमेटी और ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड ने इस पर समीक्षा की थी। इन कमेटियों की सिफारिशों के बाद ही सरकार ने कानून में यह संशोधन लागू किया है। शेड्यूल H1 के तहत आने के बाद अब फार्मेसी या मेडिकल स्टोर्स को ये 3 मुख्य काम करने होंगे

हर एक बिक्री की डिटेल (मरीज का नाम, दवा की मात्रा, डॉक्टर का नाम) एक रजिस्टर में दर्ज करनी होगी। इन पर्चों और बिक्री के रिकॉर्ड को कम से कम 3 साल तक सुरक्षित रखना होगा, ताकि ड्रग रेगुलेटर्स कभी भी इसकी जांच कर सकें।

दवाओं में सीमित मात्रा में एथिल अल्कोहल का इस्तेमाल एक सॉल्वेंट या प्रिजर्वेटिव (दवा को सुरक्षित रखने और घोलने) के रूप में किया जाता है, जो क्लीनिकल तौर पर जरूरी है। यह आमतौर पर हानिकारक नहीं होता। हालांकि, जर्नल ऑफ मेडिकल टॉक्सिकोलॉजी की 2024 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अगर ऐसी दवाओं का बिना डॉक्टरी सलाह के या जरूरत से ज्यादा सेवन किया जाए, तो यह बच्चों, बुजुर्गों और लिवर के मरीजों के लिए गंभीर साइड इफेक्ट्स पैदा कर सकता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन भी हमेशा दवाओं के तर्कसंगत और सीमित इस्तेमाल पर जोर देता है। इसके तहत दवाओं को केवल तभी लिखा और बेचा जाना चाहिए, जब उनकी वाकई में क्लीनिकल जरूरत हो।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग कलि वर्ष, - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकलें
मास - आषाढ़ शनिवार, 11 July 2026
तिथि - कृष्ण पक्ष द्वादशी 02-04 तक उपरान्त त्रयोदशी
नक्षत्र - कृत्तिका 11-03 तक उप रोहिणी
योग - गण्ड 00-05 रात्रि तक उप वृद्धि
करण - कौलव 15-46 तक उप तैतिल

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन	मिथुन	04-04 बजे
चंद्र	वृष	कर्क	06-16 बजे
मंगल	वृष	सिंह	08-29 बजे
बुध	मिथुन	कन्या	10-36 बजे
गुरु	कर्क	तुला	12-41 बजे
शुक्र	सिंह	वृश्चिक	14-50 बजे
शनि	मीन	धनु	17-04 बजे
राहु	कुंभ	मकर	19-10 बजे
केतु	सिंह	कुंभ	21-01 बजे
		मीन	22-40 बजे
		मेष	00-16 बजे
		वृष	02-00 बजे

विशेष: योगिनी एकादशी व्रत वै निम्बार्क सर्वार्थसिद्ध योग 11-04 से

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 09-06 से 10-44 तक

श्री पंचांगुलि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल 05-52 - 07-28	अशुभ	लाभ 18-50 - 20-16	शुभ
शुभ 07-28 - 09-06	शुभ	उत्पात 20-16 - 21-38	अशुभ
रोग। 09-06 - 10-44	अशुभ	शुभ 21-38 - 22-59	शुभ
उत्पात 10-44 - 12-22	अशुभ	अमृत. 22-59 - 00-22	शुभ
चंचल 12-22 - 13-59	शुभ	चंचल 00-22 - 01-44	शुभ
लाभ 13-59 - 15-38	शुभ	रोग 01-44 - 03-06	अशुभ
अमृत 15-38 - 17-16	शुभ	काल 03-06 - 04-28	अशुभ
काल 17-16 - 18-50	अशुभ	लाभ 04-28 - 05-52	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आज आपको यह अनुभव करने की जरूरत है कि अतीत में किये गलत व्यवहार से आपको कोई लाभ होने वाला नहीं है। आपको अपने अतीत से सीखना जरूर है, परन्तु उसे पकड़े रहने से काम नहीं बनेगी। अगर आप आज यह समझ पाने में कामयाब हो जाते हैं तो पिछले कुछ समय से आपके जीवन में चली आ रही कई समस्याओं को सुलझाने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। आज का दिन आपके कार्य क्षेत्र एवं परिवार के बीच संतुलन होगा। पिछले कुछ दिनों से आपको दोनों तरफ कार्य भार देना पड़ा है।

वृष इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपको यह अनुभव करने की जरूरत है कि अतीत में किये गलत व्यवहार से आपको कोई लाभ होने वाला नहीं है। आपको अपने अतीत से सीखना जरूर है, परन्तु उसे पकड़े रहने से काम नहीं बनेगी। अगर आप आज यह समझ पाने में कामयाब हो जाते हैं तो पिछले कुछ समय से आपके जीवन में चली आ रही कई समस्याओं को सुलझाने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। आज का दिन आपके कार्य क्षेत्र एवं परिवार के बीच संतुलन होगा। पिछले कुछ दिनों से आपको दोनों तरफ कार्य भार देना पड़ा है।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,
कुछ समय से आपके व्यय बढ़ रहे थे पर आज से आप इन सब में एक खुशनुमा बदलाव देखेंगे। आखिरकार आपका भाग्य आपका साथ देगा और आपके खर्चों में काफी हद तक नियंत्रण में आयेंगे और माहौल बदलता हुआ सा नजर आएगा जिससे आपकी आमदनी बढ़ेगी पर आपको अत्यधिक सावधानी से आगे बढ़ना है।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,
आज आपको लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। उन क्षेत्रों को देखे जहा पहले आपने कार्य नहीं किया है। अन्वेषण आप के लिए आज महत्वपूर्ण रहेगा। आपको कुछ सार्थक मिल सकता है। अगर आप अपनी नौकरी स्थानांतरण की योजना बना रहे हैं, तो आज का दिन काफी शुभ हो सकता है।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,
आपके कार्यस्थल पर तनाव का माहौल है। यह तनाव का माहौल आपकी वजह से नहीं बल्कि, व्यापार में कुछ भारी नुकसान की वजह से हो सकता है। अपने आप में नकारात्मक ऊर्जा न भरें बल्कि इसके बजाय नकारात्मक विचारों को इस लहर के फेरे में आ रहे हैं, उन सभी लोगों को प्रेरित करना का प्रयास करें। आपके खर्चों का प्रबंधन करने के लिए विभिन्न स्रोतों से आवश्यक धन की प्राप्ति होगी।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज का दिन आपके लिए व्यस्त रहने की संभावना है क्योंकि आपकी उपस्थिति अलग अलग दिशाओं में वांछनीय होगी, हालांकि अपने व्यक्तिगत विकास के लिए आप अधिक से अधिक समय समर्पित करने की कोशिश करे। ऑनलाइन परीक्षाओं या प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन कुछ मार्गदर्शन की तलाश करें।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,
जो लोग विलासिता के सामान के व्यवसायों में शामिल हैं, वे लोग आज बहुत लाभ में रहेंगे और साथ ही साथ जो लोग स्वरोजगार में हैं, वे भी अपनी दरों में बढ़ोतरी कर सकते हैं और साथ ही साथ मन वांछित राशि की प्राप्ति कर सकते हैं। उन लोगों पर ध्यान न दें जो लोग आपकी सराहना करने में विफल रहते हैं।

वृश्चिक तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू,
एक दोस्त या एक गाइड के माध्यम से छात्रों को एक नया करियर विकल्प मिल सकता है और आप अपने करियर के रूप में इसे चुन सकते हैं पर आपको एक गहन अनुसंधान की सलाह दी जाती है। आज पेशेवरों में नयी उर्जा का संचार हो सकता है। यह किसी भी परियोजना को शुरू करने के लिए एक अच्छा दिन है।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
आपको आगे जाने से पहले अपने वित्तीय और कैरियर से संबंधित योजनाओं के अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों नतीजों पर विचार करना होगा। आपको कोई भी निर्णय लेने से पहले अपने कैरियर से संबंधित योजना का एक खाका तैयार करना होगा जिससे आप लाभ और हानि का विश्लेषण कर सके। दोबारा अपने निर्णय का पुनर्मूल्यांकन करें।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
जो लोग सेवा क्षेत्र में हैं, वे अपनी आय में बढ़ोतरी की उम्मीद कर सकते हैं हालाँकि अगर ऐसा नहीं होता है, तो आप खुलकर अपने विचारो को आवाज दे और ये सुनिश्चित करें की इसे सुना जायेगा। काम का बोझ जो दिन के मध्य में ऊँचा रहेगा परन्तु उम्मीद है कि दिन के अंत तक वह कम होगा।

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आपको अत्यधिक खर्चों का सामना करना पड़ सकता है इसलिए नहीं की वो खर्चे टाले नहीं जा सकते हैं बल्कि इसलिए की आप खुद उन खर्चों को करना चाहते थे। यह ठीक है की आप अपने मुश्किल समय के लिए पैसे बचाते हैं जो की बुद्धिमता वाला कदम है लेकिन आज आप अपने किसी खास व्यक्ति जो आपके बहुत निकट है के लिए किसी छोटी सी पार्टी का आयोजन कर सकते हैं।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
आपका भाग्य आपके वित्तीय उपक्रम का पूरा समर्थन दे रहा है एवं आपकी नौकरी भी काफी अच्छी है परन्तु आपको अपने धन पर ध्यान रखने की जरूरत है जैसे की हम सब जानते है की पैसे पेड़ पर नहीं उगते है। आपके अपव्यय करने की आदत से आपको अपने निकट के व्यक्तियों से आलोचना सुननी पड़ती है।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

> दो बीजेपी सरकारों में ठनी

राजस्थान बोला-हमारी वन भूमि पर मध्य प्रदेश का कब्जा

छिड़ा बड़ा सीमा विवाद

झालावाड़, 10 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच एक अनोखा अंतर्राज्यीय सीमा विवाद खड़ा हो गया है। दोनों ही राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं, लेकिन जब बात जमीन की आई, तो दोनों सरकारें आमने-सामने खड़ी हो गई हैं। राजस्थान ने मध्य प्रदेश पर झालावाड़ जिले में अपनी 871.10 हेक्टेयर आरक्षित वन भूमि पर अवैध कब्जा करने का गंभीर आरोप लगाया है। यह मामला तब और गरमा गया जब पता चला कि एमपी सरकार ने इस विवादित भूमि में से लगभग 130 हेक्टेयर हिस्सा एक निजी कंपनी को 100 मेगावाट के सोलर प्रोजेक्ट के लिए लीज पर दे दिया है।

1911 का नक्शा और वन कानून का हवाला

इस विवाद को लेकर राजस्थान के तेवर बेहद कड़े हैं। राजस्थान के 'हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्सेज' अरिजीत बनर्जी ने मध्य प्रदेश के वन बल प्रमुख को पत्र लिखकर साफ कर दिया है कि यह जमीन 1961 से राजस्थान के रिकॉर्ड में आरक्षित वन के रूप में अधिसूचित है, इसलिए यहां किसी भी तरह की गैर-वानिकी गतिविधि की अनुमति नहीं दी जा सकती।

भवानीमंडी के एसडीएम की रिपोर्ट में हुई पुष्टि

स्वामित्व साबित करने के लिए राजस्थान ने इतिहास के पन्ने पलटे हैं। झालावाड़ कलेक्टर की ओर से मंदसौर के डीएम को भेजे गए पत्र के अनुसार, 1911 के लैंड रिकॉर्ड के नक्शे में यह विवादित जमीन राजस्थान के सिंहपुर गांव का अभिन्न हिस्सा रही है। 1949 में राजस्थान के गठन के बाद से यह लगातार राज्य के राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है। हाल ही में 22 मई 2026 को भवानीमंडी के एसडीएम की रिपोर्ट में भी पुष्टि की गई है कि खसरा नंबर 1423 और 236/1 कानूनी रूप से राजस्थान की सीमा में आते हैं।

मध्य प्रदेश का पलटवार: 'हमारे नक्शे पर तो बना है राजस्थान का स्वागत द्वार'

दूसरी तरफ, मध्य प्रदेश सरकार ने राजस्थान के सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। एमपी के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव का तर्क है कि यह सोलर प्रोजेक्ट मंदसौर जिले की सुवासरा तहसील में आता है और जमीन पूरी तरह मध्य प्रदेश की है। यह प्रोजेक्ट एमपी जल निगम को राज्यभर में पीने के पानी की आपूर्ति के लिए आवंटित किया गया है। एमपी के अधिकारियों ने एक और दिलचस्प दावा ठोकते हुए कहा कि सीमा पर जो 'राजस्थान स्वागत द्वार' बना है, वह भी मध्य प्रदेश सरकार द्वारा तैयार किए गए नक्शों के आधार पर ही बनाया गया था। इसके अलावा, मध्य प्रदेश प्रशासन पिछले कई सालों से इस विवादित क्षेत्र की दो ग्राम पंचायतों में चुनाव संपन्न कराता आ रहा है, जो व्यावहारिक रूप से उनके अधिकार क्षेत्र को साबित करता है।

सियासी रसूख और प्रशासनिक टकराव

इस पूरे विवाद में एक सियासी एंगल भी सामने आ रहा है। सूत्रों के मुताबिक, जिस निजी कंपनी को सोलर प्रोजेक्ट का काम मिला है, उसके मालिकों के संबंध मध्य प्रदेश के ही एक केंद्रीय मंत्री से हैं। झालावाड़ वन विभाग ने फरवरी 2026 में कंपनी को काम रोकने का नोटिस दिया था, लेकिन राजस्थान का आरोप है कि एमपी प्रशासन और कंपनी के लोगों ने वन अधिनियमों का उल्लंघन करते हुए जेसीबी और भारी मशीनों से निर्माण कार्य जारी रखा।

मुख्य सचिव स्तर पर आपात मंथन

मामले की गंभीरता को देखते हुए राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्य की अगली रणनीति तय करने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है। वह इस विवाद पर पहले भी दो बार बैठकें कर चुके हैं। पर्यावरण मामलों के वकील तपेश्वर सिंह भाटी का कहना है कि यदि राजस्थान ने इस मामले को मजबूती से नहीं लड़ा, तो वह अपने रिकॉर्ड से करीब 870 हेक्टेयर का एक बड़ा वन क्षेत्र हमेशा के लिए खो देगा।

पंचायत और निकाय चुनावों से पहले राजस्थान में ओबीसी सर्वे शुरू

जयपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में आगामी पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए ओबीसी आरक्षण निर्धारित करने की दिशा में शुक्रवार को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) परिवारों का राज्यव्यापी डिजिटल सर्वेक्षण शुरू हो गया है।

राजधानी सर्वे मोबाइल ऐप के माध्यम से संचालित इस अभ्यास का उद्देश्य प्रामाणिक डेटा एकत्र करना है जो स्थानीय निकायों में सीटों के कानूनी रूप से अनुपालन योग्य आरक्षण का आधार बनेगा। राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनीतिक प्रतिनिधित्व) आयोग ने सभी जिलों में सर्वेक्षण शुरू कर दिया है, जिसका कार्य 23 जुलाई तक जारी रहेगा। कुल 51,168 सरकारी गणनाकर्ता राज्य भर के घरों में जाकर ओबीसी परिवारों की सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय स्थिति के बारे में डिजिटल रूप से जानकारी एकत्र करेंगे। यह डेटा राजनीतिक प्रतिनिधित्व का आकलन करने और ग्राम पंचायतों, नगर निकायों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों के चुनावों के लिए आरक्षण ढांचे का मार्गदर्शन करने में सहायक होगा। यह सर्वेक्षण ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों में ओबीसी के लिए आरक्षित सीटों के संशोधित आरक्षण रोस्टर को तैयार करने में निर्णायक भूमिका निभाने की उम्मीद है।यह सर्वेक्षण राजस्थान में पंचायत और नगर निकाय चुनावों में लंबे समय से चल रही देरी के बीच आया है। चुनाव कार्यक्रम को लेकर अनिश्चितता तब और बढ़ गई जब पूर्व विधायक संयम लोढ़ा ने 31 जुलाई तक स्थानीय निकाय चुनाव कराने के न्यायालय के पूर्व निर्देश के अनुपालन के संबंध में राजस्थान उच्च न्यायालय में अवमानना याचिका दायर की। हालांकि, संवैधानिक प्रावधानों और न्यायिक दिशा-निर्देशों के अनुसार, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और महिलाओं के लिए आरक्षण निर्धारित करने हेतु आवश्यक अद्यतन और विश्वसनीय आंकड़ों के अभाव के कारण चुनाव प्रक्रिया में देरी हुई है। आयोग के सचिव अशोक कुमार जैन ने कहा कि डिजिटल सर्वेक्षण का प्राथमिक उद्देश्य स्थानीय निकायों में ओबीसी राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर सटीक और अद्यतन आंकड़े जुटाना है। यह सर्वेक्षण पूरी तरह से राजधारा सर्वे मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जा रहा है।

राजस्थान पुलिस का बड़ा फैसला

सरकारी दस्तावेजों और बोलचाल में 'दलित' शब्द के इस्तेमाल पर पूर्ण रोक

जयपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस मुख्यालय ने एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक आदेश जारी करते हुए अनुसूचित जाति वर्ग के लिए 'दलित' शब्द के प्रयोग को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया है। अब पुलिस महकमे में न तो किसी भी प्रकार के आधिकारिक शब्दावली का ही उपयोग पूर्व दिशा-निर्देशों और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत लिया गया है। न्यायालय के निर्देशानुसार, सरकारी मामलों, कागजातों तथा अभिलेखों में इस वर्ग के लिए 'दलित' शब्द के प्रयोग को पूरी तरह रोका गया है। इसके स्थान पर वैधानिक शब्दावली का ही उपयोग सुनिश्चित किया जाना अनिवार्य है। प्रकार के आधिकारिक दस्तावेजों में इस शब्द का उपयोग किया जाएगा और न ही बोलचाल या लेखन में इसका इस्तेमाल होगा।

कार्यालय अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (विविध प्रकोष्ठ एवं एससी), राजस्थान की ओर से जारी इस आदेश को राज्य के सभी महानिदेशक पुलिस (रेल, राज्य एवं पुलिस आयुक्त जयपुर/जोधपुर) और सभी जिला पुलिस अधीक्षकों व पुलिस उपायुक्तों को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक (विविध प्रकोष्ठ) ज्ञानचन्द्र यादव द्वारा जारी इस आधिकारिक पत्र में बताया गया है कि यह निर्णय भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा जारी

इस आदेश के तुरंत बाद जमीनी स्तर पर भी कार्रवाई शुरू हो गई है। कार्यालय पुलिस उपायुक्त (उत्तर) जयपुर ने इस पत्र की प्रतिलिपि अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (उत्तर), समस्त सहायक पुलिस आयुक्त (उत्तर) और क्षेत्र के सभी थानाधिकारियों को भेजकर इस पर तत्काल आवश्यक एवं पालनार्थ कार्रवाई करने के निर्देश जारी कर दिए हैं। मुख्यालय ने साफ़ किया है कि किसी भी स्तर पर इस आदेश की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी को 'दलित' शब्द को बोलने व लिखने में इस्तेमाल न करने की पालना सुनिश्चित करनी होगी।

जयपुर में 'सेंचुरी' पार हुआ टमाटर

जयपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। पिंक सिटी जयपुर के रसोई बजट पर मानसून की मार साफ दिखने लगी है। जयपुर में सक्रिय दक्षिण-पश्चिमी मानसून की वजह से प्रमुख उत्पादक राज्यों में सब्जियों की तुड़ाई और परिवहन दोनों बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इस सप्ताह चेन में आई रुकावट का सीधा असर जयपुर की सबसे बड़ी थोक मंडी 'मुहाना मंडी' पर पड़ा है, जहां पिछले एक हफ्ते से आवक काफी घट गई है। थोक दामों में हुई इस बढ़ोतरी के कारण अब खुदरा बाजारों में आम आदमी की जेब ढीली हो रही है और टमाटर ने सेंचुरी पार कर ली है। मुहाना मंडी के टमाटर थोक व्यापारियों के अनुसार, जो टमाटर जून के महीने में 30 से 40 रुपये प्रति किलो के भाव पर आसानी से मिल रहा था, उसकी खुदरा कीमत अब पिछले हफ्ते के मुकाबले दोगुनी होकर 80 से 100 रुपये प्रति किलो तक पहुंच चुकी है।

अब गांवों में श्मशानों तक पहुंचने के रास्ते देगी सरकार

जमीन आरक्षित होगी, अतिक्रमण हटेंगे; राजस्व विभाग ने कलेक्टर्स को दिए आदेश

जयपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में श्मशानों की जमीनों और उन तक पहुंचने के लिए अब रास्ते बनाए जाएंगे, वहीं श्मशानों की जमीन राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज होगी। कई जगह श्मशानों की जमीन राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं होने से विवाद होते हैं। सरकार ने इन विवादों को खत्म करने का फैसला किया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे ग्रामीण सेवा शिविरों में श्मशान की जमीनों को सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा। साथ ही श्मशानों तक पहुंचने के लिए रास्ते खुलवाए जाएंगे। इसको लेकर राजस्व विभाग ने सभी कलेक्टर्स को चिट्ठी लिखकर श्मशानों की जमीनों का रिकॉर्ड सुधारकर उन तक पहुंचने केच लिए रास्ते बनाने के आदेश दिए हैं। राजस्व विभाग की चिट्ठी के अनुसार प्रदेश के कई गांवों में श्मशान चालू हैं, लेकिन श्मशान की जमीन राजस्व रिकॉर्ड (जमाबंदी) में दर्ज नहीं है। कई जगहों पर श्मशान की जमीन का कानूनी रूप से आरक्षण नहीं होने के कारण अंतिम संस्कार जैसे संवेदनशील कामों में सामाजिक असुविधा, अतिक्रमण और जमीन विवाद जैसे मामले सामने आते हैं। कलेक्टरों को आदेश, श्मशान तक पहुंचने के रास्ते खुलवाएं श्मशान की जमीनों से जुड़े विवादों को ग्रामीण सेवा शिविरों में सुलझाया जाएगा। जिन श्मशानों की जमीन का सरकारी रिकॉर्ड में जिक्र नहीं है, उन श्मशानों की जमीन को सरकारी जमाबंदी में दर्ज करने के आदेश दिए हैं। गांवों में श्मशान की जमीनों का भौतिक सत्यापन करते हुए सीमांकन करना होगा। श्मशानों से अतिक्रमण हटाने होंगे। श्मशान की जमीन का नाप जोख कर सरकारी जमाबंदी में रिकॉर्ड दर्ज करना होगा। राजस्व विभाग ने श्मशानों तक रास्ते खुलवाकर उन्हें पंचायतों के सुपुर्द करने के आदेश दिए हैं।

नए श्मशानों के लिए जमीन आवंटित होगी

राजस्व विभाग ने कलेक्टरों को गांवों में श्मशानों के लिए जमीन आरक्षित करने को कहा है। जहां श्मशान के लिए जमीन की आवश्यकता है वहां जमीन आरक्षित कर श्मशान के लिए आवंटित की जाएगी। यह काम आगे भी जारी रखने को कहा है।

दाह संस्कार को लेकर होते हैं विवाद

ग्रामीण क्षेत्रों में श्मशानों तक पहुंचने के रास्ते नहीं होने के कारण कई बार विवाद होते हैं, इन विवादों को टालने के लिए ही श्मशान तक पहुंचने के रास्ते सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज करने और श्मशानों से अतिक्रमण हटवाने का फैसला किया है। कई जगह श्मशानों की जमीन राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं है, इस वजह से विवाद होते हैं।

किशोरी से दुष्कर्म का आरोपी न्यूजीलैंड का एनआरआई गिरफ्तार

रचनी थी हिना, लगी हथकड़ी

श्री गंगानगर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर में 13 वर्षीय किशोरी से कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने एक एनआरआई (एनआरआई) युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी न्यूजीलैंड से अपनी शादी के लिए भारत आया था और छह दिन बाद उसकी शादी होनी थी। गिरफ्तारी के बाद शादी की तैयारियों में जुटा परिवार सदमे में है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और अन्य आरोपियों की तलाश भी की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, 25 वर्षीय आरोपी युवक न्यूजीलैंड में रहता था और वहां स्थायी निवास (पीआर) भी प्राप्त कर चुका था। वह करीब डेढ़ महीने पहले अपनी शादी के सिलसिले में श्रीगंगानगर आया था। परिवार ने उसकी शादी 14 जुलाई को तय की थी और घर में तैयारियां चल रही थीं। इसी बीच पुलिस ने 8 जुलाई की देर शाम आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। अचानक हुई इस कार्रवाई से परिवार और रिश्तेदारों में हड़कंप मच गया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी पर 18 से 22 जून के बीच 13 वर्षीय किशोरी के साथ तीन अलग-अलग होटलों में कथित रूप से यौन शोषण करने का आरोप है। जांच में होटल जॉय इन, होटल ड्रीम इन और होटल स्क्वेयर इन से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की जा रही है। महिला अपराध अनुसंधान सेल की टीम ने होटल जॉय इन के सीसीटीवी फुटेज, होटल प्रबंधन और संबंधित व्यक्तियों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया।

महिला डीएसपी को देख कर दी हूटिंग?

> रईसजादों को भारी पड़ा 'ओवर-कॉन्फिडेंस'

कोटपूतली-बहरोड़, 10 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुलिस की मुस्तैदी और त्वरित कार्रवाई का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां एक महिला प्रशासनिक अधिकारी के सामने हुड़दंगबाजी करना कुछ युवकों को भारी पड़ गया। कोटपूतली-बहरोड़ जिले में पुलिस कार्रवाई के दौरान एक ब्लैक स्कॉर्पियो में सवार युवकों की ओर से कथित तौर पर हूटिंग करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए वाहन को जब्त कर उसमें सवार छह युवकों को दस्तयाब कर लिया है।

डीएसपी की मुस्तैदी से तुरंत हरकत में आई पुलिस

मिली जानकारी के अनुसार, घटना के समय पुलिस उपाधीक्षक लक्ष्मी सुथार क्षेत्र में फील्ड में थीं। इसी दौरान वहां से गुजर रही उत्तर प्रदेश नंबर की एक काले रंग की स्कॉर्पियो कार में सवार युवकों ने उन्हें देखकर हूटिंग कर दी। महिला डीएसपी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए बिना वक्त गंवाए इसकी सूचना तुरंत जिला पुलिस कंट्रोल रूम को दी। कंट्रोल रूम से फ्लैश होते ही बहरोड़ सदर थाना प्रभारी मनोहर मीणा तुरंत एक्शन में आए। थानाधिकारी ने हाईवे और आसपास के सभी संभावित रास्तों पर तत्काल प्रभाव से सघन नाकाबंदी के आदेश जारी किए।

नाकाबंदी में फंसी यूपी नंबर की ब्लैक स्कॉर्पियो

सदर थाना पुलिस की मुस्तैद टीम ने नाकाबंदी के दौरान बताए गए हुलिए और नंबर के आधार पर संदिग्ध ब्लैक स्कॉर्पियो को चारों तरफ से घेरकर रुकवा लिया। पुलिस ने वाहन को अपने कब्जे में लेते हुए उसमें सवार सभी छह युवकों को दस्तयाब किया और उन्हें लेकर थाने पहुंची। अचानक हुई इस घेराबंदी से युवकों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

दिल्ली से खाटूश्यामजी दर्शन कर लौट रहे थे युवक

थाने लाकर की गई प्रारंभिक पूछताछ में यह तथ्य सामने आया है कि गाड़ी में सवार युवक दिल्ली से राजस्थान आए थे। वे राजस्थान के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल खाटूश्यामजी के दर्शन करने आए थे और दर्शन पूरे होने के बाद वापस ओर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उन्होंने इस वारदात को अंजाम दिया।

कौन हैं डीएसपी लक्ष्मी सुथार?

लक्ष्मी सुथार राजस्थान पुलिस सेवा (आरपीएस) कैडर की एक सक्रिय अधिकारी हैं, जिनका चयन आरपीएससी की ओर से आयोजित आरएएस/आरपीएस परीक्षा के माध्यम से हुआ है। दिसंबर 2021 में फील्ड पोस्टिंग के तहत जयपुर ग्रामीण के सांभर क्षेत्र में पुलिस उप अधीक्षक के रूप में कार्यभार संभालने के बाद, उन्होंने राजधानी जयपुर के कमिश्नरेट सिस्टम में आदर्श नगर की सहायक पुलिस आयुक्त के तौर पर कानून-व्यवस्था और वीआईपी सुरक्षा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई।

मां ने संघर्षों से पाला, 18 साल बाद दिलवाई अनुकंपा नौकरी!

4 बहनों का भाई जानें फिर भी क्यों बना 'जल्लाद'

झुंझुनूं, 10 जुलाई (एजेंसियां)। मां ने पति की मौत के बाद पांच बच्चों को संघर्ष कर पाला, चार बेटियों की शादी करवाई और इकलौते बेटे को 18 साल बाद अनुकंपा पर सरकारी नौकरी दिलवाई। लेकिन जिस बेटे को उसने अपने भविष्य का सहारा समझा, उसी ने आवेश में आकर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर अपनी मां की हत्या कर दी।

पीडब्ल्यूडी में यूडीसी (क्लर्क) के पद पर कार्यरत राजवीर डूडी को झुंझुनूं जिले की नवलगढ़ पुलिस ने अपनी मां की हत्या आरोप में हिरासत में ले रखा है। राजवीर को उसके जीजा की ओर से करवाई गई हत्या करने की रिपोर्ट के बाद पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की तो इसके पश्चात बाद लगातार हैरान कर देने वाला घटना क्रम सामने आ रहे है। बेटे ने अपनी मां प्रभाती देवी (59) की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। आरोपी ने वारदात के बाद उसने रात करीब 11 बजे अपनी बहन को फोन कर कहा, मैंने मां को मार डाला। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।

200 साल पुराने जोधपुरी मोजरी को जीआई टैग

अभी सालाना 100 करोड़ का कारोबार; दो साल में दोगुना होने की उम्मीद

जोधपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। जोधपुर की पारंपरिक मोजरी (जूती) को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग मिल गया है। इससे मोजरी को दुनियाभर में पहचान मिलेगी। केंद्र सरकार की जियोग्राफिकल इंडिकेशन रजिस्ट्री ने जोधपुर हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन और ग्राम विकास सेवा संस्थान को जीआई प्रमाण पत्र सौंपा है। दोनों संस्थान ने साल 2021 में केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय और विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के सहयोग से जीआई टैग के लिए आवेदन किया था। जोधपुर के हैंडीक्राफ्ट उद्योग के लिए इसे बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

करीब 200 साल पुराने जोधपुरी मोजरी उद्योग का घरेलू बाजार वर्तमान में लगभग 100 करोड़ का है। जबकि 10 करोड़ रुपए का एक्सपोर्ट हो रहा है। इस इंडस्ट्री से जुड़े एक्सपर्ट का अनुमान है कि जीआई टैग मिलने के बाद निर्यात बढ़ेगा और दो सालों में कारोबार दोगुना हो सकता है। जोधपुर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों परिवार मोजरी निर्माण से जुड़े हैं। इससे पहले जोधपुर बंधेज क्राफ्ट को जीआई टैग मिल चुका है। इससे उसके कारोबार में 25 प्रतिशत तक बढ़ोतरी दर्ज की गई। अब जोधपुरी साफा, मथानिया की लाल मिर्च, वुडन एंड आयरन क्राफ्ट, मारवाड़ का जीरा, जोधपुरी पत्थर की छतरियां और लहरिया के जीआई टैग की प्रक्रिया जारी है। जेएनईएफ के अध्यक्ष डॉ. भरत दिनेश ने बताया कि अब मोजरी उद्योग के विकास के लिए अभियान चलाएंगे। कारीगरों के कौशल विकास, आधुनिक डिजाइन, गुणवत्ता सुधार, ब्रांडिंग, ई-कॉमर्स, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में भागीदारी, निर्यात संवर्धन व विपणन सहायता जैसे कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। किसी विशेष क्षेत्र की पहचान बन चुके ऐसे प्रोडक्ट, जिनकी क्वालिटी और स्पेशलिटी उस जगह से जुड़ी हो उन्हें जीआई टैग दिया जाता है। इससे नेशनल और इंटरनेशनल स्तर पर पहचान मिलने के साथ ही नकली-फर्जी प्रोडक्ट पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

कविता के आरोप से कालेश्वरम परियोजना की सच्चाई सामने आई : उत्तम रेड्डी

मेडिगड्डा बैराज हादसे और निर्माण गुणवत्ता पर उठाए सवाल

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना रक्षा सेना की अध्यक्ष के. कविता द्वारा कालेश्वरम परियोजना को लेकर लगाए गए आरोपों से परियोजना के पीछे की वास्तविक स्थिति सामने आई है।

हुजूरनगर में मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री ने कहा कि कविता ने कालेश्वरम परियोजना के ठेकेदारों से बीआरएस को 1,400 करोड़ रुपये मिलने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इस कथित संबंध से यह सवाल उठता है कि मेडिगड्डा बैराज क्यों क्षतिग्रस्त हुआ और अन्नाराम तथा सुंडिल्ला संरचनाएं असुरक्षित स्थिति में क्यों हैं। उत्तम कुमार रेड्डी ने आरोप लगाया कि कालेश्वरम परियोजना के दो बैराज विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में निर्धारित स्थान से लगभग पांच किलोमीटर दूर बनाए गए, जो गंभीर तकनीकी खामियों को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यदि ठेकेदारों से राजनीतिक समझौते के तहत धन लिया गया होगा तो निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि परियोजना की सुरक्षा और जनता की जान को राजनीतिक हितों के लिए खतरे में नहीं डाला जा सकता। मंत्री ने बीआरएस नेताओं की ओर से कालेश्वरम पंप तुरंत चालू करने और बैराजों में पानी भरने की मांग को खारिज किया। उन्होंने कहा कि कन्नेपल्ली पंप हाउस से उठाया गया पानी पहले अन्नाराम, फिर सुंडिल्ला होते हुए आगे जाएगा, लेकिन दोनों स्थानों पर संरचनात्मक और नींव संबंधी समस्याएं हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि जांच और पुनर्वास के बिना बैराजों में पानी भरना जोखिम भरा होगा। यदि कमजोर संरचनाएं विफल होती हैं तो गोदावरी के किनारे बसे गांवों, बस्तियों और धार्मिक स्थलों को गंभीर खतरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और केवल राजनीतिक दबाव के कारण किसी भी प्रकार का जोखिम नहीं उठाया जाएगा।

कैनरा बैंक के लॉकर कक्ष में आग

जनगांव, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जनगांव कस्बे के बालाजी नगर स्थित कैनरा बैंक के लॉकर कक्ष में गुरुवार देर रात शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। समय रहते आग पर काबू पा लेने से बड़ा हादसा टल गया।

बैंक के भीतर से धुआं उठता देख सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और काफी प्रयास के बाद आग बुझा दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग की चपेट में आने से बैंक के कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

बैंक अधिकारियों ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। साथ ही आग से हुए नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है।

आषाढ़ बोनालू उत्सव तेलंगाना की गंगा-जमुनी संस्कृति का प्रतीक : कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले आषाढ़ बोनालू उत्सव यहां की गंगा-जमुनी तहजीब और सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक हैं। यह बात राज्य की वन, पर्यावरण एवं देवदाय धर्मादाय मंत्री कोंडा सुरेखा ने कही। गोलकोंडा किले स्थित जगदांबिका महाकाली मंदिर में आयोजित बोनालू उत्सव समन्वय बैठक में मंत्री कोंडा सुरेखा ने अधिकारियों को तैयारियों के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने आषाढ़ बोनालू जातरा का पोस्टर और पुस्तिका का विमोचन भी किया।

मंत्री ने कहा कि हैदराबाद और सिकंदराबाद जुड़वां शहरों में आयोजित होने वाले बोनालु उत्सव तथा मुस्लिम त्योहारों के अवसर पर हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच आपसी सहयोग एवं धर्मनिरपेक्ष भावना पूरे देश के लिए एक बड़ा संदेश है। उन्होंने कहा कि 16 जुलाई से शुरू होने वाले आषाढ़ बोनालू उत्सव में पहला बोनम गोलकोंडा जगदांबिका महाकाली माता को अर्पित करने की परंपरा रही है। लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सभी सरकारी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य कर पुख्ता व्यवस्थाएं करनी चाहिए। कोंडा सुरेखा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के माता के दर्शन कर सकें और प्रसन्न होकर घर लौटें, इसके लिए सभी आवश्यक प्रबंध समय पर पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल शिवसत्तुओं को भी सभी विभागों की ओर से पूरा सहयोग दिया जाना चाहिए। बैठक में कारवान विधायक कौसर मोहिउद्दीन, देवदाय विभाग के निदेशक हनुमंतराव, सांस्कृतिक विभाग के निदेशक एनुगु नरसिम्हा रेड्डी, पुलिस, यातायात, बिजली, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारी शामिल हुए। मंत्री ने गोलकोंडा जगदांबिका महाकाली मंदिर के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि 16 जुलाई से 13 अगस्त तक चलने वाले बोनालु उत्सव के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसलिए सुरक्षा, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। मंत्री ने बताया कि गोलकोंडा जगदांबिका महाकाली मंदिर में 16, 19, 23, 26, 30 जुलाई तथा 2, 6, 9 और 13 अगस्त को होने वाले कार्यक्रमों के दौरान श्रद्धालुओं के लिए यातायात व्यवस्था, पार्किंग, कतार व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पेयजल, बिजली, स्वच्छता, चिकित्सा सेवाएं, अग्निशमन व्यवस्था और विशेष बसों की सुविधा सुनिश्चित की जाए। मंत्री ने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम को निर्धारित समय सीमा में सभी कार्य पूरे करने तथा बिजली विभाग को अस्थायी विद्युत तारों और अन्य व्यवस्थाओं में विशेष सावधानी बरतने को कहा। उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए।

कविता के आरोपों पर पूर्व विधायक का पलटवार

कहा- बीआरएस पर लगाए गए आरोप निराशा का परिणाम

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के नेता और पूर्व विधायक गांद्रा वेंकट रमण रेड्डी ने पूर्व विधान परिषद सदस्य के. कविता के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें निराशा से प्रेरित बताया है। मीडिया से बातचीत में गांद्रा ने कहा कि सभी राजनीतिक दल संवैधानिक दायरे में रहते हुए चंदा प्राप्त करते हैं और बीआरएस भी अपने वित्तीय मामलों को कानूनी तरीके से संचालित करती है। उन्होंने सवाल किया कि कविता केवल बीआरएस को ही निशाना क्यों बना रही हैं। उन्होंने उन्हें कांग्रेस पार्टी के वित्तीय मामलों पर भी इसी तरह सवाल उठाने की चुनौती दी। गांद्रा ने आरोप लगाया कि तेलंगाना राज्य गठन की प्रक्रिया में कांग्रेस की भूमिका को लेकर भी कई सवाल हैं। उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलन के दौरान कार्यकर्ताओं के बलिदानों को नजरअंदाज कर केवल बीआरएस पर आरोप लगाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि कविथा के बयान केवल मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से दिए जा रहे हैं और उन्हें गंभीरता से लेने की आवश्यकता नहीं है।

नशे में बस लेकर भागा युवक

टोल प्लाजा पर मचाया हंगामा

जनगांव, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जनगांव जिले में एक नशे में धुत व्यक्ति ने बस अड्डे पर खड़ी किराये की आरटीसी बस लेकर फरार हो गया। करीब 21 किलोमीटर तक बस चलाने के बाद उसने टोल प्लाजा पर हंगामा किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, पलकुर्थी निवासी वेंकन्ना गुरुवार रात जनगांव बस डिपो से एक किराये की आरटीसी बस लेकर सूर्यापेट की ओर निकल गया। तड़के वह सिंगाराजूपल्ली टोल प्लाजा पहुंचा, जहां बस निकालने के दौरान उसने वाहन से नियंत्रण खो दिया और कई बार सीमेंट के अवरोधकों से टकरा गया।

बस की संदिग्ध गतिविधि देखकर टोल प्लाजा के कर्मचारियों ने उसे रोक लिया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर वेंकन्ना को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह बस को केवल "टेस्ट ड्राइव" के लिए लेकर गया था।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया निरीक्षण

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद विधानसभा क्षेत्र के चिलकलगुड़ा स्थित हमाल बस्ती मतदान केंद्र संख्या-32 का जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बूथ स्तर अधिकारियों को प्रतिदिन 100 गणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण पूरा करने के निर्देश दिए। वहीं बूथ स्तर पर्यवेक्षकों को 1,000 गणना प्रपत्रों का संग्रह सुनिश्चित करने के लिए कहा। उन्होंने अधिकारियों को मतदाता सूची से मृत मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया के तहत संबंधित मृत्यु प्रमाण पत्र एकत्र करने के निर्देश भी दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बूथ स्तर अभिकर्ताओं से अपील की कि वे गणना प्रपत्रों के संग्रह में बूथ स्तर अधिकारियों को पूरा सहयोग दें और आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने सिकंदराबाद विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदाताओं से अपील की कि वे जल्द से जल्द अपने गणना प्रपत्र भरकर बूथ स्तर अधिकारियों को उपलब्ध कराएं, ताकि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य सुचारू रूप से पूरा किया जा सके। निरीक्षण के दौरान जोनल आयुक्त के.ए. मंगतायारू, निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी एवं मेट्टुगुड़ा के उप आयुक्त एम.एन.आर. ज्योति, सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी एन. साई बाबा तथा निर्वाचन अधीक्षक एम. नरसिंह राव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नए मुख्य सचिव संजय जाजू ने राज्यपाल से मुलाकात की

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नव नियुक्त मुख्य सचिव संजय जाजू ने शुक्रवार को लोक भवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से मुलाकात की। राज्यपाल ने तेलंगाना के मुख्य सचिव के रूप में कार्यभार संभालने पर संजय जाजू को बधाई दी और उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जाजू राज्य के समग्र विकास, जन कल्याण और सुशासन को बढ़ावा देने के लिए समर्पण भाव से कार्य करेंगे। बैठक के दौरान राज्यपाल और मुख्य सचिव ने राज्य प्रशासन से संबंधित विभिन्न मामलों पर चर्चा की। राज्यपाल के विशेष मुख्य सचिव एम. दाना किशोर भी बैठक में उपस्थित थे।

निवेश के नाम पर महिला से ठगी

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में निवेश पर अधिक मुनाफे का झांसा देकर एक महिला से लाखों रुपये और सोने के आभूषण हड़पने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर साजिश रचकर महिला के गिरवी रखे गए सोने पर अवैध कब्जा करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, यूसुफगुडा निवासी श्रीलता चंद्रशेखर को बालकृष्ण नामक व्यक्ति ने सोने के कारोबार में निवेश करने का लालच दिया। उसके कहने पर महिला ने करीब 30 तोला सोने के आभूषण एक गोल्ड फाइनेंस कंपनी में गिरवी रखकर लगभग 18 लाख रुपये का ऋण लिया और पूरी राशि निवेश के नाम पर बालकृष्ण को दे दी।

कुछ समय बाद महिला को पता चला कि उसके गिरवी रखे गए सोने के आभूषण उसकी जानकारी के बिना ही हड़प लिए गए हैं।

इसके बाद उसने मधुरानगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि बालकृष्ण ने अपने बेटे निखिल और गोल्ड फाइनेंस कंपनी की प्रबंधक संध्या रानी के साथ मिलकर कथित तौर पर पूरी साजिश रची थी। साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

पदक विजेता खिलाड़ी अन्य पुलिस कर्मियों के लिए प्रेरणा बनें : डॉ. रमेश

तेलंगाना पुलिस खेलों में साइबराबाद पुलिस का शानदार प्रदर्शन

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पांचवीं तेलंगाना पुलिस खेल एवं क्रीड़ा प्रतियोगिता-2026 में साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 37 पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में साइबराबाद पुलिस के क्लस्टर-ए खिलाड़ियों ने 9 स्वर्ण, 8 रजत और 20 कांस्य पदक जीतकर राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मल्काजगिरि पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र के सरूरनगर इंडोर स्टेडियम में 8 और 9 जुलाई को आयोजित इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को शुक्रवार को साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय मुख्यालय सभागार में पुलिस आयुक्त डॉ.एम. रमेश ने सम्मानित किया। इस अवसर पर विजेताओं को पदक और नकद प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। साइबराबाद पुलिस के खिलाड़ियों ने योग, आर्म रेसलिंग, वुशू, ताइक्वांडो, मुक्केबाजी, कराटे, जिम्नास्टिक, पेनचाक सिलाट, पावरलिफ्टिंग और शरीर सौष्ठव सहित विभिन्न व्यक्तिगत एवं टीम स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त डॉ.एम. रमेश ने खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए सीमित समय में अभ्यास कर ऐसी उपलब्धि हासिल करना प्रशंसनीय है। उन्होंने खिलाड़ियों से इसी खेल भावना को आगे बढ़ाते हुए साइबराबाद पुलिस की प्रतिष्ठा को और ऊंचा करने का आह्वान किया। डॉ. रमेश ने कहा कि पदक विजेता खिलाड़ी अन्य पुलिस कर्मियों के लिए प्रेरणा बनें और नई प्रतिभाओं को आगे आने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि खेल केवल व्यक्तियों को ही नहीं, बल्कि देशों के बीच भी मित्रता, एकता और आपसी समझ को मजबूत करने का माध्यम हैं। पुलिस आयुक्त ने प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि उनका परिश्रम, अनुशासन और समर्पण अन्य पुलिस कर्मियों के लिए आदर्श है। उन्होंने उम्मीद जताई कि साइबराबाद पुलिस के खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर भी अधिक उपलब्धियां हासिल करेंगे। कार्यक्रम में साइबराबाद संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) सनप्रीत सिंह, प्रशासनिक पुलिस उपायुक्त टी. अन्नपूर्णा, विशेष शाखा पुलिस उपायुक्त सुधींद्र, साइबर अपराध पुलिस उपायुक्त पुष्पा, सीएआर मुख्यालय पुलिस उपायुक्त संजीव, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त, अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

नार्म ने स्वर्ण जयंती समारोह से पहले फोकार्स पुनर्मिलन-2026 का किया शुभारंभ

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी (नार्म) ने आगामी स्वर्ण जयंती समारोहों के तहत शुक्रवार को फोकार्स (कृषि अनुसंधान सेवा आधारभूत पाठ्यक्रम) पुनर्मिलन-2026 का शुभारंभ किया। इस पुनर्मिलन कार्यक्रम का उद्देश्य फोकार्स के पूर्व प्रतिभागियों और अनुभवी वैज्ञानिकों से सुझाव प्राप्त कर पाठ्यक्रम, कार्यक्रम की संरचना और अवधि को और अधिक प्रभावी बनाना है।

कार्यक्रम में पूर्व प्रतिभागियों, मार्गदर्शकों और नार्म समुदाय के सदस्यों को एक मंच पर लाया गया है। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कृषि शिक्षा उप महानिदेशक डॉ. यशपाल सिंह मलिक ने कहा कि अनुभवी कृषि वैज्ञानिकों के अनुभवों का दस्तावेजीकरण कर उन्हें युवा शोधकर्ताओं तक पहुंचाना आवश्यक है। इससे कृषि क्षेत्र में उभरती चुनौतियों का समाधान खोजने में सहायता मिलेगी।

नार्म के निदेशक डॉ.आर. मीनाक्षी सुंदरम ने कहा कि अनुभवी विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं के सुझावों से अकादमी भविष्य की जरूरतों के अनुरूप कृषि वैज्ञानिक तैयार करने में सक्षम होगी। उन्होंने कहा कि फोकार्स कार्यक्रम को विकसित भारत-2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप और मजबूत किया जाएगा। नार्म के संयुक्त निदेशक डॉ. गोपाल लाल ने बताया कि पुनर्मिलन कार्यक्रम के दौरान फोकार्स के पूर्व प्रतिभागियों के साथ संवाद, टीम निर्माण गतिविधियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम और अनुभव साझा करने के सत्र आयोजित किए जाएंगे। इससे पहले आयोजन सचिव डॉ. गणेश कुमार ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी दी। इस कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के 46 पूर्व निदेशक, संयुक्त निदेशक और प्रधान वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं। ये विशेषज्ञ वर्ष 1985 से 1995 के बीच आयोजित फोकार्स के 34 बैचों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कार्यक्रम में नार्म के शिक्षकगण और वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

जामबाग से बीजेपी के पूर्व कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल ने आज अपने इलाके में ऑटो के ज़रिए जानकारी देने वाले 'एसआईआर अवेयरनेस कैंपेन' की शुरूआत की। इस कार्यक्रम में बालाजी सिंह, वेंकट रेड्डी, संदीप जैन, राजू यादव, विद्या सागर, रवि, बाबू और बीजेपी के अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए।

शमशाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर राजस्थान प्रदेश भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष डॉ महेन्द्र कुमावत का स्वागत करते हुए, कुमावत समाज तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम कुमावत, प्रदेश सचिव धर्माराम डया कुमावत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बुधाराम होतवाल, उपाध्यक्ष सुनील मोरवाडिया, सह कोषाध्यक्ष अणदाराम मनावत व समाज बंधु उपस्थित रहे।

चारधाम यात्रा के नाम पर ऑनलाइन ठगी

डॉक्टर से तीन लाख रुपये से अधिक ऐंठे

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के एक डॉक्टर चारधाम यात्रा के लिए ऑनलाइन हेलीकॉप्टर बुकिंग कराने के दौरान साइबर ठगी का शिकार हो गए। जालसाजों ने फर्जी बुकिंग का झांसा देकर उनसे तीन लाख रुपये से अधिक की रकम ठग ली। पुलिस के अनुसार, अत्तापुर निवासी 60 वर्षीय डॉक्टर को इंस्टाग्राम पर चारधाम यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर सेवा का एक विज्ञापन दिखाई दिया। विज्ञापन में दिए गए नंबर पर संपर्क करने पर एक व्यक्ति ने खुद को हिमालयन हेली सर्विसेज का प्रतिनिधि बताया और छह लोगों के लिए तीन रात और चार दिन का हेलीकॉप्टर यात्रा पैकेज देने का दावा किया। डॉक्टर ने प्रस्ताव पर भरोसा करते हुए पांच किस्तों में तीन लाख रुपये से अधिक की राशि आरोपी के बताए खाते में भेज दी। भरोसा दिलाने के लिए जालसाज ने फर्जी हेलीकॉप्टर टिकट, होटल बुकिंग और वीवीआईपी दर्शन की पुष्टि वाले ईमेल भी भेज दिए। धोखाधड़ी का खुलासा तब हुआ, जब यात्रा से पहले डॉक्टर ने संबंधित होटल और हेलीकॉप्टर सेवा प्रदाता से संपर्क किया। वहां से पता चला कि उनके नाम पर कोई बुकिंग नहीं है। इसके बाद उन्होंने हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गोदाम में भीषण आग, झोपड़ियां जलीं

दमकल ने कड़ी मशक्कत से पाया काबू

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के चदरघाट क्षेत्र में मूसी नदी के पास स्थित सजावटी सामान के एक गोदाम में शुक्रवार को भीषण आग लग गई। गोदाम में प्लास्टिक और थर्मोकोल जैसी ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैल गई और देखते ही देखते आसपास का इलाका घने काले धुएं से भर गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गोदाम के भीतर अचानक आग भड़कने पर वहां मौजूद कर्मचारियों ने बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। आग की लपटें बढ़ने से मूसी नदी किनारे बनी कई झोपड़ियां भी इसकी चपेट में आ गईं, जिससे कई अस्थायी मकान जलकर राख हो गए। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के घायल होने या जनहानि की सूचना नहीं है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. एन-एसजी-36-2026-27-आरईएलआई-14, दि.03-07-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर. डीएसटीई/एनइडी द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं.& दि. एन-एसजी-36-2026-27-आरईएलआई-14, दि.03-07-2026, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन पर एस्सेट्स रखरखाव & मैनपावर द्वारा सिग्नल & दूरसंचार एक्वीपमेन्ट का विश्वसनीयता सुधार कार्य।

अनुमानित परियोजना मूल्य रु.6,40,59,099.00, बोली सुरक्षा रु.12,81,200.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बोली बंद करने की तिथि (बोली निर्धारित तिथि)-दि.27-07-2026 के 15.00 बजे, बोली खोलने की तिथि -दि.27-07-2026, समय- 15.00 बजे के बाद, वैध आफरः बोली बंद करने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा पुस्तिका मूल्य रु. शून्य

सभी बिड्डिंग या बोली, ईण्डियन रेलवे ई-टेन्डरिंग **पोर्टलः** www.ireps.gov.in पर आयोजित होगी। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं।

अधिक जानकारी **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in पर देखें।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता, नांदेड

PUB/444

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, सीई/सी/पीएलजी. & एसवाई./एससी कंस्ट्रक्शन आर्गनाईजेशन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 01, एनआईटी नं. 35-सीएओ-सी-एससी-2026, दि.07-07-2026, कार्य विवरणः एससी कंस्ट्रक्शन आर्गनाईजेशनः हैदराबाद डिवीजन- मुदखेड तथा मेडचल स्टेशनों पर प्रस्तावित दोहरीकरण या डबलिंग कार्य- सिर्नापल्ली- उप्पलवाई सेक्शन —सिर्नापल्ली तथा उप्पलवाई स्टेशनों के बीच प्रस्तावित टनल (2.00 किमी लम्बाई) एवं डायवर्शन एलाइमेन्ट (7.50 किमी) के लिए, सर्वे, डिजाईन & जियोटेक्नीकल जांच करना तथा इसके साथ विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, प्लान्स, ड्राइंग्स, भूमि प्रस्तावों की तैयारियां तथा सिर्नापल्ली —उप्पलवाई स्टेशनों (10.45 किमी) के बीच अन्य समुचित दस्तावेजों की तैयारी।

अनुमानित मूल्य रु. 4,19,79,626.21, अग्रधन रु.8,39,600.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 06 (छह) महिने, खोलने की तिथिः 29-07-2026 के 15.00 बजे

क्रम सं. 02, एनआईटी नं. 36-सीएओ-सी-एससी-2026, दि.07-07-2026, कार्य विवरणः एससी कंस्ट्रक्शन आर्गनाईजेशनः हैदराबाद डिवीजन-तेलंगाना राज्य में दमरे के एमयुई-एमइडी दोहरीकरण परियोजना या डबलिंग प्राजेक्ट तत्संबंधित इन्डलवाई तथा उप्पलवाई स्टेशनों के

(सीएचः 482.900 से 493.750 तथा 496.673 से 498.600 तक) बीच टैक का दोहरीकरण या डबलिंग आफ ट्रैक के लिए अन्य छिटपुट कार्य तथा निर्माण में मिट्टी का कार्य/कटाई, पुलों का निर्माण, ट्रैक बिछाना व जोडना, रेल्स की वेल्डिंग, प्लेटफार्म्स का निर्माण, सर्विस बिल्डिंग्स का निर्माण तथा एफओबी, एप्रोच रोड्स आदि कार्य।

अनुमानित मूल्य रु. 94,92,88,359.94, अग्रधन रु.1,89,85,800.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 24 (चौबीस) महिने, खोलने की तिथिः 05-08-2026 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया **वेबसाइटः** https://www.ireps.gov.in पर लागिन करें।

निविदाकार, अपने आफर्स को आनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने की तिथि से पूर्व पंद्रह दिनों की अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।

निविदाकार, किसी भी शुद्धिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

मुख्य प्रशासन अधिकारी, निर्माण, सिकंदराबाद

PUB/445 A521

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in पर जाएं।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्याः 08-मेका.-डब्ल्यूएचएस-टीपीटीवाई-26-27, दि.07-07-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाई. सीएमइ/सीआरएस/टीपीटीवाय द्वारा अधोलिखित निविदा संख्या, बंद करने की तिथि के 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को, तत्संबंधित बंद करने की तिथि & समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं. 01, कार्य विवरणः 08-मेका.-डब्ल्यूएचएस-टीपीटीवाई-26-27, दि.07-07-2026, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति, दक्षिण तट रेलवे पर, व्हील शाप की पीओएच & आईओएच गतिविधियों का आउटसोर्सिंग कार्य।

अनुमानित मूल्य रु.2,19,14,649.26, बोली सुरक्षा रु.4,38,300.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 24 महिने, बंद करने की तिथिः 29-07-2026 के 11.00 बजे

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

निविदा शर्ते/अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध) व निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुद्धिपत्र हेतु कृपया वेबसाइटःhttps://www.iऑeps.gov.in देखें।

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, सीआरएस, तिरुपति

PUB/SC/F

ई-निविदा सूचना सं.-जीएनटी/ई.02/ टीआरडी/ 2026-27

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु ठेकेदारों से दि.05-08-2026 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 01, निविदा शीर्षकः जीएनटी डिवीजनः नल्लापाडु-नन्दयाल सेक्शन में विश्वसनीयता & सुरक्षा सुधार कार्य हेतु ओएचइ/पीएसआई इनफ्रास्ट्रक्चर या बुनियादी ढांचों का उन्नयन या अपग्रेडेशन करना।

निविदा संदर्भ सं.-जीएनटी/ई.02/टीआरडी/2026-27, अनुमानित मूल्य रु.85,76,453.00, अग्रधन रु.1,71,500.00, निविदा प्रपत्र मूल्य (गैर वापसी)-शून्य

ई-बोलियों की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि & समयः 05-08-2026 के 15.30 बजे तक है।

तत्संबंधित किसी भी विस्तृत जानकारी हेतु 09-07-2026 को या तत्पश्चात् दि.05-08-2026 के 15.30 बजे तक वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर लाग आन करें।

कोई भी अधिक संचार/शुद्धिपत्र को, केवल ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in द्वारा सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, टीआरडी, गुन्टूर

SCoR-A067

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scor.indianrailways.gov.in देखें।

इंग्लैंड से टी-20 सीरीज हारने का परफॉर्मेंस रीव्यू करेगा बीसीसीआई

गंभीर की कोचिंग, श्रेयस की कप्तानी पर सवाल; भारत एक भी मैच नहीं जीता

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज हारने के बाद बीसीसीआई भारतीय टीम के परफॉर्मेंस का रीव्यू करने जा रहा है। हेड कोच गौतम गंभीर का रोल और टीम की रणनीति भी रिव्यू का हिस्सा होगी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी भी समीक्षा के दायरे में आएगी। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से किया है। रिपोर्ट के अनुसार आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ लगातार खराब प्रदर्शन के बाद बोर्ड यह समझना चाहता है कि रणनीति और टीम चयन के स्तर पर कहां कमी रही। फिलहाल गंभीर और अय्यर पर कोई फैसला नहीं हुआ है, लेकिन उनके कामकाज की समीक्षा तय मानी जा रही है।

गंभीर का एग्रीमेंट 2027 तक है। अय्यर हाल ही में कप्तान बनाए गए हैं। भारतीय टीम को आयरलैंड दौरे में 0-2 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा था। जबकि, टीम इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 0-3 से पिछड़ रही है। एक मैच नो रिजल्ट रहा था। एक दिन पहले टीम सीरीज के चौथे मैच में 9 विकेट से हार गई थी।

12 साल बाद इंग्लैंड ने भारत को हराया

2014 के बाद पहली बार इंग्लैंड ने भारत को टी-20 सीरीज में हरा दिया। दोनों टीमों के बीच अब तक 10 सीरीज खेली गईं, जिनमें भारत ने 5 और इंग्लैंड ने 4 जीतीं। एक सीरीज ड्रॉ रही थी।

अय्यर की कप्तानी में लगातार दूसरी सीरीज गंवाई

बीसीसीआई ने हाल ही में टी-20 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तानी सौंपी थी। हालांकि, यह फैसला अब तक टीम के पक्ष में नहीं गया है। भारत लगातार दूसरी टी-20 सीरीज हार चुका है। इंग्लैंड दौरे से पहले टीम को आयरलैंड के खिलाफ 2-0 से सीरीज गंवानी पड़ी थी, जो भारत की आयरलैंड के खिलाफ पहली टी-20 सीरीज हार थी।

ब्रिस्टल में 13.5 ओवर में हारे

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी-20 में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 158 रन बनाए। कप्तान अय्यर ने 49 गेंदों पर नाबाद 80 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज बड़ा योगदान नहीं दे सके। जवाब में इंग्लैंड ने 159 रन का लक्ष्य 13.5 ओवर में सिर्फ एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। इंग्लैंड ने पहली बार भारत के खिलाफ दो या उससे अधिक मैचों की बाइलेटरल टी-20 सीरीज जीती।

पहली बार आयरलैंड से भी हारे

इंग्लैंड से पहले आयरलैंड के खिलाफ भी 2 टी-20 मैचों की सीरीज में भारत को हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही भारतीय टीम को 2023 के बाद किसी टी-20 सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। 2023 में वेस्टइंडीज ने 3-2 से हराया था।

चेपॉक स्टेडियम में होगा बिग बैश का ओपनिंग मैच

कल खेला जाएगा मैच, पीएम मोदी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में ऐलान किया

मेलबर्न, 10 जुलाई (एजेंसियां)। चेन्नई का एम.ए. चिदंबरम (चेपॉक) स्टेडियम ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल-16) के ओपनिंग मैच की मेजबानी करेगा। यह पहला मौका है, जब भारत किसी विदेशी क्रिकेट लीग का मैच होस्ट करने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे के तीसरे दिन यह ऐलान किया है।

पीएम मोदी शुक्रवार 10 जुलाई को ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पहुंचे। इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ, पूर्व महिला क्रिकेटर लीसा स्टाल्कर भी मौजूद रहे। मोदी के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2026-27 सीजन का शेड्यूल जारी किया। इसके अनुसार बीबीएल-16 का ओपनिंग मैच 12 दिसंबर को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) में मेलबर्न रेनेगेड्स और मौजूदा चैंपियन पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच होगा। रेनेगेड्स इस मैच में होस्ट टीम होगी। यह मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 2:40 बजे शुरू होगा।

भारत पहली बार विदेशी क्रिकेट लीग का मैच कराएगा

इसके अलावा, बिग बैश लीग के इतिहास में पहली बार कोई मैच ऑस्ट्रेलिया के बाहर होगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इसे दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बाजार भारत में अपनी पहुंच बढ़ाने और लीग को वैश्विक पहचान देने की दिशा में बड़ा कदम मान रही है।

ऑस्ट्रेलिया में इसका सीधा प्रसारण चैनल सेवन, 7प्लस, कायो स्पोर्ट्स और फॉक्स क्रिकेट पर होगा, जबकि भारत में जियोस्टार इसका प्रसारण करेगा।

बीबीएल के भारत में आयोजन की तैयारी कई महीने पहले ही शुरू हो गई थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने आईपीएल 2026 के दौरान चेपॉक स्टेडियम का दौरा किया था। टीम ने स्टेडियम की सुविधाओं, पिच, लॉजिस्टिक्स और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास और तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन (टीएनसीए) के अधिकारियों के साथ बैठक कर आयोजन पर चर्चा की गई।

फ्रांस लगातार तीसरे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में पहुंचा

मोरक्को को 2-0 से हराया; एम्बाप्पे ने मेसी की बराबरी की, दोनों के 8-8 गोल

लॉस एंजिल्स, 10 जुलाई (एजेंसियां)। फ्रांस ने मोरक्को को 2-0 से हराकर फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम ने लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। इससे पहले टीम 2018 और 2022 के फाइनल में पहुंची थी। पहले हाफ में पेनल्टी चूकने वाले कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने दूसरे हाफ के 60वें मिनट में गोल दागा। इसके 6 मिनट बाद उस्मान डेम्बेले ने दूसरा गोल कर फ्रांस की जीत पक्की कर दी। अब फ्रांस का सामना सेमीफाइनल में स्पेन और बेल्जियम के बीच होने वाले दूसरे क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा। एम्बाप्पे के इस टूर्नामेंट में 8 गोल हो गए हैं। उन्होंने अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी की बराबरी कर ली है। हालांकि, 3 असिस्ट की बदौलत एम्बाप्पे गोल्डन बूट की दौड़ में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि मेसी के नाम 8 गोल और 1 असिस्ट है। सभी वर्ल्ड कप मिलाकर एम्बाप्पे अब 20 गोल कर चुके हैं। उनसे आगे सिर्फ मेसी हैं, जिनके नाम 21 गोल दर्ज हैं। वहीं, मोरक्को की हार के साथ टूर्नामेंट में अफ्रीका की आखिरी टीम भी बाहर हो गई।

पहले हाफ में गोल नहीं हुआ

फ्रांस ने शुरुआत से ही मोरक्को पर दबाव बना दिया। 5वें मिनट में एम्बाप्पे के शॉट को गोलकीपर यासीन बूनू ने शानदार बचाया। इसके बाद दायो उपामेकानो का हेडर भी बूनू ने रोक दिया। उस्मान डेम्बेले, देजिरे डुए और माइकल ओलीसे ने भी लगातार शॉट मारे, लेकिन मोरक्को के डिफेंडर्स और गोलकीपर ने फ्रांस को बढ़त नहीं लेने दी।

एम्बाप्पे पेनल्टी पर चूके

26वें मिनट में नौसैर मजराउई ने बॉक्स के अंदर एम्बाप्पे को गिरा दिया और फ्रांस को पेनल्टी मिली। एम्बाप्पे का शॉट बूनू ने सही दिशा में डाइव लगाकर रोक दिया। इसी वजह से पहले हाफ तक मुकाबला 0-0 से बराबरी पर रहा।

15 साल बाद मार्वल स्टेडियम से अलग की मेलबर्न रेनेगेड्स ने राहें

एमसीजी होगा नया घरेलू मैदान

मेलबर्न, 10 जुलाई (एजेंसियां)। बिग बैश लीग (बीबीएल) की फ्रेंचाइजी मेलबर्न रेनेगेड्स ने अपनी पुरुष टीम के घरेलू मैदान को बदलने का फैसला किया है। मेलबर्न रेनेगेड्स ने 15 साल के बाद मार्वल स्टेडियम से अपनी राहें अलग कर ली हैं। आगामी सीजन में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) रेनेगेड्स का घरेलू मैदान होगा। बीबीएल क्लब ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि की। मेलबर्न रेनेगेड्स ने बिग बैश लीग की शुरुआत 2011-12 सीजन से की थी और तब से वह अपने ज्यादातर घरेलू मुकाबले मार्वल स्टेडियम में खेलती आ रही थी। इसी मैदान पर टीम ने अपने इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की थी। रेनेगेड्स ने बीबीएल के आठवें सीजन में खिताब जीता था और उस यादगार सफर का गवाह भी मार्वल स्टेडियम ही बना था। अब क्लब ने मेलबर्न क्रिकेट क्लब (एमसीजी) के साथ नया समझौता किया है, जिसके तहत बिग बैश लीग के 16वें सीजन से टीम के कुछ खास मुकाबले एमसीजी में खेले जाएंगे।

विंबलडन : ओस्टापेंको-अरेवालो की जोड़ी ने जीता मिक्स्ड डबल्स का खिताब

लंदन, 10 जुलाई (एजेंसियां)। जेलेना ओस्टापेंको और मार्सेलो अरेवालो की जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए विंबलडन 2026 का मिक्स्ड डबल्स खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की स्टॉर्म हंटर और मार्क पोलमैन्स की जोड़ी को 4-6, 7-5, 6-2 से हराया। फाइनल की शुरुआत ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने शानदार अंदाज में की। हंटर और पोलमैन्स ने पहला सेट 6-4 से जीत लिया।

दूसरे सेट में भी उन्होंने जल्दी सर्विस ब्रेक हासिल कर 3-1 की बढ़त बना ली थी। ऐसा लग रहा था कि मुकाबला सीधे सेटों में खत्म हो जाएगा, लेकिन ओस्टापेंको और अरेवालो ने इसके बाद शानदार वापसी की। दोनों खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल दिखाया और अगले आठ में से छह गेम जीतकर दूसरा सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही मैच निर्णायक तीसरे सेट में पहुंच गया। तीसरे सेट से पहले सेंटर कोर्ट की छत बंद कर दी गई। इसके बाद ओस्टापेंको और अरेवालो ने अपनी लय बरकरार रखी।

उन्होंने चौथे और आठवें गेम में विरोधी टीम की सर्विस तोड़ी और तीसरा सेट 6-2 से जीतकर 1 घंटा 56 मिनट में मैच और खिताब को अपने नाम कर लिया। यह जीत जेलेना ओस्टापेंको के लिए बेहद खास रही। उन्होंने पहली बार विंबलडन का खिताब जीता है। इससे पहले वह 2017 में फ्रेंच ओपन सिंगल्स और 2024 यूएस ओपन महिला डबल्स का खिताब जीत चुकी हैं। वह पहले भी दो बार विंबलडन के फाइनल में पहुंची थीं, लेकिन खिताब जीतने में नाकाम रही थीं।

जीत के बाद ओस्टापेंको ने कहा कि यह उनके लिए शानदार सप्ताह रहा। उन्होंने कहा कि अब वह सिंगल्स, डबल्स और मिक्स्ड डबल्स, तीनों वर्गों में ग्रैंड स्लैम चैंपियन बन चुकी हैं। उन्होंने बताया कि मार्सेलो अरेवालो के साथ खेलना उन्हें बहुत पसंद है और दोनों कोर्ट पर खेल का पूरा आनंद लेते हैं। उनके अनुसार, विंबलडन जीतना हमेशा खास एहसास होता है। मार्सेलो अरेवालो के लिए भी यह उपलब्धि ऐतिहासिक रही। वह विंबलडन का खिताब जीतने वाले एल साल्वाडोर के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह उनके करियर का तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इससे पहले वह 2022 और 2024 में रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन) पुरुष डबल्स का खिताब जीत चुके हैं। अरेवालो ने कहा कि एल साल्वाडोर जैसे छोटे देश से आकर विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर खेलना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने कहा कि वह अपने देश के बच्चों को प्रेरित करना चाहते हैं और उन्हें यह विश्वास दिलाना चाहते हैं कि मेहनत और अपने सपनों पर भरोसा करके बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने अपनी जोड़ीदार ओस्टापेंको की भी तारीफ करते हुए कहा कि उनके साथ खेलना उनके लिए गर्व की बात है।

लॉर्ड्स टेस्ट में स्मृति मंधाना की फिफ्टी

लंदन, 10 जुलाई (एजेंसियां)। लॉर्ड्स में खेले जा रहे पहले महिला टेस्ट में भारत ने मजबूत शुरुआत की। पहले दिन लंच तक टीम ने 25 ओवर में 3 विकेट पर 122 रन बना लिए। 300वां इंटरनेशनल मैच खेल रहीं स्मृति मंधाना 67 गेंदों पर 56 रन बनाकर नाबाद लौटीं। उनके साथ कप्तान हरमनप्रीत कौर 14 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी।

भारत ने शुरुआती झटकों के बाद संभाली पारी

भारत की शुरुआत खराब रही। शेफाली वर्मा दूसरे ओवर में बिना खाता खोले लॉरेन फिलर की बॉल पर आउट हुईं। इसके बाद यस्तिका भाटिया भी 12 रन बनाकर लॉरेन बेल की गेंद पर बोल्ड हो गईं। 37 रन पर दो विकेट गिरने के बाद स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स ने तीसरे विकेट के लिए 64 रन जोड़कर पारी को संभाला। जेमिमा 38 गेंदों पर 35 रन बनाकर इजी वोंग की गेंद पर बोल्ड हुईं।

300वें मैच में मंधाना का रिकॉर्ड

29 साल की स्मृति मंधाना ने अपने करियर का 300वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। वह इस उपलब्धि तक पहुंचने वाली भारत की तीसरी और दुनिया की 12वीं महिला क्रिकेटर बनीं। साथ ही, सबसे कम उम्र में 300 इंटरनेशनल मैच खेलने वाली महिला खिलाड़ी भी बन गईं। उन्होंने लंच तक 56 रन बनाए, जिसमें 9 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। यह लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड के 142 साल के इतिहास का पहला महिला टेस्ट मैच है।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम का एलान

सलिमा टेटे को फिर मिली कप्तानी

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से चार अक्तूबर तक होने वाले 20वें एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी। 20 सदस्यीय टीम की कमान एक बार फिर सलिमा टेटे को सौंपी गई है। सलिमा की कप्तानी में भारत ने पिछले महीने न्यूजीलैंड में एफआईएच नेशंस कप का खिताब जीता था।

सविता और बिचू देवी होंगी गोलकीपर

हाल ही में पद्मश्री सम्मान से सम्मानित अनुभवी गोलकीपर सविता को टीम में जगह मिली है। उनके साथ बिचू देवी खरीबाम दूसरी गोलकीपर होंगी। डिफेंस में सुशीला चानू पुखरंबम, ईशिका चौधरी, ज्योति, लालथांतलुआंगी और शिल्पी डबास को शामिल किया गया है। लालथांतलुआंगी और शिल्पी ने एफआईएच नेशंस कप के दौरान सीनियर टीम में पदार्पण किया था और शानदार प्रदर्शन के दम पर एशियन गेम्स टीम में जगह बनाई।

मिडफील्ड और आक्रमण में मजबूत संयोजन

मिडफील्ड में कप्तान सलिमा टेटे के साथ निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, नेहा और दीपिका सोरेंग खेलती नजर आएंगी। वहीं, फॉरवर्ड लाइन में लालरेमसियामी, रुतुजा दादासो पिसाल, नवनीत कौर, दीपिका, ईशिका, बलजीत कौर और ब्यूटी डुंगडुंग को शामिल किया गया है।

कोच ने जताया टीम पर भरोसा

मुख्य कोच स्जोएर्ड मारिज्ने ने टीम चयन पर कहा, 'हमारे पास ऐसी टीम है जिसमें युवा, अनुभवी और सीनियर खिलाड़ियों का बेहतरीन संतुलन है। सभी खिलाड़ी एक-दूसरे से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'इस टीम ने पिछले कुछ महीनों में शानदार फॉर्म और फिटनेस दिखाई है। हमें पूरा विश्वास है कि यह टीम एशियन गेम्स की चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार है।'

भारत की 20 सदस्यीय महिला हॉकी टीम

गोलकीपर: सविता पूनिया, बिचू देवी खरीबाम

डिफेंडर: ईशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरंबम, लालथांतलुआंगी, ज्योति, शिल्पी डबास

मिडफील्डर: निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, सलिमा टेटे (कप्तान), नेहा, दीपिका सोरेंग

फॉरवर्ड: लालरेमसियामी, रुतुजा दादासो पिसाल, नवनीत कौर, दीपिका, ईशिका, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग

संग्राम सिंह ने पाकिस्तानी आबिद अली को दी चुनौती

एशिया चैंपियन टाइटल मुकाबले में होगी 'धाकड़ जंग'

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला किसी भी खेल में हो, रोमांच अपने चरम पर होता है। अब ऐसा ही हाई-वोल्टेज मुकाबला एशिया चैंपियन टाइटल के लिए देखने को मिलेगा। जहां भारत के स्टार रेसलर संग्राम सिंह का सामना पाकिस्तान के आबिद अली से होगा। दोनों पहलवान खिताब जीतने के इरादे से रिंग में उतरेंगे। संग्राम सिंह ने एशिया चैंपियन टाइटल मुकाबले से पहले पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा कि उनका एकमात्र लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का तिरंगा बुलंद करना है। यूरोप और दक्षिण अमेरिका में ऐतिहासिक जीत दर्ज कर चुके तथा प्रोफेशनल एमएमए में अब तक अपराजित रहे संग्राम सिंह अब पाकिस्तान के आबिद अली के खिलाफ एशिया चैंपियन टाइटल जीतकर अपने शानदार करियर में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ने के इरादे से केज में उतरेंगे। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'जब भी मैं केज में उतरता हूं, तो सिर्फ अपने लिए नहीं बल्कि 145 करोड़ भारतीयों के लिए लड़ता हूं।

फीफा वर्ल्ड कप : इंग्लैंड की बढ़ी मुश्किलें, क्वार्टर फाइनल में मार्क गुएही के खेलने पर संशय बरकरार

मियामी, 10 जुलाई (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले से पहले इंग्लैंड की टेंशन बढ़ गई है। नॉर्वे के खिलाफ होने वाले अहम मैच में टीम के डिफेंडर मार्क गुएही का खेलना मुश्किल नजर आ रहा है। वहीं, मिडफील्डर डेक्लान राइस भी बीमारी से उबरने की कोशिश कर रहे हैं। इंग्लैंड और नॉर्वे के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला रविवार को मियामी स्टेडियम में खेला जाना है। इससे पहले, टीम ने राउंड ऑफ 16 में मेक्सिको को 3-2 से हराकर अंतिम आठ का टिकट हासिल किया था। इसी मुकाबले के बाद गुएही को हल्की हैमस्ट्रिंग चोट लगी थी। शुक्रवार को गुएही फिटनेस टेस्ट से गुजरेंगे, जिसके बाद ही यह तय हो पाएगा कि वह नॉर्वे के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे या नहीं। रिपोर्ट्स के अनुसार, गुएही और डेक्लान राइस बुधवार को टीम के साथ ट्रेनिंग में शामिल नहीं हुए। दोनों खिलाड़ियों ने मैदान से अलग अपना रिकवरी और फिटनेस प्रोग्राम पूरा किया। अगर गुएही शुक्रवार को टीम के साथ अभ्यास नहीं कर पाते हैं, तो नॉर्वे के खिलाफ उनके खेलने की संभावना काफी कम हो सकती है।

दूसरी ओर, डेक्लान राइस भी बीमारी के कारण लगातार दूसरे दिन ट्रेनिंग से दूर रहे। इंग्लैंड की टीम को उम्मीद है कि वह समय पर फिट होकर क्वार्टर फाइनल मुकाबले के लिए उपलब्ध हो जाएंगे। इंग्लैंड के लिए डिफेंस में भी परेशानी खड़ी हो गई है। मेक्सिको के खिलाफ मुकाबले में जेरेल क्वांसाह को रेड कार्ड मिला था, जिसके कारण वह दो मैचों के लिए निलंबित हो गए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में कोच थॉमस ट्यूशेल को टीम कॉम्बिनेशन को लेकर नए विकल्प तलाशने होंगे। नॉर्वे के खिलाफ इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ी चुनौती स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड होंगे। हालैंड इस वर्ल्ड कप में अब तक सात गोल कर चुके हैं और उनकी मौजूदगी इंग्लैंड के डिफेंस के लिए बड़ा खतरा बन सकती है। इस बीच, अनुभवी खिलाड़ी जॉर्डन हेंडरसन भी चोट के बावजूद टीम के साथ बने हुए हैं। मेक्सिको के खिलाफ जीत का जश्न मनाते समय उनकी कलाई में गंभीर चोट लगी थी।

खाद्य विषाक्तता मामले पर तेलंगाना मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मानवाधिकार आयोग ने नागरकर्नूल जिले के अमराबाद मंडल के मन्नानूर गांव स्थित परियोजना जनजातीय कल्याण बाल गुरुकुल में कथित खाद्य विषाक्तता की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचारों के आधार पर यह कार्रवाई की। समाचारों के अनुसार, गुरुकुल में नाश्ता करने के बाद 26 से 27 छात्र अचानक बीमार हो गए थे। योग ने नागरकर्नूल के जिला कलेक्टर से इस पूरे मामले पर विस्तृत प्रतिवेदन तलब किया है। प्रतिवेदन में घटना के कारणों, प्रभावित छात्रों की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति, जांच के निष्कर्ष, भोजन एवं पेयजल के नमूनों की जांच रिपोर्ट, दोषियों के विरूद्ध की गई कार्रवाई तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए उठाए गए निवारक उपायों का पूरा विवरण देने को कहा गया है। योग ने इस मामले की अगली सुनवाई एवं प्रतिवेदन प्रस्तुत करने की तिथि 11 अगस्त निर्धारित की है।

सीएस ने मेगा औद्योगिक परियोजनाओं के समय पर क्रियान्वयन का आह्वान किया

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव संजय जाजू ने शुक्रवार को सचिवालय में उद्योग और वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राज्य भर में विकसित की जा रही प्रमुख औद्योगिक अवसंरचना परियोजनाओं की प्रगति का आकलन करने के लिए एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने, निवेश आकर्षित करने और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। समीक्षा के दौरान, मुख्य सचिव ने तेलंगाना औद्योगिक अवसंरचना निगम (टीजीआईआईसी) द्वारा कार्यान्वित की जा रही प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया, जिनमें भारत फ्यूचर सिटी, जहीराबाद औद्योगिक शहर, काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क और अन्य रणनीतिक औद्योगिक अवसंरचना पहलें शामिल हैं। टीजीआईआईसी के एमडी शशांका ने उन्हें इन परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, बनाए जा रहे बुनियादी ढांचे, निवेश की संभावनाओं और उनके पूरा होने की समय-सीमा के बारे में जानकारी दी। मुख्य सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि विभाग का प्राथमिक उद्देश्य विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे और व्यापार के अनुकूल वातावरण के साथ उद्योगों को सुविधा प्रदान करके तेलंगाना को एक पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य की आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने और युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए घरेलू और वैश्विक दोनों तरह के निवेश को आकर्षित करना आवश्यक है। संजय जाजू ने अधिकारियों को सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने पर स्पष्ट ध्यान केंद्रित करते हुए कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि औद्योगिक परियोजनाओं को बिना किसी देरी के समय पर पूरा करने के लिए सभी विभागों और कार्यान्वयन एजेंसियों को घनिष्ठ समन्वय में कार्य करना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को चल रही परियोजनाओं की प्रगति की नियमित रूप से निगरानी करने, शुरूआती चरण में ही बाधाओं की पहचान करने और प्रभावी अंतर-विभागीय समन्वय के माध्यम से उनका समाधान करने का भी निर्देश दिया। मुख्य सचिव ने कहा कि भारत फ्यूचर सिटी, जहीराबाद इंडस्ट्रियल सिटी और काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क जैसी प्रमुख परियोजनाओं में महत्वपूर्ण निवेश आकर्षित करके और संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देकर तेलंगाना के औद्योगिक परिदृश्य को बदलने की क्षमता है। उन्होंने अधिकारियों से इन परियोजनाओं के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे और निवेशक सुविधा सेवाएं प्रदान करने में सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। उद्योग एवं वाणिज्य विशेष सचिव कृष्णा आदित्य, हथकरघा एवं वस्त्र विशेष सचिव कात्यायनी देवी, इन्वेस्ट तेलंगाना के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सूचना एवं वाणिज्य आयुक्त अजीत रेड्डी, फ्यूचर सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी के आयुक्त शशांक, उद्योग निदेशक निखिल चक्रवर्ती और वरिष्ठ अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

सिंगरेणी की पांच खदानों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित 5-स्टार रेटिंग मिली

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार के कोयला मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित राष्ट्रीय कोयला खान रेटिंग कार्यक्रम में सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) की पांच खानों को प्रतिष्ठित 5-स्टार रेटिंग के लिए चुना गया है। कोयला मंत्रालय द्वारा जारी सूची के अनुसार, श्रीरामपुर की आरके न्यूटेक और आरके-6 खदानें सतुपल्ली क्षेत्र की जेवीआर ओसी-II, बेल्लमपल्ली क्षेत्र की खैरगुडा ओपन कास्ट और रामागुंडम-III क्षेत्र की आरजी ओसी-I को 5-स्टार श्रेणी की खानों के रूप में मान्यता दी गई है। देश भर में 5-स्टार रेटिंग के लिए आवेदन करने वाली 382 कोयला खदानों में से केवल 50 खदानों का चयन किया गया, जिनमें से पांच एससीसीएल की हैं, जो कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। पिछले वर्ष, सिंगरेणी की चार खदानों को 5-स्टार रेटिंग प्राप्त हुई थी। इस वर्ष, मूल्यांकन वर्ष 2024-25 के लिए, एससीसीएल ने 5-स्टार रेटिंग प्राप्त करने वाली पांच खदानों के साथ अब तक की सबसे उच्च उपलब्धि हासिल की है, जो कंपनी के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पुरस्कार विजेता खदानों के अधिकारियों, कर्मचारियों और श्रमिकों को बधाई देते हुए, उपमुख्यमंत्री और ऊर्जा मंत्री भट्टी विक्रमार्क ने उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और सिंगरेणी की अन्य खदानों से इन सर्वोत्तम प्रथाओं का अनुकरण करने का आह्वान किया। कोयला मंत्रालय कोयला खनन में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के लिए अपने अधीनस्थ कार्यालय, कोयला नियंत्रक संगठन (सीसीओ) के माध्यम से इस वार्षिक कार्यक्रम का संचालन करता है। खानों का मूल्यांकन सात प्रमुख श्रेणियों में किया जाता है, जिसमें वैज्ञानिक खनन पद्धतियां, श्रमिकों का कल्याण, पर्यावरण संरक्षण, खान सुरक्षा और आसपास के गांवों का विकास सहित 50 प्रदर्शन मापदंड शामिल हैं। प्रत्येक वर्ष, कोयला नियंत्रक संगठन देशभर की कोयला खदानों को 5-स्टार रेटिंग कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित करता है। सरकारी और निजी कोयला खनन कंपनियां निर्धारित मानदंडों के आधार पर स्वेच्छा से अपनी खदानों का स्व-मूल्यांकन करती हैं और अपने आवेदन जमा करती हैं। इस मूल्यांकन में मुख्य रूप से सात प्रमुख क्षेत्रों की जांच की जाती है, जिनमें वैज्ञानिक खनन पद्धतियां, खनन प्रौद्योगिकी का कुशल उपयोग, खदान का वित्तीय प्रदर्शन, खदान से प्रभावित समुदायों और आसपास के गांवों के लिए कल्याणकारी उपाय, कर्मचारी कल्याण, सुरक्षा और व्यावसायिक स्वास्थ्य उपाय और पर्यावरण प्रबंधन पहल शामिल हैं। प्रदर्शन के 50 मापदंडों में से 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली खदानें 5-स्टार रेटिंग के लिए पात्र हैं। कोल कंट्रोलर ऑर्गनाइजेशन की विशेषज्ञ टीम ने हाल ही में नामित सिंगरेणी खानों का विस्तृत निरीक्षण किया और उसके बाद पांच खानों को 5-स्टार रेटिंग के लिए चुना। पांच 5-स्टार खानों के अलावा, सिंगरेणी की 17 अन्य खानों ने 80 से 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करके 4-स्टार रेटिंग हासिल की। हालांकि 4-स्टार रेटिंग के साथ कोई पुरस्कार नहीं दिया जाता, लेकिन यह उन खानों को मान्यता देती है जिन्होंने उच्च स्तर का प्रदर्शन किया है और 5-स्टार के मानदंड से मामूली अंतर से चूक गईं।

पॉटमार्केट में बीआईएस की छापेमारी, बिना हॉलमार्क के 111 स्वर्ण आभूषण जब्त

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने सिकंदराबाद के पॉटमार्केट स्थित एक आभूषण प्रतिष्ठान पर छापेमारी कर अनिवार्य स्वर्ण हॉलमार्किंग नियमों के उल्लंघन के आरोप में 111 बिना हॉलमार्क वाले स्वर्ण आभूषण जब्त किए हैं। यह कार्रवाई भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 के तहत केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित अनिवार्य हॉलमार्किंग प्रावधानों के उल्लंघन के मामले में की गई। बीआईएस की प्रवर्तन टीम ने छापेमारी के दौरान 34 अंगूठियां (164.26 ग्राम), 27 हार (797.07 ग्राम), 17 चेन (412.72 ग्राम), 27 जोड़ी बालियां (122.86 ग्राम) तथा छह कंगन (57.03 ग्राम) सहित कुल 111 स्वर्ण आभूषण जब्त किए। इस मामले में संबंधित प्रतिष्ठान के विरूद्ध विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। बीआईएस ने उपभोक्ताओं से केवल बीआईएस हॉलमार्क वाले स्वर्ण आभूषण ही खरीदने की अपील की है। साथ ही, बीआईएस केयर मोबाइल अनुप्रयोग के माध्यम से हॉलमार्क विशिष्ट पहचान संख्या (एचयूआईडी) का सत्यापन करने तथा हॉलमार्क के दुरूपयोग की शिकायत उसी अनुप्रयोग या बीआईएस की शिकायत प्रणाली के माध्यम से दर्ज कराने का आग्रह किया है। छापेमारी का नेतृत्व बीआईएस के उप निदेशक केविन के. तथा उप निदेशक विजयराज बार्बर ने किया।

महोत्सव के सफल आयोजन के लिए सभी विभागों के बीच समन्वय आवश्यक : डीसीपी

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद स्थित विश्वकर्मा फंक्शन हॉल में श्री उज्जैनी महाली बोनालु महोत्सव-2026 की तैयारियों की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सिकंदराबाद क्षेत्र की पुलिस उपायुक्त रक्षिता कृष्णमूर्ति ने की।

बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों, मंदिर समिति के प्रतिनिधियों तथा महोत्सव आयोजकों ने भाग लिया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, श्रद्धालुओं की सुरक्षा, आपातकालीन तैयारियों तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। पुलिस उपायुक्त रक्षिता कृष्णमूर्ति ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूरी की जाएं, ताकि महोत्सव का आयोजन शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

उन्होंने कहा कि महोत्सव के सफल आयोजन के लिए सभी विभागों के बीच प्रभावी समन्वय आवश्यक है। इस संबंध में संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए, ताकि सभी तैयारियां समय पर पूरी की जा सकें। बैठक में अपर पुलिस उपायुक्त जे. नरसैया, सहायक पुलिस आयुक्त च. श्रीधर तथा महाकाली थाना प्रभारी निरीक्षक एस. रवि कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

केंद्र ने आंध्र प्रदेश के एफसीवी तंबाकू विपणन सत्र की समीक्षा की

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अपर सचिव नितिन कुमार यादव के नेतृत्व में केंद्र सरकार के एक वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल ने हैदराबाद में वर्ष 2025-26 के आंध्र प्रदेश एफसीवी (फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया) तंबाकू विपणन सत्र की समीक्षा की।

बैठक में तंबाकू उत्पादक किसानों, निर्यातकों, विनिर्माताओं, व्यापारियों, व्यापारिक संगठनों तथा तंबाकू बोर्ड के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में किसानों के हितों की रक्षा, तंबाकू की खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने तथा निर्यात बढ़ाने के उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई।

साइकिल ट्रैक तोड़ने पर बढ़ा विरोध

साइकिल चालकों ने फैसले पर जताई नाराजगी

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के माय होम अवतार जंक्शन के पास बने 23 किलोमीटर लंबे सौर ऊर्जा आधारित साइकिल ट्रैक के 34 मीटर हिस्से को हटाए जाने के बाद साइकिल चालकों और स्वास्थ्य प्रेमियों में नाराजगी बढ़ गई है। करीब 93 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस ट्रैक का एक हिस्सा नए यू-टर्न और अंडरपास के निर्माण के लिए हटाया गया है। हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) के अनुसार, हैदराबाद ग्रोथ कॉरिडोर लिमिटेड (एचजीसीएल) ने यातायात पुलिस की सिफारिश पर व्यस्त चौराहे पर जाम कम करने के लिए ट्रैक की छत का 34 मीटर हिस्सा हटाया है। अधिकारियों का कहना है कि समतल क्रॉसिंग के जरिए साइकिल ट्रैक अभी भी पूरी तरह चालू है।

हालांकि, साइकिल चलाने वाले समुदाय ने इस फैसले का विरोध किया है। हैदराबाद के साइकिल मेयर के रूप में पहचान रखने वाले एस. सेल्विन ने कहा कि यह विश्वस्तरीय साइकिल ढांचे को धीरे-धीरे कमजोर करने जैसा कदम है। उनका कहना है कि शहर में टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा देने के बजाय मोटर वाहनों को प्राथमिकता दी जा रही है। साइकिल चालकों और स्वास्थ्य से जुड़े लोगों का कहना है कि इस फैसले से पहले उनसे कोई राय नहीं ली गई। उनका मानना है कि इससे भविष्य में साइकिल ट्रैक जैसे सार्वजनिक ढांचे को नुकसान पहुंचाने की गलत परंपरा शुरू हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि शहर में हरित और सुरक्षित आवागमन को बढ़ावा देने वाले ऐसे ढांचों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

श्रीधर बाबू ने जर्मन कंपनियों को तेलंगाना में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया

उच्च स्तरीय जर्मन प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री से शिष्टाचार भेंट की

मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू जर्मन प्रतिनिधिमंडल से ससम्मान भेट करते हुए।

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना प्रौद्योगिकी और उद्योग मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना देश के अन्य राज्यों की तुलना में विनिर्माण उद्योगों की स्थापना के लिए सबसे अनुकूल राज्य है।

उन्होंने उच्च स्तरीय जर्मन प्रतिनिधिमंडल से राज्य में निवेश करने के लिए जर्मन उद्योगपतियों को प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार निवेशक-अनुकूल औद्योगिक नीतियों, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और कुशल कार्यबल के साथ तेलंगाना को विश्व स्तरीय विनिर्माण केंद्र में बदलने के लिए सुनियोजित प्रयास कर रही है।

बवेरिया के आर्थिक मामलों, क्षेत्रीय विकास और ऊर्जा मंत्रालय के उप मंत्री टोबियास गोटहार्ट के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय जर्मन प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को सचिवालय में श्रीधर बाबू से शिष्टाचार भेंट की। बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने तेलंगाना और जर्मनी के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के अवसरों पर चर्चा की। श्रीधर बाबू ने औद्योगिक विकास को गति देने के लिए राज्य सरकार द्वारा लागू की जा रही नीतियों और उद्योगों को दिए जा रहे प्रोत्साहनों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना जीवन विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, एयरोस्पेस, रक्षा, उन्नत विनिर्माण, सटीक इंजीनियरिंग, डिजिटल इंजीनियरिंग, सेमीकंडक्टर, ऑटोमोटिव और मोबिलिटी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल स्वास्थ्य, अनुसंधान और नवाचार, स्वच्छ ऊर्जा, वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) और उद्योग 4.0 जैसे क्षेत्रों में निवेश के व्यापक अवसर प्रदान करता है।

श्रीधर बाबू ने कहा, राज्य इन क्षेत्रों में भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र को व्यवस्थित रूप से विकसित कर रहा है। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना सरकार निवेश से परे प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और कौशल विकास में सहयोग को शामिल करने के लिए तेलंगाना-जर्मनी साझेदारी का विस्तार करने के लिए तैयार है। इस बैठक में जर्मनी के महावाणिज्यदूत माइकल हैस्पर, हैदराबाद में जर्मनी की मानद वाणिज्यदूत अमिता देसाई, बवेरिया के आर्थिक मामलों के मंत्रालय की कार्यकारी निदेशक उलरीके हॉफमैन, बवेरिया इंडिया कार्यालय के कार्यकारी निदेशक जॉन कोट्टायिल और अन्य उपस्थित थे।

महाकाली मंदिर से दान पेटी चोरी

एक लाख से अधिक नकदी ले गए बदमाश

सिद्दिपेट, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दिपेट जिले के मिरुदोदी मंडल स्थित धर्माराम गांव के महाकाली मंदिर में गुरुवार रात अज्ञात चोरों ने दान पेटी चोरी कर ली। दान पेटी में एक लाख रुपये से अधिक नकद और अन्य कीमती सामान रखे होने की बात कही जा रही है। चोरों ने मंदिर की मूर्तियों और प्रवेश द्वार को भी नुकसान पहुंचाया। शुक्रवार सुबह जब पुजारी मंदिर पहुंचे तो उन्होंने मुख्य द्वार खुला देखा। अंदर जाने पर दान पेटी गायब मिली, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों से बचने के लिए बदमाश कैमरों की हार्ड डिस्क भी अपने साथ ले गए, जिससे घटना का कोई डिजिटल साक्ष्य नहीं मिल सका। मंदिर प्रबंधन का कहना है कि करीब चार वर्ष पहले भी मंदिर से सोने की नथनी चोरी हुई थी, लेकिन उस मामले का अब तक खुलासा नहीं हो सका है। मिरुदोदी पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

अभिनेता धर्म महेश के घर की चारदीवारी से टकराई कार

फिल्म नगर में आधी रात हुआ हादसा

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के फिल्म नगर क्षेत्र में गुरुवार आधी रात एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर अभिनेता धर्म महेश के घर की चारदीवारी से टकरा गई। घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

बताया जा रहा है कि कार में सवार युवक कथित तौर पर शराब के नशे में थे। तेज आवाज सुनकर अभिनेता धर्म महेश के परिजन बाहर आए और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार में मौजूद लोगों को हिरासत में ले लिया। प्रारंभिक जांच में पुलिस को पता चला कि दुर्घटना के समय चालक और उसके साथी नशे की हालत में थे। हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन टक्कर से अभिनेता के घर की चारदीवारी का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है। अभिनेता धर्म महेश फिल्म 'ड्रिंकर साई' और 'सिंदूरम' में निभाई गई अपनी भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं।

फिल्म में मौका दिलाने के नाम पर ठगी

निर्देशक पर साढ़े तीन करोड़ लेने का आरोप

हैदराबाद, 10 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने तेलुगु फिल्म निर्देशक जी. अशोक बाबू के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। उन पर एक परिवार से उनके बेटे को फिल्म का हीरो बनाने का वादा कर करीब 3.5 करोड़ रुपये लेने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, हनुमंथा राव ने शिकायत में बताया कि निर्देशक ने कई किस्तों में उनसे और उनके परिवार से रुपये लिए। बदले में उनके बेटे को तेलुगु फिल्म में मुख्य अभिनेता के रूप में लॉन्च करने का भरोसा दिया गया था। लेकिन न तो फिल्म बनी और न ही परिवार को उनकी रकम वापस की गई। बार-बार रुपये लौटाने की मांग के बावजूद कोई समाधान नहीं होने पर पीड़ित परिवार ने आर्थिक अपराध शाखा से शिकायत की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने निर्देशक जी. अशोक बाबू को पूछताछ के लिए तलब किया है। अधिकारी वित्तीय लेन-देन और धन लिए जाने की पूरी प्रक्रिया की जांच कर रहे हैं। जी. अशोक बाबू तेलुगु फिल्मों 'पिल्ला जमींदार' और 'भागमती' के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। मामले की जांच जारी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.